रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.0	28.5
जमशेदपुर	34.8	26.6
डालटनगंज	36.6	28.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

www.lagatar.in रांची, शनिवार 20 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 102 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,000
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबर

राज्यपाल को छूट मिले या नहीं, होगी सुनवाई

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 361 की समीक्षा करने पर शुक्रवार को सहमत हो गया, जो राज्यपालों को आपराधिक केसों से पूर्ण छूट प्रदान करते हैं. शीर्ष कोर्ट ने यह आदेश बंगाल राजभवन में कार्यरत उस महिला कर्मी की याचिका पर दिया है, जिसने राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ इस मामले की सुनवाई करने को तैयार हो गई है.

माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड ठप, इंटरनेट सेवाएं हुईं बाधित

एजेंसियां। नयी दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड के ठप होने के कारण शुक्रवार को पूरी दुनिया ठप हो गई. इसकी बड़ी वजह यह है कि दुनियाभर के तमाम बैंक, बिजनेस, एयरलाइन क्लाउड सर्वर पर निर्भर हैं. माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड के डाउन होने के कारण भारत अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया समेत दुनियाभर की सैकड़ों फ्लाइट कैंसिल हुई और कइयों का समय बदला गया. एयरलाइंस कंपनियों ने अपने यात्रियों के इस आउटेज के कारण सेवाओं में हो रही देरी को लेकर एडवाइजरी जारी की है.

बता दें कि अधिकतर कंपनियां क्लाउड सर्वर का इस्तेमाल कर रही हैं और इस वक्त क्लाउड सर्विस देने वाली तीन प्रमुख कंपनियां हैं जिनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और गूगल शामिल हैं.

कई घंटे तक व्यवधान कायम रहने के बाद प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा है कि वह धीरे-धीरे माइक्रोसॉफ्ट 365 ऐप और सेवाओं तक पहुंच को प्रभावित करने वाली समस्या को ठीक कर रही है. इंटरनेट रुकावटों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' ने बताया कि वीजा, एडीटी सिक्योरिटी और अमेजन, तथा अमेरिकन एयरलाइंस और डेल्टा समेत विभिन्न एयरलाइन के कामकाज में व्यवधान बढ़ा है. अमेरिका, यूरोपीय देशों और ऑस्ट्रेलिया में समाचार संस्थानों ने बताया कि एयरलाइंस, दूरसंचार सेवाएं और बैंक व मीडिया संस्थानों में कंप्यूटर सिस्टम पर कामकाज नहीं हो पा रहा है. न्यूजीलैंड के कुछ बैंकों ने कहा कि उनका कामकाज भी प्रभावित हुआ है. -पेज 12 भी देखें

माइक्रोसॉफ्ट ने कहा जल्द करेंगे ठीक

माइक्रोसॉफ्ट 365 ने एक्स पर पोस्ट किया कि कंपनी प्रभावित ट्रैफिक को वैकल्पिक प्रणालियों पर पुनर्निर्देशित करने पर काम कर रही है ताकि अतिशीघ्रता से प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके. और वे सेवा उपलब्धता में सकारात्मक रुझान देख रहे हैं. इस संबंध में सवाल करने पर कंपनी ने फिलहाल जवाब नहीं दिया है.

दिल्ली एयरपोर्ट ने की अपील

इस आउटेज पर दिल्ली एयरपोर्ट ने कहा, वैश्विक आईटी आउटेज के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हुईं. हम अपने यात्रियों को असुविधा कम करने के लिए अपने पार्टनर के साथ मिलकर काम कर रहे हैं. यात्रियों से अनुरोध है कि वे एयरलाइन के संपर्क में रहें.

इन एयरलाइंस की सेवाएं हुईं ठप

भारत में इंडिगो, स्पाइसजेट और आकासा एयरलाइंस की सेवाएं प्रभावित हुई हैं. भारत के अलावा अमेरिका में फ्रंटियर एलिगेंट और सनकंट्री जैसी बड़ी एयरलाइंस कंपनियों की सेवाएं माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड आउटेज के कारण ठप हो गईं. इस आउटेज के कारण एयरलाइंस कंपनियों के बुकिंग, चेक-इन, बोर्डिंग, वेब चेक-इन जैसी सभी सेवाएं प्रभावित हुई हैं.

क्राउडस्ट्राइक के कारण हो रही दिक्कत

यह आउटेज सीधे तौर पर माइक्रोसॉफ्ट के कारण नहीं, बल्कि माइक्रोसॉफ्ट पीसी और साइबर सिक्योरिटी सर्विस देने वाले प्लेटफॉर्म डाउन होने के कारण है. क्राउडस्ट्राइक विंडोज पीसी को एडवांस सॉल्यूशन देती है. क्राउडस्ट्राइक के ही डाउन होने से भारत, अमेरिका, कनाडा, जापान समेत दुनिया के कई देश प्रभावित हैं. क्राउडस्ट्राइक ने एक बयान में कहा कि वह रिपोर्ट से अवगत है और उसके लोग इसे फिक्स करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं.

आपस में भिड़ंत : सीएम आवास के गेट के सामने कांके रोड बना रणक्षेत्र

पुलिस पर पुलिस ने बरसाईं लाठियां

- एक घंटे की वार्ता विफल, निषेधाज्ञा के बावजूद गुस्साए सहायक पुलिसकर्मी पहुंचे सीएम आवास
- पत्थर फेंके, बल्लियां भांजी, दोनों ओर से लाठियां भांजी गईं, आधा दर्जन से अधिक जवान घायल

अजब हाल

आकर्ष अनिकेत। रांची

लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को सहायक पुलिसकर्मियों के सब्र का बांध टूट गया. दोपहर से पहले पहले राउंड की वार्ता विफल होने के बाद मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे राज्य भर से जुटे 2200 सहायक पुलिसकर्मी दोपहर बाद कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास तक पहुंच गये.

रास्ते में उन्हें जगह-जगह पुलिस के जवानों ने रोकने की कोशिश की, लेकिन सहायक पुलिसकर्मी चकमा देते हुए सीएम आवास गेट के सामने पहुंचे गये. फिर क्या ता, लगभग एक घंटे तक कांके रोड रणक्षेत्र बना रहा. सीएम आवास के पास सुरक्षा में तैनात पुलिस के जवान और सहायक पुलिसकर्मी एक-दूसरे को ललकारते हुए भिड़ गए.

सहायक पुलिसकर्मियों ने जहां सीएम हाउस के पास सुरक्षा में तैनात जवानों पर पथराव किया, बल्लियां भांजी, वहीं जवानों की लाठियां छीन कर हमले किए. पुलिस के जवानों ने भी सहायक पुलिसकर्मियों को खदेड़ने के लिए लाठियां बरसायीं. लाठीचार्ज में आधा दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गये. लेकिन लाठीचार्ज के थोड़ी देर बाद ही सहायक पुलिसकर्मी सीएम हाउस गेट के सामने धरना पर बैठ गये और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करने लगे.

दो घंटे तक धरना पर बैठे रहे, तो रांची पुलिस के आला अधिकारियों ने सहायक पुलसकर्मियों को समझा-बुझा कर शांत कराया. अधिकारियों द्वारा उन्हें बताया गया कि मुख्यमंत्री फिलहाल गिरिडीह में हैं. आश्वासन दिया कि उनके आते ही फिर से वार्ता करायी जाएगी.इसके बाद सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी स्थित धरना स्थल पर वापस लौट गये.

रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के बाहर शुक्रवार को आंदोलित सहायक पुलिसकर्मियों और पुलिस के बीच जोर आजमाइश. **फोटो। रमीज**

सहायकों के पथराव में घायल जवान.

आंदोलनकारियों ने तोड़े पुलिस के वाहन.

जवानों की नाकेबंदी, बैरिकेडिंग को धता बता सहायक पुलिसकर्मी पहुंच गये सीएम आवास

दो जुलाई से मोरहाबादी मैदान में टेंट-तंबू लगा कर धरना पर बैठे सहायक पुलिसकर्मियों ने आंदोलन के क्रम में शुक्रवार को सीएम आवास का घेराव करने की घोषणा की थी. सहायक पुलिसकर्मियों के सीएम आवास घेरने की घोषणा को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारी व जवान सुबह से ही मोरहाबादी मैदान और कांके रोड में तैनात थे. जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई थी, ताकि सहायक पुलिसकर्मी सीएम आवास तक नहीं पहुंच सकें. लेकिन पुलिस के आला अधिकारियों की व्यवस्था को धत्ता बताते हुए सहायक पुलिसकर्मी कांके रोड सीएम आवास के गेट तक पहुंच गए.

स्थाईकरण पर अड़े, सरकार से साथ वार्ता, नहीं बनी बात

सहायक पुलिकर्मियों के सीएम आवास घेराव की घोषणा को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारियों ने पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया. सरकार के प्रतिनिधियों के साथ लगभग एक घंटे तक चली वार्ता विफल रही. वार्ता के दौरान सरकार की ओर से सहायक पुलिसकर्मियों का अनुबंध एक साल बढ़ाने, वेतन में 25 प्रतिशत बढ़ोतरी करने के साथ ही साथ पुलिस बहाली में आरक्षण देने का प्रस्ताव रखा गया, लेकिन सरकार का प्रस्ताव सहायक पुलिसकर्मियों को रास न आया. सहायक पुलिसकर्मी स्थायीकरण की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि जब आम पुलिस के जवानों की तरह वे ड्यूटी कर रहे हैं, तो उनकी सेवा स्थायी क्यों नहीं की जा रही. वार्ता विफल होने के बाद सहायक पुलिसकर्मियों के प्रतिनिधि मोरहाबादी मैदान लौटे. साथियों को वार्ता के बारे में जानकारी दी, फिर सभी एकसाथ सीएम आवास के घेराव करने निकल पड़े.

बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस वाहन के शीशे भी तोड़ डाले

गुस्साये सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी मैदान से सीएम आवास का घेराव करने बढ़े, तो कई जगह उन्हें रोकने की कोशिश की गयी. लेकिन उन्होंने किसी की परवाह नहीं की. रास्ते में कई बैरिकेडिंग तोड़ डाले. एक बाइक को पलट दिया, जिस कारण वहां तैनात सुरक्षा बल के कई जवान भी चोटिल हो गए. इस दौरान सहायक पुलिकर्मियों ने पथराव किया और पुलिस के वाहन का शीशा भी तोड़ डाला.

सीएम आवास के सामने एक-दूसरे को ललकारते रहे

सहायक पुलिसकर्मियों के आंदोलन का समर्थन करने जेबीकेएसएस के नेता देवेंद्र नाथ महतो भी पहुंचे थे. वे सहायक पुलिसकर्मियों को सीएम आवास चलने के लिए ललकार रहे थे. यहं पुलिस के जवानों ने सहायक पुलिसकर्मियों को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने बल्ली से उन पर हमला कर दिया. महतो सहायक पुलिसकर्मियों को साथ लेकर सीएम आवास पहुंचे और जवानों को ललकारने लगे. फिर क्या था, जवानों ने लाठी चार्ज कर दिया. उधर सहायक पुलिसकर्मियों ने बज्र वाहन का तार काट डाला, चालक को पीटा और जवानों पर पथराव भी किया. कांके रोड पर पुलिस जवानों से लाठियां छीन कर हमले करने लगे. सहायक पुलिसकर्मियों ने बांस-बल्लियां भी भांजी, जिससे कई पुलिस के जवान भी घायल हो गये. कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा.

रोजगार देने में हार गईं सरकारें!

सुरजीत सिंह

दो तथ्य

पहला – कोरोना काल से लेकर अब तक सरकार ने आम लोगों को कोई राहत नहीं दी. लेकिन बड़ी कंपनियों को टैक्स से लेकर तमाम तरह की राहत दी. कंपनियों का मुनाफा बढ़ा. लेकिन कंपनियों ने नए प्रोजेक्ट नहीं लाए. रोजगार पैदा नहीं किया.

दूसरा – खाली पड़े सरकारी पदों पर नियुक्ति नहीं हो रही. सरकार ने खर्चे खूब बढ़ाये, लेकिन बेरोजगारी कम नहीं हुई. बल्कि बेरोजगारी चरम पर पहुंची हुई है.

दो घटनाएं

पहली – कर्नाटक सरकार निजी कंपनियों में 75 प्रतिशत स्थानीय युवकों को नियुक्त करने का प्रस्ताव लाई. कंपनियों के विरोध के बाद सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा.

दूसरी – महाराष्ट्र सरकार लाडला भाई योजना लाई. इसके तहत 12वीं पास युवकों को चार से 12 हजार रुपए तक देने का फैसला लिया.

ये तथ्य व घटनाएं बताती हैं कि सरकारें रोजगार देने के मामले में बुरी तरह हार गई हैं. सरकारी पदों पर नियुक्ति कर नहीं रहीं. निजी कंपनियां भी नई नौकरियां तो नहीं लाईं, उल्टे वहां छंटनी का दौर जारी है. तो बेरोजगारों को खुश करने के लिए अब भत्ता देना शुरू कर रही हैं. कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में इसी तरह देश भर के ग्रेजुएट्स को बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की थी. तरीका अलग था. कंपनियों में काम दिलवा कर हर माह तयशुदा रकम देने का वादा किया था. अब महाराष्ट्र सरकार ने फैसला ले लिया है. वहां चुनाव होने वाले हैं. सत्ताधारी दल लोकलुभावन फैसले ले रहे हैं. कल को दूसरे राज्यों की सरकारें भी इसी तरह के फैसले लेंगी. महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले से सरकार पर करीब 5500 करोड़ रुपए खर्च बढ़ेगा. यह पैसा कहां से आएगा. जाहिर तौर पर केंद्र सरकार से मांगना पड़ेगा, टैक्स बढ़ा कर या किसी बड़ी कल्याणकारी योजना को बंद करके. बोझ आम लोगों पर ही आएगा. मूल बात यही है कि सरकारों की नीतियों के चलते बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं किया गया. रोजगार भी नहीं बढ़े और इस मोर्चे पर सरकारें पूरी तरह हार चुकीं हैं. और अब ऐसा लगता है कि सरकारों ने यह समझ लिया है सरकारी खजाने से बेरोजगारों को पैसा देना ही रोजगार का विकल्प है. या यूं कहें कि रोजगार पैदा करने में विफल सरकारों के लिए अपनी नाकाबीलियत को छुपाने के लिए एकमात्र विकल्प. यह राजनीतिक दलों को तो फायदा पहुंचाता ही है, कई बार आम लोगों को भी पसंद आता है. नेताओं को वोट मिलते नहीं बरसने लगते हैं पर, अर्थव्यवस्था के नजरिए से यह है बड़ा ही विध्वंसकारी फैसला. इसके दुष्परिणाम आने वाले वक्त में सामने आएंगे.

रिम्स की छात्रा रिमांड पर

नीट पेपर लीक मामला

रांची। नीट यूजी के पटना पेपर लीक मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को रिम्स की प्रथम वर्ष की मेडिकल छात्रा सुरभि कुमारी को गिरफ्तार कर लिया. उस पर आरोप है कि उसने अभ्यर्थियों के लिए पेपर हल किया. अधिकारियों ने बताया कि कोर्ट ने पूछताछ के लिए उसे तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया है. सुरभि सॉल्वर की पांचवीं सदस्य बताई गई है, जो पंकज द्वारा चुराए गए पेपर को हल करने के लिए पांच मई को नीट-यूजी परीक्षा के दिन हजारीबाग में थी. पंकज उर्फ आदित्य, एनआईटी जमशेदपुर का 2017 बैच का इंजीनियर है, जिसने हजारीबाग से एनटीए के बक्से से पेपर चुराया था. पेपर लीक मामले में सीबीआई अब तक 16 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है.

कांवड़ रूट की दुकानों में मालिक के नाम पर एनडीए में पड़ी दरार

लोजपा, जदयू और रालोद ने किया आदेश का विरोध

एजेंसी। नयी दिल्ली

यहां भी आदेश

- यूपी के बाद अब उत्तराखंड सरकार ने भी दुकानदारों के लिए जारी किया आदेश

यूपी में सावन के दौरान कांवड़ यात्रा रूट पर होटल, रेस्तरां, ढाबा, फल और खान-पान की दुकानों पर मालिक के नाम का बोर्ड लगाने का आदेश अब उत्तराखंड सरकार ने भी जारी कर दिया है. इसके खिलाफ एनडीए में भाजपा के सहयोगी दल ही मोर्चा खोल दिए हैं.

जदयू ने इस आदेश की समीक्षा की मांग की है, तो जयंत चौधरी की पार्टी रालोद ने भी इसे वापस लेने की मांग कर दी है. यही नहीं लोजपा (आर) के प्रमुख चिराग पासवान भी इस आदेश का विरोध किया है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा की अध्यक्ष मायावती, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी और दूसरे विपक्षी नेताओं के विरोध के बाद भी अब सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूरे यूपी में कांवड़ रूट पर दुकानदारों को नाम लगाने का आदेश दिया है. उधर उत्तराखंड में भी कांवड़ यात्रा मार्ग के रेस्टोरेंट और होटलों के मालिकों को अपने नाम के साथ बोर्ड लगाना होगा. हरिद्वार पुलिस ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल, ढाबों के मालिकों से इस आदेश का पालन करनेको कहा है.

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सरकार के इस आदेश का विरोध करते हुए कहा कि वह जाति या धर्म के नाम पर भेद किए जाने का कभी भी समर्थन नहीं करेंगे. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा, आदेश विभाजनकारी तथा संविधान एवं लोकतंत्र पर हमला है.

चर्चा में गुमला के बिशुनपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने इशारों-इशारों में किसको घेरा

कुछ लोगों में मानव होने के बावजूद मानवीय गुणों का अभाव

केंद्र की सत्ताधारी भाजपा और आरएसएस के बीच क्या सबकुछ ठीक नहीं चल रहा? 2024 लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद से ये सवाल कई बार उठे हैं. इसकी वजह है आरएसएस की ओर से लगातार आए ऐसे बयान जिसने सियासी गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है. इसकी शुरुआत खुद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने ही की. उन्होंने चुनाव नतीजों के चंद दिन बाद ही 10 जून को नागपुर से ऐसी टिप्पणी की जिसे सीधे तौर पर पीएम नरेंद्र मोदी पर टारगेट के तौर पर देखा गया. उस समय उन्होंने कहा था कि जो मर्यादा का पालन करते हुए काम करता है, गर्व करता है लेकिन अहंकार नहीं करता, वही सही अर्थों में सेवक कहलाने का अधिकारी है. अब मोहन भागवत की गुमला में की गई टिप्पणी को कहीं न कहीं केंद्र की भाजपा सरकार को नसीहत के तौर पर देखा जा रहा है.

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

गुमला से आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा संदेश दिया है. आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अब लोग सुपरमैन बनना चाहते हैं. मोहन भागवत गुमला के बिशुनपुर में ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे.

मोहन भागवत ने कहा कि आत्म-विकास करते समय एक मनुष्य सुपरमैन बनना चाहता है. सुपरमैन के बाद वह देवता और फिर भगवान बनना चाहता है. इंसान विश्वरूप की भी आकांक्षा रखता है, लेकिन वहां से आगे भी कुछ है क्या, यह कोई नहीं जानता है. मोहन भागवत ने कहा कि कुछ लोगों में मनुष्य होने के बावजूद मानवीय गुणों का अभाव होता है और उन्हें सबसे पहले अपने अंदर इन गुणों को विकसित करना चाहिए. उन्होंने कहा, प्रगति का कोई अंत नहीं है. मानवीय गुणों को विकसित करने के बाद एक मनुष्य अलौकिक बनना चाहता है, सुपरमैन बनना चाहता है, लेकिन वह वहां रुकता नहीं है. इसके बाद उसे लगता है कि देवता बनना चाहिए, लेकिन देवता कहते हैं कि हमसे तो बड़ा भगवान है और फिर वह भगवान बनना चाहता है. भगवान कहता है कि वह तो विश्वरूप है, तो वह विश्वरूप बनना चाहता है. वहां भी कुछ है क्या रुकने की जगह, ये कोई नहीं जानता है. लेकिन विकास का कोई अंत नहीं है. बाहर का विकास भी और अंदर का विकास भी, यह निरंतर चलने वाली एक प्रक्रिया है.

देश की बेहतरी के लिए बहुत से लोग काम कर रहे हैं. इसलिए मुझे देश के भविष्य की फिक्र नहीं है.
– **मोहन भागवत,** आरएसएस प्रमुख

और क्या-क्या बोले मोहन भागवत

पूरे विश्व में भारत ही ऐसा देश है, जहां हर तरह की संस्कृति, खान-पान, रीति-रिवाज और धर्म है. लेकिन इस देश के लोगों का मन एक ही प्रकार का है.

- पहली नजर में, आदिवासी विकास से पीछे हैं. उनके पास सुविधाओं का अभाव है. जबकि शहरों में लोगों को हर सुविधा प्राप्त है. आदिवासी वनों में अपनी परंपरा के साथ रहते हैं. लेकिन शहर में सावधानी रखनी पड़ती है.
- लोगों का अपना स्वभाव है. कई लोग बिना किसी नाम या प्रसिद्धि की इच्छा के कल्याण का काम कर रहे.
- आगे बढ़ने का कोई अंत नहीं है. जहां तक विकास लेकर जाएंगे, उसके आगे भी इसकी जरूरत दिखेगी. ऐसे में मनुष्य को सेवा के क्षेत्र में अति मानव बनना चाहिए और निरंतर विकास करना चाहिए.
- कोविड-19 के बाद दुनिया को पता चला कि भारत के पास खुशहाली का रोडमैप है. संघ के लोग कल्याण के लिए लगातार प्रयास करें, यही मेरा आग्रह है.

काम से नहीं होना चाहिए संतुष्ट : मोहन भागवत ने आगे कहा कि मनुष्य को मानवता के लिए अथक परिश्रम करना चाहिए. साथ ही कहा कि एक कार्यकर्ता को अपने काम से कभी संतुष्ट नहीं होना चाहिए. भागवत ने कहा, काम जारी रहना चाहिए, पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में निरंतर कार्य करने का प्रयास करना चाहिए इसका कोई अंत नहीं है और विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य करना ही एकमात्र समाधान हैहमें इस विश्व को एक सुंदर स्थान बनाने का प्रयास करना चाहिए जैसी की भारत की प्रकृति है. उन्होंने कहा कि सनातन धर्म मानव जाति के कल्याण में विश्वास करता है.

कैसे सुलझेगी पेंच, सभी के अपने-अपने दावे और तर्क, विस चुनाव में झामुमो ही रहेगा लीड रोल में

मिशन विस : सीट 81, 'इंडिया' के दलों से दावेदारी 113 पर

फाइल फोटो

कौशल आनंद। रांची

अगर विधानसभा चुनाव अपने निर्धारित समय पर हुआ तो, इसके लिए महज अब चार महीने का समय शेष रह गया है. भाजपा विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट चुकी है. इनके विधानसभा प्रभारी सह प्रभारी लगातार दौरे पर हैं. भाजपा के दिग्गज नेता और चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 जुलाई को पार्टी के विस्तारित कार्यसमिति की बैठक करेंगे और अपने कैडर को चुनाव समर में झोंकने का काम करेंगे. अगर इंडिया गठबंधन की बातें करें तो इसमें शामिल कोई भी दल अबतक चुनावी तैयारी से शुरू भी नहीं की है. हां, गठबंधन में सीट को लेकर तरह-तरह के दावे और प्रतिदावे किए जा रहे हैं. इसको लेकर तरह-तरह के लॉजिक भी दिए जा रहे हैं. झारखंड विधानसभा की कुल 81 सीटें हैं, मगर गठबंधन दलों की ओर से कुल 113 सीटों पर दावेदारी हो रही है. अब यह पेंच कैसे और कब तक सुलझेगा, यह देखना दिलचस्प होगा.

क्या कहते हैं विभिन्न दलों के नेता

लोकसभा चुनाव में क्यों और कैसे हुआ, यह सब जानते हैं. रही बात विधानसभा की तो इसमें शामिल सभी दलों को अपनी-अपनी जमीनी हकीकत पता है. बस इतना ही कहेंगे झामुमो विधानसभा में बड़े भाई की भूमिका में है और चुनाव सीएम हेमंत के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन सभी 81 सीटों लड़ेगा. इस बार हमारी दावेदारी 50 सीटों पर रहेगी. - सुप्रियो भट्टाचार्य, महासचिव, झामुमो

निश्चित ही हम पिछली बार 31 सीटों पर चुनाव लड़े थे. मगर इस बार 33 की दावेदारी क्यों हो रही है, यह सभी को पता है. प्रदीप यादव पिछली बार झाविमो से लड़े थे, इस बार वे कांग्रेस की ओर लड़ेंगे. मांडू के भाजपा विधायक कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं, वे भी इस बार कांग्रेस की ओर लड़ेंगे. हमारी पार्टी का दावा स्वाभाविक है. बाकी केंद्रीय नेतृत्व और हेमंत जी तय करेंगे. - राकेश सिन्हा, महासचिव कांग्रेस

पिछली बार हम 7 सीट पर लड़े थे, जिसमें चार सीट पर मामूली अंतर से हारे थे. एक सीट पर विजयी रहे. इस बार प्रदेश की ओर से 22 सीट और 22 प्रत्याशी चयन कर लिया गया है. प्रस्ताव भी तैयार है. इस प्रस्ताव को जल्द ही राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा. इसके बाद राष्ट्रीय नेता ही तय करेंगे हम एक सीट पर लड़ेंगे या 22 सीट पर. - संजय सिंह यादव, प्रदेश अध्यक्ष राजद

इंडिया गठबंधन के तहत माले राज्य की आठ विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगा. इसकी तैयारी की जा रही है. अंतिम फैसला पार्टी के और गठबंधन के वरीय नेता बैठकर तय करेंगे. माले का मकसद है भाजपा का इस राज्य से सफाया. इसलिए माले गठबंधन को मजबूती करना चाहता है. - भुनेश्वर केवट, माले नेता

लोस में चली थी कांग्रेस की मनमर्जी

लोकसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस की ही चली थी, कांग्रेस ने एकतरफा अपनी तय सीटों पर प्रत्याशी उतारना शुरू कर दिया था. मगर विधानसभा चुनाव का नजारा कुछ अलग ही रहेगा. विधानसभा में झामुमो ही लीड रोल और बड़े भाई की भूमिका में रहेगा. गत विधानसभा में भी झामुमो ही लीड रोल में रहा था. सीटों के बंटवारे में भी इस बार झामुमो की ही मनमर्जी चलेगी, यह भी तय है.

अंतिम फैसला हेमंत, राहुल, तेजस्वी और दीपांकर ही करेंगे

विभिन्न दलों की चाहे कितने भी सीट पर दावेदारी हो, मगर सीटों के बंटवारे पर अंतिम फैसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और माले के दीपांकर भट्टाचार्य ही लेंगे. अब यह देखना भी काफी अहम होगा कि कौन कितना पीछे जाता है, कौन अड़ता है. मगर इस बार सीटों का बंटवारा इंडिया गठबंधन में आसान नहीं होगा तय भी तय है.

2019 में झामुमो, कांग्रेस व राजद इन सीटों पर लड़ा था चुनाव

झामुमो : गुमला, सिसई, घाटशिला, गांडेय, बरहेट, दुमका, चाईबासा, चक्रधरपुर, मनोहरपुर, गिरिडीह, बोरिया, महेशपुर, टुन्डी, शिकारीपाड़ा, सरायकेला, सिल्ली, जामा, डुमरी, बहरागोड़ा, लिट्टीपाड़ा, बिशुनपुर, लातेहार, गढ़वा.

कांग्रेस : बरही, धनबाद, पाकुड़, बेरमो, जमशेदपुर दोनों, रामगढ़, मनिका, बोकारो, डालटनगंज, खिजरी, कांके, पांकी, विश्रामपुर, लोहरदगा.

राजद : देवघर, चतरा, छतरपुर, गोड्डा, हुसैनाबाद, कोडरमा, और बरकट्ठा

किस दल की कितनी सीट पर है दावेदारी

आम आदमी पार्टी ने पहले ही एकला चलो रे के तर्ज पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. अन्य वाम दल भी की मांग इतनी अधिक रहेगी, उनकी मांगें पूरी करना संभव नहीं होगा. इसलिए झारखंड इंडिया गठबंधन में शामिल दल झामुमो, कांग्रेस, राजद और माले ही है. पिछली बार झामुमो 43 सीट पर चुनाव लड़ा था, मगर इस बार पार्टी का दावा 50 सीट है. कांग्रेस पिछली बार 31 सीट पर चुनाव लड़ी थी, इस बार इसका दावा 33 सीट पर है. वहीं राजद पिछली बार सात सीट चुनाव लड़ा था, इस बार उसकी दावेदारी 22 सीट पर है. माले पिछली बार गठबंधन का हिस्सा नहीं था. मगर इस बार माले इंडिया गठबंधन में शामिल है. माले आठ सीट पर दावेदारी कर रहा है.

ईडी के स्पेशल डायरेक्टर अमित शाह से मिलने वाले दागियों व घुसपैठियों की सूची जारी करें

झारखंड में ईडी की कार्रवाई चिह्नित करके होती है: सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने देश के गृह मंत्री के झारखंड दौरे का स्वागत करते हुए बाबूलाल मरांडी और भाजपा पर तीखा प्रहार किया है. कहा कि झारखंड में ईडी की कार्रवाई चिह्नित करके होती है. जो भाजपा के साथ हैं, भाजपा के हैं या भाजपा समर्थक हैं, उनके खिलाफ सबूत रहने के बावजूद कोई कार्रवाई होती नहीं है. जबकि भाजपा के खिलाफत करने वालों के खिलाफ ईडी चुन-चुन करके कार्रवाई करती है. लोकसभा चुनाव के पूर्व झारखंड और देश ने दो तरह की तस्वीर देखी. झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, दिल्ली के सीएम समेत ऐसे कई भाजपा और मोदी जी के खिलाफत करने वालों को जेल में डाल दिया गया. ऐसा इसलिए है कि झारखंड में ईडी के सभी अफसरों के अतिरिक्त एक और ईडी के स्पेशल डायरेक्टर हैं, जिनका नाम है बीएल मरांडी (बाबूलाल मरांडी).

वे झारखंड में तय करते हैं कि किसके खिलाफ ईडी की कार्रवाई करनी है और किसके खिलाफ नहीं है. लोकसभा चुनाव के बीचो-बीच ये स्पेशल डायरेक्टर बीएल मरांडी जमीन घोटाले में आरोपी और बेल पर चल रहे विष्णु अग्रवाल को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलवाया. इतना ही नहीं अभी ईडी के नोटिस पर नोटिस होने के बाद भी उसके समक्ष उपस्थित होने नहीं होने वाले पूर्व पत्रकार और जमीन कारोबारी कमलेश को भी वित्त मंत्री से यह ईडी के स्पेशल डायरेक्टर बीएल मरांडी ने मिलवाया. यह सभी जानते हैं कि ईडी वित्त मंत्रालय के अधीन आता है. इसलिए अब 22 जुलाई को देश के गृह मंत्री आ रहे हैं, जो पीएम के स्पेशल एफेयरर्स कैबिनेट के मेंबर भी हैं. यह स्पेशल डायरेक्टर बीएल मरांडी गृह मंत्री से किन-किन दागियों और आरोपियों से मिलवाएंगे. किन-किन घुसपैठियों से मिलवाएंगे, उसका नाम अगर आज ही सार्वजनिक हो जाता तो बेहतर रहता. क्योंकि खुद भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और नेता प्रतिपक्ष अपनी पार्टी में घुसपैठी हैं. यह बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने वित्त मंत्री के साथ दोनों आरोपियों का फोटो जारी करते हुए कही. इन दोनों फोटो में मरांडी भी मौजूद हैं.

असम डीजीपी का पत्र सरकारी धन के दुरूपयोग का सबसे बड़ा दस्तावेज, गृह मंत्री को जवाब देना होगा

भट्टाचार्य ने कहा कि असम सरकार के पुलिस विभाग के डीजीपी द्वारा एक पत्र झारखंड सरकार को आया है. यह पत्र अब झामुमो के लिए एक दस्तावेज बन गया है. इस पत्र में कहा गया है कि असम के सीएम हिमंता विस्व सरमा असम के मुख्यमंत्री के साथ झारखंड में भाजपा के सह विधानसभा चुनाव प्रभारी हैं. जिसे जेड प्लस की सुरक्षा प्रदान है. वे फिलहाल झारखंड आते-जाते रहेंगे .उन्हें गृह मंत्रालय के आदेश से यह सुरक्षा प्रदान की गयी है. इसलिए अगर झारखंड सरकार को दिक्कत है तो उनके आने-जाने और सुरक्षा पर किया जा रहा व्यय असम सरकार उठाने को तैयार है. यह पत्र अपने आप में कई प्रश्न को जन्म दे रहा है. क्या यह मान लिया जाए कि चुनावी बांड के बाद यह सरकारी धन के दुरूपयोग का बड़ा मामला बनेगा. क्या हिमंता विस्व सरमा जो एक मुख्यमंत्री रहते हुए झारखंड में भाजपा संगठन के लिए काम करेंगे और उसका खर्च असम के ट्रेजरी से भुगतान होगा. यह पत्र खुद अपने आप में स्वीकारोक्ति है.

गृह मंत्री भाजपा कार्यकर्ताओं को झूठ के टिप्स देंगे, क्योंकि इसमें वे माहिर हैं

भट्टाचार्य ने कहा कि गृह मंत्री 20 जुलाई को भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं को चुनावी टिप्स नहीं, झूठ का टिप्स देंगे. क्योंकि वे झूठ बोलने और भ्रम फैलाने में माहिर हैं. उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि एक बार वे यह बातें यूपी में फैलाने को कहा था कि अखिलेश यादव ने अपने पिता मुलायम सिंह यादव को थप्पड़ मारा था. यह झूठ इतनी तेजी से यूपी में फैलाया गया कि नेशनल न्यूज बन गया था. बाद में पूरा मामला ही झूठ निकला. इसी तरह से वे झारखंड में भी आकर झूठ और भ्रम बांटेंगे.

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन को चिट्ठी लिखी

क्यों घट रही संथाल में आदिवासियों की आबादी एसआईटी का गठन कर जांच करायी जाए

ब्यूरो। रांची

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चिट्ठी लिख कर संथालपरगना में आदिवासी समाज की घटती आबादी पर चिंता जतायी है. पत्र में बाबूलाल ने संथाल में आदिवासी समाज की घटती आबादी की जांच एसआईटी से कराने की मांग की है. कहा है कि जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा कि आदिवासी समाज की घटती आबादी के पीछे का रहस्य क्या है. चिट्ठी के साथ उन्होंने संथालपरगना में घटती आदिवासी आबादी का आंकड़ा भी दिया है.

संथाल में तेजी से बस रहे हैं घुसपैठिए : मरांडी ने अपने पत्र में लिखा है कि संथालपरगना में आदिवासी समाज की आबादी लगातार घट रही है. संथालपरगना, आदिवासियों के लिए भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है. संथाल की पहचान यहां के आदिवासी समाज की पहचान का एक हिस्सा रही है. लेकिन हाल के दशकों में इस क्षेत्र में संकट के बादल मंडरा रहे हैं. बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध प्रवास के कारण यहां का समाज अपना अस्तित्व और संसाधन पर कब्जा कर रहे हैं. पत्र में जिक्र किया है कि वर्ष 1951 में संथालपरगना में आदिवासियों की आबादी जहां 44.67% थी, वहीं आज यह घटकर मात्र 28.11% ही बची है. ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब संथालपरगना में संथाल ही अल्पसंख्यक हो जायेंगे और आदिवासियों के नाम से जाना जाने वाला यह क्षेत्र पहचान खो देगा.

मुस्लिम समाज की आबादी आदिवासियों से ज्यादा हो जाएगी : वर्ष 2021 के अनुमानित आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा है कि जनगणना में आदिवासी और मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या में ज्यादा अंतर नहीं रहने की संभावना है. या ये भी कह सकते हैं कि वर्ष 2021 की जनगणना में ही आदिवासी समुदाय और मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या लगभग बराबर हो गई है. 2031 जनगणना के अनुमानित आंकड़े संकेत देते हैं कि मुस्लिम समाज की आबादी आदिवासी समुदाय से ज्यादा हो जाएगी. इस तरह आदिवासी समुदाय के लिए खतरे की घंटी बजने वाली है. वर्ष 2001 और वर्ष 2011 की रफ्तार से यदि मुस्लिम जनसंख्या बढ़ती रही, तो संथालपरगना में मुस्लिम बिरादरी की आबादी अधिक हो जाएगी.

मरांडी ने जतायी चिंता

- ऐसे में तो 2031 तक मिट जाएगी संथाल की आदिवासी पहचान
- मुस्लिम समाज की आबादी आदिवासी समुदाय से ज्यादा हो जाएगी

संथालपरगना में की जनसंख्या 1951 से 2011

वर्ष	आदिवासी	मुस्लिम	अन्य
1951	44.46	9.44	45.9
1961	38.24	13.77	48.0
1971	36.22	14.62	49.8
1981	36.80	16.44	46.8
1991	31.89	18.25	49.9
2001	29.90	20.59	49.5
2011	28.11	22.73	49.2

बचाने में लगा है. घुसपैठिए तेजी से यहां बस रहे हैं और आदिवासी समाज के जल, जंगल व जमीन को खतरा पहुंचा रहे हैं और अपने आपराधिक कृत्यों से माताओं, बहनों और बच्चों को प्रताड़ित कर रहे हैं. यहां तक कि बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासी समाज की बहनों को लोभ-लालच देकर व डरा -धमका कर जबरन शादी कर इनकी जमीन

10 सेविकाओं की नियुक्ति रद्द करने का मामला

हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए गढ़वा पलामू और लातेहार के उपायुक्त

विधि संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले के उपायुक्त सशरीर उपस्थित हुए. दरअसल पलामू, गढ़वा और लातेहार जिले में 10 ग्राम सेविकाओं की नियुक्ति को 24 साल बाद अचानक रद्द कर दिया गया था. इसके बाद सभी ग्राम सेविकाओं ने नियुक्ति रद्द करने के खिलाफ और बकाया वेतन व रिटायरमेंट बेनिफिट की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया. झारखंड हाईकोर्ट ने वर्ष 2023 में इनकी याचिका स्वीकार करते हुए लंबित वेतन का भुगतान करने और रिटायरमेंट बेनिफिट देने का निर्देश तीनों जिलों के डीसी को दिया था. लेकिन अब तक इस आदेश का अनुपालन नहीं हुआ. जिसपर नाराजगी जताते हुए अदालत ने उक्त जिलों के डीसी को उपस्थित होने का निर्देश दिया था. शुक्रवार को तीनों जिलों के डीसी अदालत में उपस्थित हुए. उन्होंने कोर्ट को यह जानकारी दी कि दो सप्ताह में अदालत के आदेश का अनुपालन कर किया जाएगा. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता मनोज चौबे ने बहस की. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ. एसएन पाठक की कोर्ट में हुई.

सैनिक मार्केट की दुकानें खाली करने के आदेश पर रोक : झारखंड हाईकोर्ट ने रांची जिला प्रशासन द्वारा मेन रोड स्थित सैनिक मार्केट की दुकानों को खाली कराने के आदेश पर रोक लगा दी है. मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी के कोर्ट में हुई. दरअसल जिला प्रशासन ने सैनिक मार्केट के कई दुकानदारों को दुकानें खाली करने का आदेश दिया था. प्रशासन के इस आदेश के खिलाफ राम नथुन साह सहित अन्य पूर्व सैनिकों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार ने बहस की.

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को एडवोकेट एसोसिएशन ने दी विदाई

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विद्युत रंजन सारंगी के कार्यकाल के अंतिम कार्यदिवस के दिन उन्हें हाईकोर्ट के वकीलों में विदाई दी. हाईकोर्ट परिसर में हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया. विदाई समारोह में हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश, महाधिवक्ता राजीव रंजन, स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष, हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता, काउंसिल के सदस्य, एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार, महासचिव नवीन कुमार व अन्य कार्यकारिणी सदस्य समेत अपर महाधिवक्ता और हाईकोर्ट के सभी अधिवक्ता मौजूद रहे. चीफ जस्टिस ने वकीलों द्वारा उनकी विदाई में दिए गए सम्मान पर आभार जताया, इसके साथ ही उन्होंने अपने अधीनस्थ सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि झारखंड में किया गया कार्य उन्हें हमेशा याद रहेगा. एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार, महासचिव नवीन कुमार ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की.

किसी कार्य के निष्पादन में विलंब होना आपराधिक विश्वासघात नहीं : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया कि सिर्फ किसी कार्य के निष्पादन में देरी को आपराधिक विश्वासघात नहीं माना जाना चाहिए. दरअसल सिमडेगा सिविल कोर्ट ने शंकर सिंह और सोरथो सिंह को दोषी करार दिया था. दोनों ने कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट मे चुनौती दी थी. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में हुई. वर्ष 2006-07 में स्कूल भवन के निर्माण के लिए प्राथियों को 3 लाख 78 हजार 250 रुपये दिये गये थे. यह पैसा आरोपियों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया था. लेकिन तय समय सीमा में स्कूल भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं होने पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने शंकर सिंह और सोरथो सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी. ट्रायल के बाद कोर्ट ने दोनों को दोषी करार देते हुए सजा भी सुना दी. निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए हाईकोर्ट ने आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि सिर्फ कार्य के निष्पादन में देरी आपराधिक विश्वासघात नहीं है, वह भी तब जब कार्य निष्पादन की समय-सीमा से जुड़ा कोई एग्रीमेंट मौजूद ना हो.

पूर्व मंत्री आलमगीर की बेल पर कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

रांची। टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम की बेल पर आज शुक्रवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी. बता दें कि आलमगीर आलम को ईडी ने पूछताछ के बाद 15 मई को गिरफ्तार किया था. वहीं इसी केस में ईडी राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से पूछताछ कर चुकी है. इस केस में आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल और उसके सहयोगी जहांगीर आलम की भी गिरफ़्तारी हो चुकी है. एजेंसी ने इन दोनों के ठिकानों में छापेमारी कर 35 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद किये थे.

एमसीसी कमांडर और दिलीप को सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दीवाकर पाण्डेय की कोर्ट ने एमसीसी के एरिया कमांडर नकुल यादव और दिलीप चंद्रवंशी को 7 साल की सश्रम कारावास की सजा और 50 हजार का जुर्माना लगाया गया. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना नहीं देने की स्थिति में दोषी को 7 माह का अतिरिक्त कारावास होगी. नकुल यादव के खिलाफ रांची जिला के खलारी थाना में वर्ष 2002 में कांड संख्या 42 दर्ज किया गया था. इस केस का ट्रायल पोटा के तहत चला. इस केस में अभियोजन की ओर से कुल 7 गवाहों की गवाही करवाई गई. अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीएन. शमी ने पक्ष रखा और बहस की.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, शनिवार 20 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 102 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज रांची में

रांची । केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह शनिवार को भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने रांची आ रहे हैं. वह दिन के लगभग 1.30 बजे रांची पहुंचेंगे. विस्तृत कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेने धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान जाएंगे. यहां पर शाह भाजपा के 26 हजार कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे. इससे पहले झारखंड से चुनाव जीतनेवाले सांसदों का अभिनंदन करेंगे.

पूर्व मंत्री आलमगीर की बेल पर ईडी से मांगा जवाब

रांची । टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम की बेल पर आज शुक्रवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी. बता दें कि आलमगीर आलम को ईडी ने 15 मई को गिरफ्तार किया था.

पेयजल के लिए मंत्री चंपाई सोरेन को सौंपा ज्ञापन

आदित्यपुर । आदित्यपुर में हर घर नल जल योजना के तहत झारखंड सरकार से यहां के सोसायटियों को भी पेयजल उपलब्ध कराने की मांग जल संसाधन मंत्री चंपाई सोरेन से की गई है. शुक्रवार को सहारा गार्डन सोसायटी का प्रतिनिधि मंडल कर्मचारी नेता शशांक गांगुली के नेतृत्व में मंत्री चंपाई सोरेन से आदित्यपुर स्थित उनके कार्यालय में मिला और उन्हें इससे संबंधित एक ज्ञापन सौंपा.

लोहरदगा में रिश्वत लेते अधिकारी गिरफ्तार

लोहरदगा । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) रांची की टीम ने शुक्रवार को लोहरदगा जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी विभाकर कुमार और सहयोग करने वाले वरदान हॉस्पिटल के अभिराज राणा को घूस की राशि के साथ गिरफ्तार कर लिया. एक बच्चे की तालाब में डूब कर मृत्यु हो गई थी. उसके परिजनों से मुआवजा दिलाने के नाम पर 15 हजार रुपये की राशि मांगी गई थी.

पंचायत समिति संघ का प्रखंड मुख्यालय पर धरना

जमशेदपुर । झारखंड राज्य पंचायत सचिव संघ के बैनर तले जमशेदपुर प्रखंड में पदस्थापित पंचायत सचिवों ने शुक्रवार को दो सूत्री मांग को लेकर मुख्यालय में धरना दिया. बाद में एक मांग पत्र बीडीओ सुधा वर्मा को सौंपा गया. संघ के जिलाध्यक्ष सेनापति के अलावा बनवाली, बबलू नामता, सुष्मिता पाल, त्रिलोचन प्रधान, मेघा कमारी, भारत चंद्र माहतो, स्वाति कुमारी, मौमिता पॉल, जगन्नाथ पाथर, बबीता कुमारी सरदार व अन्य उपस्थित थे.

नागरिक सुरक्षा समिति के अध्यक्ष बने शैलेंद्र बास्के

डुमरिया । नागरिक सुरक्षा समिति (नासुस) के पुनर्गठन को लेकर डुमरिया में शुक्रवार को लाल बिहारी भकत की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें गुड़ाबांदा व डुमरिया के विभिन्न क्षेत्रों से नासुस के सदस्य उपस्थित हुए. समिति का पुनर्गठन सदस्यों ने सर्वसम्मति से किया. नई कमिटी मे शैलेंद्र बास्के अध्यक्ष, लाल बिहारी भकत उपाध्यक्ष, राम बाबु मुर्मू महासचिव, चंपाई हांसदा सचिव एवं मोहन सिंह मुर्मू कोषाध्यक्ष चुने गये.

रणजीत सिंह को आरटीआई संघ बिष्टुपुर का मिला प्रभार

जमशेदपुर । बिष्टुपुर गुरूद्वारा बस्ती निवासी रणजीत सिंह को आरटीआई कार्यकर्ता संघ का बिष्टुपुर थाना क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया. उनसे थाना क्षेत्र में सक्रिय रहकर संगठन का विस्तार करने के लिए कहा गया. इससे पहले साकची स्थित कार्यालय में उन्होंने संघ की सदस्यता ग्रहण की. मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष सदन ठाकुर समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे.

स्वर्णरेखा नदी में पानी का बहाव रूकने से तेजी से फैल रही जलकुंभी, जल प्रदूषित होने से जनजीवन पर पड़ सकता है बुरा असर

जलकुंभी से पटी स्वर्णरेखा, जलीय जीवों पर खतरा मंडराया

● मानगो नगर निगम और टाटा स्टील यूआईएसएल नदी से करती हैं जलापूर्ति

सुनील पांडेय । जमशेदपुर

स्वर्णरेखा नदी इन दिनों जलकुंभी रूपी चादर से पट गई है. साथ ही इसका नदी में तेजी से फैलाव हो रहा है. जिसके कारण जलीय जीवों पर खतरा मंडरा रहा है.

जलकुंभी के नीचे रहने वाले जलीय जीव ऑक्सीजन के अभाव में दम तोड़ सकते हैं. इस ओर अगर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में जलकुंभी जलीय जीवों के साथ-साथ मानव जीवन पर भी बुरा असर डाल सकते हैं. जलकुंभी के साथ-साथ स्वर्णरेखा नदी का पानी भी काफी प्रदूषित हो चुका है. देखने पर नदी का पानी काला नजर आ रहा है. इसका प्रमुख कारण लोगों के घरों से निकलने वाला जल-मल के साथ-साथ समीपवर्ती कंपनियों से निकलने वाला केमिकल युक्त पानी व तरल पदार्थ वगैरह है. इस पर अगर जल्द रोक नहीं लगायी गई तो आने वाले दिनों में बीमारियां लोगों को परेशान करेंगी. हालांकि जलकुंभी एवं प्रदूषण पर रोक के लिए कई बार प्रयास हुए. प्रशासन की ओर से आदेश-निर्देश भी जारी हुए. लेकिन धरातल पर ढाक के तीन पात वाली कहावत ही चरितार्थ हुई. अभी भी नदी में जल-मल एवं कंपनियों का केमिकल युक्त पदार्थ कंपनी में कहीं न कहीं गिर रहा है.

स्वर्णरेखा व खरकई नदी में पानी का स्तर कम होने के कारण पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से ओडिशा व चांडिल डैम से पानी छोड़ने के लिए मांग पत्र उपायुक्त को भेजा गया है. पत्र भेजे हुए सप्ताह भर से ज्यादा हो गया. लेकिन अभी तक डैम से पानी नहीं छोड़ा गया. जिसके कारण जुगसलाई के लोगों को खरकई नदी से गंदे पानी की सप्लाई की जा रही है. जबकि स्वर्णरेखा नदी से जुस्को (अब टीएसयूआईएसएल) तथा मानगो नगर निगम अपने-अपने क्षेत्र में पानी की सप्लाई करता है. नदी में पानी का बहाव होने से जलकुंभी भी बहकर अन्यत्र चला जाएगा. जिससे नदी में ठहरे हुए गंदे पानी में प्रदूषण की मात्रा कम हो सकेगी.

जलीय जीवों पर पड़ने वाले प्रभाव सूर्य की किरण पानी तक नहीं पहुंच पा रही है, पानी में आक्सीजन की मात्रा कम होने से मछली, जलीय पौधे व जलीय जीवों के जीवन पर संकट, मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है.

फोटो : प्रसेनजीत

वर्षा नहीं होने से पानी का बहाव रूका

इस वर्ष मानसून मानो झारखंड से रूठ गया है. जितनी मात्रा में वर्षा होनी चाहिए, उतनी वर्षा नहीं हुई. जिसके कारण खेतीबारी करने वाले किसानों के साथ-साथ नदियां भी पानी के लिए तरस रही हैं. पानी के अभाव में लोगों को शुद्ध पेयजल की जगह गंदे पानी की सप्लाई हो रही है. नदी में पानी ठहर जाने से जलकुंभी तेजी से बढ़ रहा है.

सड़क हादसों में शिक्षक समेत तीन की मौत, पांच हुए घायल

सड़कों पर नहीं थम रहा तेज रफ्तार वाहनों का कहर

घाटशिला/बहरागोड़ा/आदित्यपुर

घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में घायल हाइवा चालक अमित मंडल.

पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसांवा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शुक्रवार को अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए. बहरागोड़ा में एक शिक्षक की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई. बहरागोड़ा में ही एक अन्य हादसे में एक टाइल्स मिस्त्री घायल हो गया. आदित्यपुर में हाइवा के नीचे आकर एक स्कूटी सवार की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए. गालूडीह में बाइक के पेड़ से टकराने पर एक युवक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं धालभूमगढ़ में दो हाइवा की टक्कर में एक चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया.

बहरागोड़ा में शिक्षक की मौत

श्यामा प्रसाद मोहंती. (फाइल फोटो)

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बड़सोल थाना अंतर्गत शुक्रवार को एनएच 49 पर खंडामौदा चौक के समीप रांगड़ो पुलिया के ऊपर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ईचड़ाशोल के शिक्षक श्यामा प्रसाद मोहंती (58 वर्ष) को 12 चक्का ट्रक (OR 09P 7295) अपनी चपेट में ले लिया. इससे वे बुरी तरह से घायल हो गए. हाइवे पेट्रोलिंग वाहन से उन्हें सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सक ने जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया. वहीं एनएच 49 पर बेला चौक के समीप गुरुवार की रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक भागाबांधी गांव निवासी टाइल्स मिस्त्री कृपाल माहतो गंभीर रूप से घायल हो गया. वह अपने साथी को ईंटामुड़ा गांव में छोड़कर लौट रहा था.

आदित्यपुर में हाइवा की चपेट में आये स्कूटी सवार

आदित्यपुर में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है, दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया है. घटना आदित्यपुर थाना अंतर्गत गम्हरिया के एमटीसी मॉल के समीप की है. समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है. एक स्कूटी पर सवार तीन युवक गम्हरिया की ओर से आ रहे थे. इसी दौरान इनकी ऑटो से टक्कर हो गई. ऑटो से टकराकर गिरने के बाद पीछे से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ने तीनों युवकों को अपनी चपेट में ले लिया.

गालूडीह में पेड़ से टकराई अनियंत्रित बाइक

घाटशिला अनुमंडल के गालूडीह थाना क्षेत्र के जोड़सा गांव के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराने से बाइक सवार दो युवकों में एक शत्रुघ्न सिंह की मौत घटनास्थल पर ही हो गई जबकि दूसरा राजेश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया. गंभीर रूप से घायल बड़ाखुर्सी गांव निवासी राजेश सिंह का अनुमंडल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर एमजीएम अस्पताल भेज दिया गया. वहीं धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के कोकपाड़ा गांव के समीप शुक्रवार की शाम आगे चल रहे हाइवा के अचानक ब्रेक मारने से पीछे से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ने जोरदार टक्कर मार दी. हाइवा चालक अमित मंडल का दाहिना पैर हाइवा के अंदर ही दब गया. प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. अमित ने बताया कि वह सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ का रहने वाला है और बंगाल से बालू लेकर जमशेदपुर जा रहा था.

सांसद के साथ डीसी से मिले भाजपा नेता

जमशेदपुर । जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा अंतर्गत भुइयांडीह क्षेत्र के कल्याण नगर एवं इंद्रा नगर के करीब डेढ़ सौ घरों को तोड़ने का नोटिस दिए जाने के मामले में शुक्रवार को सांसद विद्युत वरण के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मिला. सांसद ने नोटिस की विसंगतियों से उपायुक्त को अवगत कराया. साथ ही कहा कि अगर तोड़ा जाना जरूरी है, तो बस्ती के लोगों की बदहाली, गरीबी को ध्यान में रखते हुए पहले पुनर्वास की व्यवस्था हो.

उपायुक्त ने सारी बातें सुनने के बाद इस मामले में उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया. सांसद ने बताया कि नोटिस में नदी तट से 15 मीटर की दूरी पर बने घरों को तोड़ने की बात कही गयी है. लेकिन तट से 50-60 मीटर की दूरी पर भी बने घरों को नोटिस दे दिया गया है. विद्युत महतो ने कहा कि राज्य सरकार आज गरीबों को उजाड़ने पर आमादा हो गयी है.

भाजपा नेताओं ने सीतारामडेरा क्षेत्र अंतर्गत डीएलसी कार्यालय को बगल के मैदान में शिफ्ट कर बनाये जाने पर आपत्ति जताई. नेताओं ने बताया कि जो प्रस्तावित नक्शा नया भवन बनाने के लिए पारित किया गया है, उसके लिए डीएलसी कार्यालय का वर्तमान परिसर ही पूर्ण रूप से अनुकूल है.

चौका के एएएमआर एलॉयज में करंट लगने से वेल्डर की मौत

● परिजनों को मिला 16 .50 लाख रुपये का मुआवजा

संवाददाता । चांडिल

उत्तम लायेक के परिजनों को मुआवजा का पत्र सौंपते कंपनी के अधिकारी.

चांडिल अनुमंडल अंतर्गत चौका थाना क्षेत्र के टुईडुंगरी स्थित एएएमआर एलॉयज कंपनी में ड्यूटी के दौरान करंट लगने से चौका थाना क्षेत्र के पालना निवासी वेल्डर उत्तम लायेक की मौत हो गई.

कंपनी में काम करने वाले मजदूरों ने बताया कि शुक्रवार को उत्तम लायेक मैकेनिकल डिपार्टमेंट में वेल्डिंग का काम कर रहा था. जहां काम कर रहा था, वह स्थान संकीर्ण है. वेल्डिंग करने के दौरान वह बिजली की तार की चपेट में आ गया. करंट लगने से वह बुरी तरह से झुलस गया. उसे इलाज के लिए चांडिल स्थित अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया. अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद आक्रोशित साथी कर्मियों ने मुआवजा की मांग पर कंपनी का गेट जाम कर दिया.

उत्तम लायेक की दुर्घटना में मौत के बाद कंपनी प्रबंधन की ओर से 16.5 लाख मुआवजा देने की सहमति बनी है. परिजनों ने घटना की सूचना आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो को दी. इसके बाद आजसू पार्टी के कार्यालय में कंपनी प्रबंधन और मृतक के परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में वार्ता हुई. वार्ता में निर्णय लिया गया कि प्रबंधन की ओर से उत्तम लायेक के तीन बेटियों के नाम पांच-पांच लाख कुल 15 लाख रुपये मुआवजा राशि दी जाएगी. बड़ी बेटी अंजली लायेक को उसके योग्यता अनुसार कंपनी में ही नौकरी दी जाएगी. इसके अलावा दिवंगत के श्राद्धकर्म के लिए तत्काल डेढ़ लाख रुपये भुगतान किया गया.

कंपनियों में नहीं है उपचार की सुविधा

कंपनियों में काम करने वाले कामगारों का कहना है कि उत्तम की मृत्यु कंपनी के लापरवाही का परिणाम है. कर्मियों ने आरोप लगाया कि चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में स्थापित कंपनियों में उपचार की कोई सुविधा नहीं है. कंपनी में बड़ी संख्या में कामगार रहने के बाद भी किसी भी कंपनी के पास एंबुलेंस की सुविधा नहीं है. इस प्रकार की दुर्घटना होने पर कर्मियों को तत्काल ना प्राथमिक उपचार मिलता है और ना अस्पताल ले जाने के लिए समय पर एंबुलेंस की सुविधा मिलती है. कर्मियों ने बताया कि कामगारों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण भी नहीं दिये जाते हैं.

सात जिलों के 1041 स्कूलों में मातृभाषा में होगी पढ़ाई

संवाददाता । रांची

● पश्चिमी सिंहभूम, लातेहार, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी, साहिबगंज और दुमका से होगी शुरुआत

राज्य सरकार पिछले दो साल से छह जिलों (गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम और साहिबगंज) के 259 चयनित विद्यालयों में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है.

इस कार्यक्रम के लागू होने से प्रारंभिक स्तर पर बच्चों के सीखने में सकारात्मक नतीजे देखने को मिले है. इससे उत्साहित राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 से अब राज्य के सात जिलों (लातेहार, सिमडेगा, लोहरदगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज और दुमका) के चयनित 1041 विद्यालयों में यूनिसेफ और एलएलएफ (लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन) के सहयोग से पांच स्थानीय भाषाओं, संथाली, मुंडारी, हो, कुड़ुख और खड़िया में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम "पलाश" प्रारंभ करने का निर्णय लिया है. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सीखने के बुनियादी कौशल को बेहतर बनाने के लिए बच्चों की मातृभाषा को उनकी औपचारिक शिक्षा में शामिल करते हुए उन्हें हिंदी के साथ साथ बुनियादी शिक्षा एवं संख्या ज्ञान सिखाने के लक्ष्यों को प्राप्त करना है. राज्य सरकार द्वारा इस कार्यक्रम को अकादमिक सत्र 2024-25 से 1000 विद्यालयों में विस्तारित करने की योजना के अंतर्गत आठ जनजातीय भाषा बहुल जिलों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में दो चरणों में भाषायी सर्वेक्षण कराया गया. जिन जिलों में भाषायी सर्वेक्षण हुआ उनमे दुमका, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज, सिमडेगा और लातेहार शामिल हैं.

राजनीति ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में जोर पकड़ रहा स्थानीय जनप्रतिनिधि का मुद्दा

स्थानीय नेता ठोक रहे ताल, भाजपा व आजसू पार्टी में सीट को लेकर रस्साकशी

देवाशीष राय.

हरेलाल महतो.

खगेन महतो.

मधुसूदन गोराई.

सुखराम हेंब्रम.

दिलीप कुमार । चांडिल

आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में राजनीति सरगर्मी बढ़ गई है. चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं ने अपनी गतिविधि बढ़ा दी है और जनता के बीच जगह बनाने में जुट गए हैं. राजनीतिक दलों से जुड़े नेता पार्टी आलाकमान के समक्ष भी अपनी छवि बेहतर बनाने में जुट गए हैं. वहीं ईचागढ़ में एक बार फिर से स्थानीय जनप्रतिनिधि का मुद्दा जोर पकड़ रहा है. इस बात को तूल दिया जा रहा है कि गैर मतदाता जनप्रतिनिधि से ईचागढ़ का विकास संभव नहीं है.

राजनीतिक दलों से जुड़े नेता भी इस मुद्दे से जुड़कर अपनी-अपनी पार्टी से स्थानीय नेता को ही उम्मीदवार बनाने की मांग करने का आग्रह कर रहे हैं. दूसरी तरफ आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के कार्यक्रम के बाद इस सीट को लेकर भाजपा और आजसू के बीच खींचतान शुरू हो गई है.

अभी विधानसभा चुनाव की घोषणा भी नहीं हुई है और एनडीए गठबंधन के भाजपा और आजसू पार्टी के बीच टिकट को लेकर घमासान शुरू हो गया है. चांडिल प्रखंड के भादुडीह में आयोजित चूल्हा प्रमुख सम्मेलन में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कार्यक्रम को चुनाव का शंखनाद बताया था. उन्होंने कहा था कि ईचागढ़ में अकेला हरेलाल महतो नहीं बल्कि संगठन के साढ़े आठ हजार चूल्हा प्रमुख चुनाव लड़ेंगे. सम्मेलन में ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से हरेलाल महतो के चुनाव लड़ने की बात कहकर उन्होंने कार्यकर्ताओं को कमर कसने के लिए कहा था. वैसे सुदेश महतो के इस बयान के बाद भाजपा ने इसका पुरजोर विरोध किया और इसे गठबंधन धर्म के विपरीत बताया. भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि ईचागढ़ भाजपा की परंपरागत सीट है, इसे दूसरे सहयोगी दल को नहीं दिया जा सकता है. भाजपा जिलाध्यक्ष ने टिकट का फैसला गठबंधन दलों की बैठक में तय होने की बात कही थी. वर्तमान में दोनों पार्टियां टिकट को लेकर एक-दूसरे का खुलकर विरोध कर रहे हैं.

दूसरी तरफ ईचागढ़ के स्थानीय नेता भी ताल ठोकने लगे हैं. भाजपा नेता एवं जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष देवाशीष राय ने कहा कि ईचागढ़ को अब खैरात नहीं चाहिए. आखिर वे ईचागढ़ में बांटने के लिए खैरात लाते कहां से हैं. ईचागढ़ में अब मान सम्मान की राजनीति होगी. वहीं भाजपा ने जिला महामंत्री मधुसुदन गोराई ने कहा कि पार्टी अब ईचागढ़ की जनता के भावना का कद्र करते हुए उम्मीदवार घोषित करेगी. वैसे दोनों ही नेता ईचागढ़ से टिकट के प्रबल दावेदार बताए जा रहे हैं. दोनों ही नेता क्षेत्र में सक्रिय है और जनता के बीच पैठ बनाने में जुटे हैं. वहीं क्षेत्र में आजसू पार्टी लगातार कार्यक्रम का आयोजन कर कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम कर रही है. पार्टी सभी प्रखंडों में स्थायी कार्यालय खोलकर आम लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है. आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो पार्टी और अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हुए हैं.

नेता बता रहे आत्मसम्मान की लड़ाई

झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े झारखंड आंदोलनकारी नेता सुखराम हेंब्रम भी क्षेत्र में सक्रिय होकर अलग-अलग स्थानों में बैठक और जनसभा कर मुहिम चला रहे हैं. चुनावी मैदान में हर पार्टी के स्थानीय नेता के ताल ठोंकने पर चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद जताई जा रही है. उन्होंने कहा कि अगर लोगों को इच्छा है तो वे चुनाव लड़ने को तैयार हैं. पिछले 40 वर्षों से ईचागढ़ के सीने में जो धब्बा लगा है उसे मिटाना वे अपना दायित्व समझते हैं. वहीं स्थानीय समाजसेवी खगेन महतो भी चुनावी समर में कूद पड़े हैं. उन्होंने भी ईचागढ़ के आत्मसम्मान के लिए चुनाव लड़ने की बात कही है. उन्होंने कहा कि अब ईचागढ़ को बाहरी के चंगुल से मुक्त कराना आवश्यक हो गया है. ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दलों के संभावित उम्मीदवारों के रेस में स्थानीय नेताओं की लिस्ट लंबी होती जा रही है. कई सामाजिक कार्यकर्ता भी इस बार चुनावी मैदान में किस्मत आजमाने की बात कह रहे हैं. बता दें कि वर्तमान में यह सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के पास है और सविता महतो इसका बतौर विधायक प्रतिनिधित्व कर रही हैं.

बैंक ऑफ इंडिया ने किसान दिवस पर किया ऋण का वितरण

घाटशिला । जेएन पैलेस घाटशिला में बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को किसान दिवस का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में 250 से अधिक किसानों और स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल थे. जेएसएलपीएस के डीपीएम सूरज बारी भी उपस्थित थे. इस मौके पर महाप्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया झारखंड का अग्रणी बैंक और कृषि के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभा रही है. उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि भारत सरकार ने किसानों के लिए बहुत सारी योजना चल रही है, जिनका लाभ बैंक शाखा के माध्यम से उठा सकते हैं. केसीसी ऋण लें और समय पर ऋण का भुगतान भी करे और अपने बिजनेस को और बड़ा करें. बैंक से अधिक लिमिट केसीसी योजना के अंतर्गत प्राप्त करें. स्वयं सहायता समूह को पहले लिंकेज के माध्यम से बैंक ऑफ इंडिया से जुड़ने का आग्रह भी किए. जिस समूह का तीसरा लिंकेज बाकी है वैसे समूह भी अपना लिंकेज बैंक शाखा में कराएं. महिला सखियों से लखपति दीदी योजना कि अन्तर्गत बैंक से ऋण प्राप्त करने की भी बात की गई.

ब्रीफ खबरें

अंतरराष्ट्रीय जर्नल में डॉ ओपी आनंद का रिसर्च पेपर

आदित्यपुर। 111 सेव लाइफ हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉक्टर ओपी आनंद का रिसर्च पेपर वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी सर्जरी नामक अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ है. इसे अमेरिका सरकार द्वारा संचालित मेडिकल रिसर्च वेबसाइट ncbi.nlm.nih.gov पर पढ़ा जा सकता है. डॉ ओपी आनंद ने कहा कि मेरी मेडिकल की पढ़ाई यूरोप के दोनेत्सक नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी से हुई है, जिसका वर्ल्ड डब्लूएचओ रैंकिंग 27 था. मैंने झारखंड जैसे साधन सुविधा में कमजोर इलाके में काम कर हजारों मरीजों को जीवनदान दिया है.

करनडीह में अभाझापा का दो दिनी अधिवेशन आज से

जमशेदपुर। अखिल भारतीय झारखड पार्टी का दो दिवसीय केंद्रीय महाधिवेशन 20 जुलाई से करनडीह स्थित गुरू गोमके सभागार में होगा. अधिवेशन में झारखंड, बंगाल के अलावे अन्य प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे. केंद्रीय अध्यक्ष गणेश टुडू (अधिवक्ता) ने बताया कि पार्टी चार संकल्प लेकर काम कर रही है. जिमसें पहला वृहद झारखंड शामिल हैं. कहा कि वर्ष 2000 में झारखंड प्रदेश का गठन तो किया गया, लेकिन इसमें कई हिस्सों को शामिल नहीं किया गया. जिसमें झारखंड से सटे प. बंगाल एवं ओडिशा के हिस्से शामिल हैं.

मुसाबनी प्रखंड प्रमुख ने किया पारुलिया पंचायत का दौरा

डुमरिया। मुसाबनी प्रखंड प्रमुख रामदेव हेंब्रम ने शुक्रवार को पारुलिया पंचायत के अधूरे भवन को देखा. भवन अधूरा होने के कारण बरसात होने पर छत पर जल जमा हो रहा है एवं नीचे सभी कमरे में पानी भर जाता है. जिससे पंचायत के कार्य करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्य ने इसकी जानकारी बीडीओ को दी है, बावजूद भवन का निर्माण पूरा करने के लिए कोई पहल नहीं हुई है. प्रमुख ने मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्य को कहा कि इस समस्या को लेकर शीघ्र डीसी को ज्ञापन सौंपेंगे और स्थिति से अवगत कराएंगे.

अभिभावकों की बैठक में शामिल हुए प्रखंड प्रमुख

डुमरिया। मुसाबनी प्रखंड प्रमुख रामदेव हेंब्रम शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय कोडाशोल में अभिभावकों की बैठक में शामिल हुए. शिक्षक एवं अभिभावकों ने बताया कि विद्यालय में पेयजल की समस्या, शौचालय की कमी है चारों ओर झाड़ी जंगल एवं कीचड़ से भरा है. विद्यालय के आंगन में पेवर्स ब्लॉक लगाने का आग्रह प्रमुख से किया गया. प्रमुख ने शिक्षक एवं अभिभावकों को आश्वासन देते हुए कहा की विद्यालय के विकास के लिए हर संभव प्रयासरत रहेंगे. समस्या का समाधान निकालेंगे.

पर्यावरण मित्र ने स्कूल परिसर में लगाए 50 पौधे

घाटशिला। पर्यावरण मित्र घाटशिला और एनएसएस इकाई घाटशिला कॉलेज ने संयुक्त रूप से प्रोग्राम ऑफिसर प्रो. इंदल पासवान के नेतृत्व में आदिवासी बालिका उच्च विद्यालय, गोपालपुर, राखा माइंस में शुक्रवार को 50 फलदार एवं छायादार पौधे लगाये. पौधारोपण के लिए घाटशिला महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान के पूर्व अध्यक्ष सह कोल्हान विश्वविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष डा. बादल चंद्र भकत ने समन्वय स्थापित किया. पर्यावरण मित्र घाटशिला प्रत्येक रविवार को घाटशिला और उसके आसपास मैदान और सार्वजनिक जगह पर पौधारोपण करता है.

अभिवंचित वर्ग के बच्चों से भेदभाव का आरोप

जमशेदपुर। शहर के निजी स्कूलों में अभिवंचित वर्ग के बच्चों के साथ भेदभाव किया जा रहा है. उक्त आरोप जमशेदपुर अभिभावक संघ ने लगाया. संघ का कहना है कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के लागू होने के बाद निजी स्कूलों में प्रवेश कक्षा से लेकर 8वीं तक की पढ़ाई निःशुल्क हो रही है. 8वीं कक्षा के बाद अभिवंचित वर्ग के बच्चों को भारी-भरकम फीस देने का दबाव बनाया जाता है. ऐसे में नई शिक्षा नीति के तहत 12वीं कक्षा तक ऐसी श्रेणी के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाय. केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति में इसका प्रावधान भी लागू किया है.

आदित्यपुर-गम्हरिया की 51 बस्तियों में 70 साल से बसे बस्तीवासियों को जमीन बंदोबस्ती की मांग

भूमि सुधार आंदोलन ने रैली निकाली, राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

संवाददाता। आदित्यपुर

भूमि सुधार आंदोलन के बैनर तले शुक्रवार को आंदोलन के संरक्षक रमेश हांसदा के नेतृत्व में गम्हरिया प्रखंड कार्यालय में सीओ के माध्यम से राज्यपाल के नाम चार सूत्री मांग का ज्ञापन सौंपा गया. मुख्य मांगों में आदित्यपुर एवं गम्हरिया प्रखंड में सरकारी जमीन पर बसे 51 बस्तियों की जमीन को वहां बसे लोगों के नाम बंदोबस्ती करना शामिल है.

ज्ञापन में कहा गया है कि 1983 में बिहार सरकार द्वारा नोटिफाइड एरिया में सर्वे किया गया था जिसमे मानगो और जुगसलाई को मान लिया गया, लेकिन आदित्यपुर के सर्वे को नहीं माना गया. उनकी मांग है कि 1983 सर्वे को मान्यता दी जाये. झारखंड में 1932-64 के बाद सर्वे सेटेलमेंट नहीं हुआ है जिस कारण राज्य में जमीन की काफी हेराफेरी हो रही है एवं कई अधिकारी जेल भी जा रहे हैं, इसलिए अविलंब सेटलमेंट किया जाये. इसके अलावा जिले में 50 प्रतिशत से ज्यादा जमीन ऑनलाइन पंजी 2 में नहीं चढ़ा है इसको अविलंब चढ़ाया जाये.

ज्ञापन सौंपने के बाद भाजपा नेता रमेश हांसदा ने कहा कि जमशेदपुर में टाटा कंपनी ने 1907 से ही लोहे का निर्माण शुरू किया था. इसमें लगे हजारों मजदूरों को अगल-बगल के क्षेत्र राजनगर, चाईबासा, मयूरभंज, रायरंगपुर, मिदनापुर, पुरुलिया, रांची, गुमला, आदि क्षेत्रों से यहां लाया गया था. ये लोग टाटा कंपनी में मजदूरों की काम करते थे. सरकार ने आदित्यपुर में भी रैयतों से जमीन अधिग्रहण करके आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण किया जिसमें काम करने के लिये हजारों लोग आये. सरकार ने औद्योगिक क्षेत्र तो बना दिया लेकिन यहां काम करने वालों के रहने के कोई व्यवस्था नहीं की. उनके रहने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण धीरे-धीरे ये लोग खरकई नदी के इस पार आदित्यपुर क्षेत्र में बसना शुरू कर दिए. आज ऐसे बस्तियों की संख्या 51 हो गई है. ये लोग करीब 70 वर्षों से बसे हुए हैं इन्हें उनका अधिकार मिलना चाहिए.

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से अभिजित दत्ता, अरबिंद कुमार हीरा, माईकल महतो, विशु महतो, कार्तिक मंडल, रीता मंडल, चिन्मय महतो, बोन्ज गोप, पवन महतो,लुस्की सोरेन, ध्रुव सिंह, गौरी शंकर टुडू, सपन महतो, वीर सिंह टुडू, शुकलाल महतो, वीरेंद्र घटक, विकास महतो आदि बस्तीवासी शामिल थे.

आदित्यपुर की मुख्य बस्तियां

आदित्यपुर के 51 बस्तियों में सालडीह बस्ती, माझी टोला, संजय नगर, त्रिपुरा कॉलोनी, चंपाइ नगर, बैंक कॉलोनी, दिंदली बस्ती, हरिओम नगर, इंद्रा बस्ती, रिवरव्यु बस्ती, राम मड़ैया बस्ती, शर्मा बस्ती, गुमटी बस्ती, चुना भट्ठा, अलकतरा ड्राम बस्ती, कृष्णा नगर, ब्राह्मण टोला, सीतापुर बस्ती, ईमली चौक चुना भट्ठा, आदित्यपुर बस्ती, घासीराम कॉलोनी, इच्छापुर लाईन टोला, बंता नगर, एबीसी जोन, कुल्पटंगा बस्ती, रायडीह बस्ती, लंका टोला शिव काली मंदिरर, रायडीह सूर्य मंदिर, विनोद नगर, महावीर नगर, रिक्शा कॉलोनी, बावरी पाड़ा, बाबा आश्रम, मोती नगर साई कॉलोनी, आदर्श नगर, बेलडीह बस्ती, भाटिया बस्ती, विद्युत नगर, मीरुडीह बस्ती, बास्को नगर, गम्हरिया नीम पाड़ा, श्रीडुंगरी, सात बहिनी, जमालपुर, जुलुम टाड़, शांतिनगर, बोलाईडीह, गम्हरिया मोतीनगर, बलरामपुर, शंकरपुर और जगन्नाथपुर बस्ती शामिल हैं.

मां का आरोप- एक लाख मांगे, बुरी तरह से पीटने की दी धमकी

एएसआई ने बेटे को पीटा, छोड़ने के लिए मां से लिये 35 हजार

पड़ोसियों और रिश्तेदारों से रुपये मांग कर अधिकारी को दिये

संवाददाता। गुड़ाबांदा

भारते देवी.

एएसआई अजय कुमार.

पिटाई से घायल सुभाष बेरा.

गुड़ाबांदा थाना के एक पुलिस पदाधिकारी पर महिला भारते देवी ने अपने बेटे सुभाष बेरा (27 वर्ष) को पीटने और उसे छोड़ने के एवज में 35 हजार रुपए लेने का आरोप लगाया है. पीड़ित युवक ने कहा कि वह ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है. ठेला पर समोसा, पकौड़ी आदि बेचता है. 15 जुलाई को डुमरिया से लौटने के क्रम में गुड़ाबांदा थाना के एएसआई अजय कुमार ने उसे बड़ा अस्ती के पास रोका और पिटाई की. इसके बाद थाना के वाहन से थाना ले गये. वहां भी अन्य जवानों के साथ मिलकर पिटाई की. इसके बाद पीड़ित युवक के परिजनों को थाना बुलाया गया.

पीड़ित की मां भारती देवी ने बताया कि एएसआई अजय कुमार ने बेटे को छोड़ने के एवज में एक लाख रुपए की मांग की. इतनी रकम उनके पास नहीं होने के बात कहने पर अंत में 35 हजार रुपए देने पर बेटे को छोड़ने की बात तय हुई. एएसआई अजय कुमार ने उन्हें कहा कि दो घंटे के अंदर 35 हजार नकद लेकर आओ, नहीं तो बेटे को और बुरी तरह से मारेंगे. भारती देवी घर आकर अड़ोस-पड़ोस के लोगों और रिश्तेदारों से रकम उधार लेकर पहुंचाया. तब एएसआई ने बेटे को छोड़ा.

पीड़ित की मां ने एएसआई अजय कुमार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि गरीबों को सताने वाले ऐसे अधिकारी को तत्काल बर्खास्त किया जाये. आरोपी एएसआई ने युवक को थाना लाने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि युवक की पिटाई में वे शामिल नहीं थे. इस मामले की जांच डीएसपी संदीप भगत ने की है.

क्षेत्र के लोगों में इस घटना से पुलिस के प्रति आक्रोश है. ग्रामीण आरोपी पुलिस अधिकारी पर जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

आरोपी एएसआई को सस्पेंड करायेंगे : विधायक

इस मामले में बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक समीर मोहंती ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही उन्होंने एसएसपी से आरोपी एएसआई को सस्पेंड करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि इस तरह का गलत व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. शुक्रवार शाम तक आरोपी एएसआई को सस्पेंड किया जायेगा.

कानून सभी के लिए बराबर : डीएसपी

इस मामले में जांच में जुटे मुसाबनी डीएसपी संदीप भगत ने बताया कि जांच में जो सामने आया है उससे एसएसपी को सूचित करेंगे. इस मामले में दोषी पुलिसकर्मी पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी. उन्होंने कहा कि कानून सभी के लिए बराबर है. पुलिस कर्मी भी कानून को हाथ में नहीं ले सकते.

जयंती पर याद किये गए सिपाही विद्रोह के नायक मंगल पांडेय

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

देश के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी सिपाही विद्रोह के नायक शहीद मंगल पांडेय की जयंती शुक्रवार को जमशेदपुर में अलग-अलग जगहों पर मनाई गयी. टाटानगर मंडल कांग्रेस की ओर से जुगसलाई पिगमेंट गेट के समक्ष जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में शामिल लोगों ने वहां स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. मौके पर प्रदेश सचिव अमरजीत नाथ मिश्रा कालीचरण शर्मा, राजेश साहू, शिवजी शर्मा, रंजीत डे, इमरान खान आदि उपस्थित रहे. ब्राह्मण शक्ति संघ के तत्वावधान में संघ के केन्द्रीय कार्यालय मानगो में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया. मौके पर संघ के अध्यक्ष डॉ. पवन पांडेय ने कहा कि देश की आजादी के लिए मंगल पांडेय ने 1857 में सिपाही विद्रोह किया. जिसने अंग्रेजों पर गहरी छाप छोड़ी.

बोड़ाम निवासी मजदूर की बाबूडीह में बिजली का करंट लगने से मौत

संवाददाता। जमशेदपुर

बोड़ाम प्रखंड के गोरडीह गांव के उज्ज्वल कर्मकार नामक मजदूर की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई. घटना बृहस्पतिवार को भुइयांडीह के बाबूडीह बस्ती में हुई. घटना के बाद उसे एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया. जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

इस घटना की जानकारी शुक्रवार को विधायक मंगल कालिंदी को होने के बाद उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को पीड़ित परिवार की मदद करने के लिए भेजा. बाबूडीह में जिस घर में वह काम कर रहा था. उससे वार्ता कर मुआवजा दिलाया गया. उसके बाद शव को उसके गांव भिजवाया गया. बताया जाता है कि उज्ज्वल कर्मकार प्रतिदिन अपने गांव से काम की तलाश में मानगो चौक आता था. काम मिलने पर वह काम करके अपने गांव लौट जाता था.

दूसरी ओर विधायक मंगल कालिंदी ने झारखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग को सरकार के स्तर से मिलने वाले मुआवजा के लिए अपनी अनुशंसा के साथ पत्र अग्रसारित किया. मौके पर बोड़ाम प्रखंड के झामुमो नेता हिमांशु महतो सामाजिक कार्यकर्ता दीपक रंजीत, सागर पाल समेत मृतक के पिता सीताराम कर्मकार, विश्वनाथ कर्मकार, कांग्रेस कर्मकार, सुरेश कर्मकार, काजल कर्मकार समेत गांव के कई अन्य लोग उपस्थित थे.

रोजगार मेला में 255 अभ्यर्थियों का नियोजकों ने किया चयन

संवाददाता। घाटशिला

नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर घाटशिला में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन शुक्रवार को किया गया. इसमें बिहार, गुजरात, तमिलनाडु एवं झारखंड एवं अन्य राज्यों की 25 कंपनियों ने नियोजक के रूप में भाग लिया. जिसमें विभिन्न पदों के लिये 3300 रिक्तियों प्राप्त हुईं थीं. इन पदो के लिए 1200 के लगभग अभ्यर्थियों ने रोजगार मेला में भाग लिया. जिनमें से 255 योग्य अभ्यर्थियों का नियोजक द्वारा चयन किया गया एवं ऑफर लेटर दिया गया. कुल 385 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्टेड किया गया. उपरोक्त रोजगार में चयन स्थानीय उम्मीदवारों के नियोजन अधिनियम 2021 एवं नियमावली 2022 को ध्यान में रखते हुए किया गया. कैंप में अभ्यर्थियों की करियर काउंसलिंग भी की गई. जिसमें उन्हें जॉब और करियर के अंतर को बारीकी से बताया गया.

प्रखंड मुख्यालय पर पंचायत सचिव और मनरेगा कर्मियों ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता। घाटशिला

झारखंड राज पंचायत सचिव संघ की ओर से घाटशिला प्रखंड मुख्यालय पर शुक्रवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया. साथ ही मनरेगा कर्मियों ने भी तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल शुरू किया है.

इस संबंध में घाटशिला प्रखंड के बीपीआरओ जयप्रकाश पंडित ने बताया कि पंचायत सचिवों की दो मांगें हैं. इसमें मूल ग्रेड 2400 रुपये दिया जाए. इसके अलावा वरीयता के आधार पर 25 प्रतिशत पंचायत सचिव को बीपीआरओ के पद पर प्रोन्नति दी जाए. उन्होंने कहा कि

पंचायत सचिव संघ का तीन स्तरीय प्रदर्शन के बाद यदि सरकार मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती है तो संघ द्वारा लिए गए निर्णय पर और जोरदार आंदोलन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि 31 जुलाई को जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन एवं 21 अगस्त को राज्य स्तरीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा. मनरेगा के कनीय अभियंता जयंत भकत ने कहा कि मनरेगा विभाग के सभी अभियंता कर्मचारी तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर हैं. मनरेगा कर्मियों की मुख्य मांग है कि मनरेगा नियमावली में सुधार की जाए और मनरेगा कर्मियों की सेवा स्थायी की जाए.

आस्था | शांति के प्रतीक भगवान बुद्ध के मंदिर की आकृति देगा विश्व शांति का संदेश : अरविंद

आदित्यपुर में दुर्गा पूजा में दिखेगा म्यांमार का गोल्डन बौद्ध मंदिर

संवाददाता। आदित्यपुर

भूमिपूजन करते पूर्व विधायक अरविंद सिंह और अन्य.

पंडाल की आकृति.

प्रवीण सिंह सेवा संस्थान दुर्गा पूजा कमेटी में इस बार म्यांमार का गोल्डन बौद्ध मंदिर आकर्षण का केंद्र होगा. पंडाल निर्माण के लिए शुक्रवार को धूमधाम से भूमि पूजन हुआ. जानकारी देते हुए कमेटी के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि इस बार दुर्गा पूजा में आदित्यपुर में म्यांमार का गोल्डन कलर का बौद्ध मंदिर की आकृति आकर्षण का केंद्र होगा.

पंडाल के अंदर फाइबर ग्लास की मल्टी कलर की कारीगरी होगी. मूर्ति के पीछे ब्राइट मल्टी लाइट रहेगी. पंडाल 90 फीट ऊंची बनेगी. सिंहद्वार के साथ पेड़ पौधों का लॉन पंडाल परिसर में बनेगा. पंडाल के निर्माण 50 कारीगर ढाई माह में करेंगे. पंडाल पश्चिम बंगाल के मेचेदा के अशोक डे (मां पार्वती डेकोरेटर) द्वारा तैयार की जा रही है. पंडाल का ऊपरी हिस्सा प्लाई और उसके ऊपर फोम की कारीगरी रहेगी. पंडाल के मेन कारीगर चिकेन बेरा कोन्टाइ के हैं.

इस बार मां दुर्गा की प्रतिमा भी 18 फीट की बन रही है, जो आकर्षण का केंद्र होगा. भूमि पूजन के मौके पर कमेटी के संरक्षक एके श्रीवास्तव, यजमान के रूप में अनुराग सिंह, शंकर सिंह, पंकज कुमार प्रसाद, समरेन्द्र नाथ तिवारी, ऋषि मिश्रा, जगदीश नारायण चौबे, बृज मोहन सिंह, पप्पू सिंह, धर्मनाथ शर्मा, सुजल, संतोष सिंह, बच्चा यादव, संजू त्रिपाठी, संजय कुमार, वैभव सिंह, राधा मोहन शर्मा, सौरभ राय, सोनू सिंह, इंद्रजीत पांडेय, सुनील कुमार आदि मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

जंगली हाथियों की लड़ाई में एक हथिनी की मौत

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के सांड्रा पंचायत अंतर्गत भादुआ गांव के पास खेत में एक जंगली हथिनी की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार भादुआ गांव के पास स्थित जंगल में 10 से 12 हाथियों का झुंड गुरुवार की रात विचरण करते हुए पश्चिम बंगाल की ओर से झारखंड में प्रवेश किया था. इसमें हाथियों के बीच आपसी लड़ाई हो गई. इस लड़ाई में खेत में ही एक हथिनी की मौत हो गई. उसे देखने के लिए आसपास के ग्रामीणों की भीड़ सुबह से ही लगी हुई है. वहीं ग्रामीणों का कहना है कि अभी भी जंगली हाथियों का झुंड बगल के जंगल में शरण लिये हुये है. उधर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी है. साथ ही शरण लिए हुए हाथियों के झुंड की निगरानी की जा रही है.

अभिभावक-शिक्षक बैठक में बच्चों को किया सम्मानित

गुड़ाबांदा। प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय गुड़ाबांदा में शुक्रवार को अभिभावक और शिक्षकों बैठक हुई. बैठक में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार हांसदा ने कहा कि सभी अभिभावक अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें. बैठक को सहायक शिक्षक नव कुमार गिरि, जगदीश चन्द्र माहली, पीयूष कुमार धाउड़िया, एसएमसी अध्यक्ष जगेन्द्रनाथ मुंडा आदि ने संबोधित किया. बैठक में शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने वाले एवं पिछले शैक्षणिक सत्र के वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले हर कक्षा के तीन-तीन विद्यार्थियों को कॉपी-पेन देकर सम्मानित किया गया.

मॉडल स्कूल में दी गई शिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी

घाटशिला। मॉडल स्कूल घाटशिला में शुक्रवार को अभिभावकों एवं शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई. बैठक में विद्यालय में चल रहे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रोजेक्ट इंपैक्ट, इको क्लब, साप्ताहिक मूल्यांकन टेस्ट, प्रोजेक्ट रेल आदि के सफल संचालन पर चर्चा की गई. बैठक में ड्राइंग, उपस्थिति एवं अन्य उत्कृष्ट कार्य के लिए अभिभावकों द्वारा बच्चों को पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित किया गया. इसके साथ ही वर्तमान में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए जो सरकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं उसके बारे में बताया गया. छात्राओं के लिए सावित्री बाई फुले का लक्ष्य शत प्रतिशत पूरा करने को लेकर चर्चा हुई. इसके अलावा अभिभावकों को आकांक्षा, मेधा छात्रवृत्ति आदि योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई.

प्रखंड कार्यालय परिसर में लगा बिजली शिविर

बहरागोड़ा। शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में विधायक समीर कुमार मोहंती के पहल पर विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल धालभूमगढ़ द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें बिजली बिल में सुधार, मीटर चेंज, आरसीडीसी तथा नए विद्युत कनेक्शन से संबंधित कई समस्याओं का निराकरण किया गया. विधायक भी स्वयं शिविर में उपस्थित रहे. उन्होंने शिविर में आने वाले उपभोक्ताओं की समस्यायें सुनीं तथा उपस्थित पदाधिकारी को जल्द से जल्द समाधान करने का निर्देश दिया. विधायक ने एसडीओ अमरजीत प्रसाद से कहा कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को कैंप लगाया जाए, ताकि लोगों का समस्या का समाधान बहरागोड़ा में ही हो सके. उन्होंने यह भी कहा कि सब डिवीजन ऑफिस के लिए निविदा की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है ताकि 30 पंचायत के लोगों को बिजली से संबंधित समस्याओं के लिए धालभूमगढ़ जाना नहीं पड़े.

भाजपा नेता ने कई पंचायतों में बांटे तिरपाल

जादूगोड़ा। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उपेंद्र सरदार ने बरसात में जादूगोड़ा की कई पंचायतों में तिरपाल बांटे एवं आर्थिक मदद की. इधर तिरपाल पाकर जरूरतमंद परिवारों ने चेहरे खिल उठे. उनके घर के छप्पर टूटे हुए हैं जिससे उन्हें बरसात में रातें जागकर गुजारनी पड़ती थी. तिरपाल मिलने के बाद गरीब परिवारों ने राहत की सांस ली है. इधर भाजपा नेता उपेंद्र सिंह सरदार ने क्षेत्र के कुलडीहा, हाथीविंदा व आसनबनी समेत विभिन्न गांवों का दौरा किया व कैंप लगाकर उनकी समस्या सुनी. इस मौके पर होपना महाली, विद्युत महतो राकेश दास, मोना भक्त, संजय भक्त, भवोतोष दास, सोमनाथ पाल, शंकर मदीना, भूदेव भक्त समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

सीओ से जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग

घाटशिला। दामपाड़ा क्षेत्र के गंधनिया गांव से शिलडुगरी तक जर्जर सड़क की मरम्मत कराने एवं उसे अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस नेता तापस चटर्जी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सीओ निशांत अंबर से मुलाकात की. सीओ ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि आज ही कर्मचारी एवं अमीन को गांव भेज कर अतिक्रमण को लेकर रिपोर्ट मांगी जाएगी. सड़क मरम्मत के लिए संबंधित विभाग से पत्राचार किया जाएगा. ग्रामीणों ने बताया कि गंधनिया गांव से शिलडुगरी टोला तक सड़क काफी जर्जर हो गई है,. जर्जर सड़क के कारण लोग किनारे से किसी तरह पार होते थे. सड़क किनारे रहने वाले लोग बांस तथा खूंटा से घेर कर अतिक्रमण किए हुए हैं जिसे लोगों को आने जाने में काफी परेशानी होती है.

गदड़ा मवि में शौचालय निर्माण का शिलान्यास

जमशेदपुर। जिला परिषद सदस्य कुसुम पूर्ति ने अपने जिला परिषद क्षेत्र में मध्य विद्यालय उत्तर पूर्व गदड़ा में पानी टंकी सहित दो कमरे के शौचालय के निर्माण का शुक्रवार को शिलान्यास किया. विद्यालय में शौचालय नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाई होती है. विद्यालय के शिक्षक वर्षों से इसकी मांग कर रहे थे. इसके लिए जिप सदस्य कुसुम पूर्ति से आग्रह किया गया था. जिप सदस्य कुसुम पूर्ति ने 15वें वित्त आयोग की राशि से इसके निर्माण की अनुशंसा की थी. जिप सदस्य ने कहा कि इसका निर्माण कार्य शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण होगा. शिलान्यास के अवसर पर ग्राम प्रधान सुखलाल हेम्ब्रम, उप मुखिया रत्न जवकन, प्रेम कुमार प्रधान, शंभु शरण सिंह सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

जल सहियाओं ने विधायक आवास के सामने दिया धरना

चक्रधरपुर । मानदेय वृद्धि करने समेत पांच सूत्री मांगों को लेकर झारखंड राज्य जल सहिया संघ के बैनर तले जल सहियाओं ने शुक्रवार को चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव के आवास के सामने धरना दिया. मौके पर जल सहियाओं ने मानदेय बढ़ाकर 18000 रुपए करने, सेवा कार्यकाल में मृत्यु होने पर अनुकंपा का लाभ देने, जल सहियाओं का 20 लाख तक बीमा करने, विभाग के रिक्त पदों पर वरीयता एवं योग्यता के आधार पर नियुक्ति में प्राथमिकता देने, 65 वर्ष तक सेवा की गारंटी देने, ठेकेदारों को कार्य न देकर जल सहिया को जल स्वच्छता संबंधी कार्य देने की मांग की है. जल सहियाओं ने जमकर नारेबाजी भी की. इस दौरान जल सहियाओं को समझाने के लिए चक्रधरपुर से सीओ सह बीडीओ गिरिजानंद किस्कू, थाना प्रभारी राजीव रंजन भी पहुंचे थे. इससे पहले चक्रधरपुर के श्यामरायडीह चौक से लेकर रैली निकालते हुए विधायक आवास वनमालीपुर पहुंची थीं. मौके पर संघ की जिलाध्यक्ष मुन्नी बारी, प्रखंड अध्यक्ष जसमती महतो, प्रखंड सचिव पदमा महतो आदि सहियाएं मौजूद थीं. इस मौके पर चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि मांगों को राज्य सरकार तक पहुंचा दिया गया है.

विधायक को ज्ञापन सौंपती सहियाएं.

नौरंगराय सूर्यादेवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच टॉप टेन विद्यार्थी सम्मानित

लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें, सफलता अवश्य मिलेगी : एसडीपीओ

- मोमेंटो, मेडल, प्रशस्ति पत्र व स्मार्ट वाच दे किया सम्मानित

संवाददाता । चांडिल

नौरंगराय सूर्यादेवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, चांडिल में शुक्रवार को झारखंड वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2024 में प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले सभी भैया-बहनों को मोमेंटो, मेडल, प्रशस्ति पत्र व स्मार्ट वाच देकर सम्मानित किया गया.

प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय के भैया-बहनों में पूजा गोराई, प्रताप महतो, सतीश दास, संतोषी माहतो, रामेश्वर महतो, हर्षित कुमार, गायत्री महतो, संतोषी पोद्दार, अनामिका गौराई, योगेश्वर महतो, हिमांशु दास , सुदीप राय और शिवराम पोद्दार शामिल हैं.

वहीं डॉ इंद्रजीत गोराई की ओर से प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों को पूर्णचंद्र गोराई मेमोरियल छात्रवृत्ति के तहत नगद राशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर चांडिल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार रजवाड़, विशिष्ट अतिथि के रूप में अंचल अधिकारी अमित कुमार श्रीवास्तव, विद्यालय के सचिव डॉ शिशिर कुमार चटर्जी और विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य आदि उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारंभ सभी मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. इसके बाद उप प्रधानाचार्य सुब्रतजी ने अतिथि परिचय कराया. विद्यालय के सचिव शिशिर कुमार चटर्जी ने सभी अतिथि को मोमेंटो और शाल देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार रजवाड़ ने कहा कि सभी विद्यार्थी एक लक्ष्य निर्धारित कर और किसी को गुरु मानकर, उनसे सही मार्गदर्शन लेकर पढ़ाई करें उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी. उन्होंने विद्यालय के मेधावी छात्र -छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

इस अवसर पर अंचल अधिकारी अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भविष्य में कभी शिक्षा की जानकारी चाहिए तो अपने माता-पिता के साथ रविवार को उनके आवास में संपर्क कर सकते हैं. छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए वह सही मार्गदर्शन और सलाह देने के लिए तैयार हैं. इस अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य कुणाल कुमार ने दिया.

सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों के साथ अतिथि.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे.

उप निदेशक ने स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

चक्रधरपुर । स्वास्थ्य विभाग के कोल्हान क्षेत्रीय उप निदेशक डॉ. विजय कुमार में शुक्रवार को बंदगांव प्रखंड की विभिन्न पंचायत में स्वास्थ्य उप केंद्र का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान डॉ. विजय कुमार ने कराईकेला स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में भवन की स्थिति, कमरे, स्वास्थ्य सुविधाएं, दवाओं के स्टॉक इत्यादि को देखा. साथ ही नकटी स्थित स्वास्थ्य उप केंद्र में जांच के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी गायब मिली. उन्होंने कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार लाने की हिदायत दी. उन्होंने टेबो स्वास्थ्य केंद्र समेत अन्य केन्द्रों का निरीक्षण किया. मौके पर कुष्ठ विभाग के प्रभारी डॉ. सुनील बड़ाइक, लेखपाल संतोष कुमार के अलावे कर्मी मौजूद थे.

राशन व पेयजल समस्या को लेकर दुईया में आठ गांवों की हुई महापंचायत

29 जुलाई से करेंगे अनिश्चितकालीन सड़क जाम

- ग्रामीणों का 14 माह का राशन गबन करने का आरोप
- पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग
- 70 किलो की जगह मात्र 40 किलो मिला राशन

संवाददाता । किरीबुरू

अत्यंत नक्सल प्रभावित सारंडा के गंगदा पंचायत के 8 गांव कुम्बिया, चुर्गी, ममार, लेम्ब्रे, दुईया, दोदारी, हिनुवा, सलाई के ग्रामीणों की महापंचायत हुई. इसमें ग्रामीणों को सही तरीके से राशन नहीं देने अथवा बिल्कुल ही नहीं देने और पेयजल की समस्या को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाई गई. ग्रामीण सलाई चौक के पास मनोहरपुर-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग को 29 जुलाई से अनिश्चितकाल के लिए जाम करेंगे. नाराज ग्रामीणों ने मुखिया सुखराम उर्फ राजू सांडिल व मुंडाओं के नेतृत्व में दुईया गांव स्थित तालासाई में महापंचायत का आयोजन किया. महापंचायत में आठ गांवों से भारी तादाद में महिला-पुरुष के अलावे राशन डीलर प्रभु सहाय हेम्ब्रम भी शामिल हुये. महापंचायत में कुम्बिया, चुर्गी एवं ममार गांव के ग्रामीणों ने राशन डीलर पर आरोप लगाया कि वह बीते 14 माह से सभी कार्डधारियों को बिल्कुल राशन नहीं दिया गया है. बाकी पांच गांवों के ग्रामीणों ने कहा कि उन्हें किसी महीने राशन मिलता है तो किसी महीना नहीं मिलता है. कभी-कभी दो माह का एक साथ राशन देता है, लेकिन 70 किलो की जगह मात्र 40 किलो राशन दिया जाता है. इसका प्रमाण राशन कार्ड है, जिसपर डीलर ने स्वयं इंट्री की है. ग्रामीणों ने कहा कि हमारा 14 माह का राशन सरकार, विभागीय एजीएम, एमओ या फिर राशन डीलर खा गया. इसकी जांच होनी चाहिये.

महापंचायत में बैठे मुखिया, राशन डीलर व अन्य.

महापंचायत में उपस्थित 14 गांव के कार्डधारी महिला और पुरुष.

शुद्ध पेयजल की है समस्या

दूसरी ओर, गंगदा पंचायत के 14 गांवों के ग्रामीणों ने कहा कि सभी गांवों में शुद्ध पेयजल की समस्या है. सभी गांवों का चापाकल खराब है. 15 करोड़ की लागत से बनी दोदारी पेयजल आपूर्ति योजना से सिर्फ ममार गांव में ही ठीक से पानी पहुंच रहा है, जबकि अन्य गांवों में पानी नहीं पहुंच रहा है. बारिश का मौसम आ गया तो समस्या और बढ़ गई है, क्योंकि बरसात में नदी-नाला का पानी लाल व दूषित हो गया है, जिससे बीमारी बढ़ रही है.

एफसीआई के एजीएम कम अनाज देते हैं : राशन डीलर

राशन डीलर प्रभु सहाय हेम्ब्रम ने कहा कि उसके पास आठ गांव के कुल 549 कार्डधारी हैं. कुम्बिया, चुर्गी और ममार गांव को मिलाकर 280 कार्डधारी हैं. इन तीन गांवों के लाभुकों को 14 माह से राशन नहीं मिला है. बाकी गांवों को दो माह का एक साथ कम राशन अर्थात् प्रत्येक कार्डधारी को लगभग 30-30 किलो कम राशन दी गई है, क्योंकि एफसीआई के एजीएम द्वारा कम अनाज आवंटित किया जाता है. तीनों गांवों के ग्रामीणों को ऑन लाइन देना था.

विभागीय मंत्री खुद जांच करें : राजू सांडिल

मुखिया राजू सांडिल ने कहा कि राशन और पेयजल समस्या को लेकर 29 जुलाई की सुबह से सलाई चौक के पास मनोहरपुर-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग को अनिश्चितकाल के लिए जाम किया जायेगा. इस भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. तीन गांवों के गरीब ग्रामीणों का 14 माह का राशन घोटाला एवं पेयजल आपूर्ति से जुड़ा मामला बड़ा घोटाला है. महापंचायत में मुंडा धर्म गागराई, मुंडा जानुम सिंह चेरोवा, मुंडा रेंगो चाम्पिया, मुंडा जुरा सिधु, मुंडा सोमा चाम्पिया, इंदा जामुदा, मंगल कुम्हार, पंसस रामेश्वर चाम्पिया, साधो चाम्पिया, गोनो चाम्पिया, संग्राम चेरोवा, चरण सिंह चाम्पिया आदि सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

उपमुखिया ने सोनुवा थाना में बीडीओ की शिकायत की

चक्रधरपुर । सोनुवा प्रखंड के भालुरुंगी पंचायत के उपमुखिया गणेश चंद्र बोदरा ने बीडीओ के खिलाफ सोनुवा थाना में शिकायत की है. इसमें गणेश ने आरोप लगाया है कि बीडीओ गिरिवर मिंज ने उन्हें अपशब्द कहा, केस करने व पद से हटाने और थाना में केस दर्ज कराने की धमकी दी. शिकायत पत्र में उपमुखिया ने बताया कि शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय के नाजीर ने बीडीओ द्वारा कार्यालय बुलाये जाने की बात कही. कार्यालय पहुंचने पर बीडीओ गुस्से में आ गये व योजनाओं को लेकर डीसी, डीडीसी को शिकायत करने का कारण पूछते हुए अपशब्द कहा.

कचरा प्रोसेसिंग मशीन का किया उद्घाटन

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर शहर के कुदलीबाड़ी स्थित श्मशान घाट के डंपिंग यार्ड में कचरों का निस्तारण को लेकर लगाए गए कचरा प्रोसेसिंग मशीन का गुरुवार को उद्घाटन किया गया. विधायक सुखराम उरांव ने शिलापट्ट का अनावरण किया. विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि चक्रधरपुर के लिए कचरा निस्तारण होना बड़ी बात है. यह शहर के लिए बड़ी समस्या है. फिलहाल के लिए कचरों का निस्तारण होना ठीक है, लेकिन कचरा प्रबंधन सिस्टम प्लांट बहुत जरुरी है. चक्रधरपुर में शहरी जलापूर्ति योजना भी सफल नहीं होना बड़ी समस्या है.

बुनियादी विद्यालय प्रांगण में किया गया पौधरोपण

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड की कराईकेला पंचायत के बुनियादी विद्यालय प्रांगण में शुक्रवार को भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सदस्य मालती गिलुवा के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया. भाजपा द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत फलदार व छायादार पौधे लगाए गए. विद्यालय के शिक्षकों ने मालती गिलुवा को बाउंड्री वॉल नहीं होने के कारण होने वाली समस्याओं से अवगत कराया. मौके पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ललित मोहन गिलुवा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पांडे आदि मौजूद थे.

बिजली चोरी करने के आरोप में चार के खिलाफ केस

चक्रधरपुर । बिजली विभाग की ओर से शुक्रवार को चक्रधरपुर के टोकलो रोड में अवैध बिजली का उपयोग करने वालों के खिलाफ छापेमारी की गई. इस दौरान शुक्ला रोड में बिजली चोरी कर उपयोग करने वाले सुंदर कुम्हार, जसी टोप्पो, वीना देवी,सावित्री देवी के खिलाफ चक्रधरपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया. वहीं इन सभी के खिलाफ जुर्माना भी किया गया. छापेमारी अभियान के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ कर्मचारी मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

मुखिया के गांव में भी दूषित पानी की सप्लाई

किरीबुरू । सारंडा के गांवों में 400 फीट डीप बोरिंग कराने के बावजूद लोगों को सोलर जल मीनार से दूषित पेयजल आपूर्ति हो रही है. यह आरोप गंगदा पंचायत के मुखिया राजू सांडिल की पत्नी ने लगाया है. मुखिया की पत्नी ने लगातार न्यूज और शुभम संदेश अखबार को बताया कि गंगदा पंचायत अन्तर्गत हमारे पैतृक गांव दुईया में टाटा स्टील की ओर से सोलर चालित जल मीनार लगाया गया है. इस जल मीनार से नियमित पेयजल की आपूर्ति हो रही है. लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि पानी मटमैला और दूषित है. कोई भी व्यक्ति पानी पी नहीं सकता है. मुखिया पत्नी ने कहा कि राज्य सरकार तमाम गांवों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कराये. ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल पाता है.

चाईबासा में कांग्रेस कार्यकारिणी की विशेष बैठक आज

चाईबासा । कांग्रेस जिला कार्यकारिणी की विशेष बैठक 20 जुलाई को यहां कांग्रेस भवन में बुलाई गई है. जिला अध्यक्ष चन्द्रशेखर दास ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से जिला से लेकर बूथ स्तर तक की कमिटी के सांगठनिक ढांचे की मजबूती पर गहन विचार विमर्श किया जाएगा. बूथ से लेकर जिला स्तर तक के कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करने के लिये प्रयास किया जाएगा. दास ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे एवं एनडीए सरकार की मनमानी व नाकामियों को उजागर करने का काम करेंगे. एनडीए सरकार से जनता अब बहुत जल्द मुक्ति चाहते हैं, जिसका उदाहरण हाल के दिनों में हुए उपचुनाव में जनता ने बेहतर तरीके से दिखा दिया है.

भरंडिया में जल संकट, ग्रामीणों ने सांसद से लगायी गुहार

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड की हुड़ांगदा पंचायत के भरंडिया गांव में ग्रामीण पानी की समस्या से जूझ रहे हैं. गांव के मटकोबेड़ा टोला में चापाकल नहीं है. इस परेशानी को लेकर शुक्रवार को गांव की सानरती आजीविका सखी मंडल की कई सदस्य सांसद जोबा माझी के चक्रधरपुर स्थित आवास पहुंची. वहां सांसद के अनुपस्थिति में झामुमो के युवा नेता जगत माझी ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए. जगत माझी ने कहा कि पेयजल जैसी मौलिक सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए. उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि विभाग से वार्ता कर जल्द ही गांव में पेयजल की समस्या दूर की जाएगी. इसके अलावा ग्रामीणों ने सांसद पुत्र को गांव की अन्य समस्याओं से भी अवगत कराया. ग्रामीणों को सांसद की अनुपस्थिति में जगत माझी को लोकसभा चुनाव में जीत होने पर फूलों का गुलदस्ता भेंटकर बधाई दी.

स्कूल प्रबंधन पर बच्चों की देखभाल में लापरवाही का आरोप

चाईबासा । बंदगांव खरसावां के ब्लू वेल्स इंगलिश मीडियम स्कूल प्रबंधन पर बच्चों की देखभाल में लापरवाही बरती जा रही है. शुक्रवार को खरसावां के हरिभंजा निवासी चैतेंद्र प्रताप सिंहदेव ने खरसावां के ब्लू वेल्स इंगलिश मीडियम स्कूल प्रबंधन के खिलाफ उपायुक्त को पत्र लिखा है. चैतेंद्र ने कहा है कि एलकेजी में पढ़ने वाले उनके पुत्र बिराज सिंहदेव को 18 जुलाई को वे सुबह सात बजे स्कूल परिसर में छोड़ कर आये. सुबह करीब 8.40 बजे बिराज सिंहदेव स्कूल से करीब 500 मीटर दूर हरिभंजा के रास्ते पेट्रोल पंप पर मिला. पेट्रोल पंप कर्मी ने इसकी सूचना परिजनों को दी. उन्होंने स्कूल प्रबंधन पर आरोप लगाया कि आखिर छोटा बच्चा स्कूल से बाहर निकल कर 500 मीटर दूर कैसे चला गया. इस पर स्कूल प्रबंधन का पक्ष लेने का प्रयास किया गया, परंतु प्रबंधन ने कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया.

जिला स्तर पर संपूर्णता अभियान कार्यक्रम शुरू

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं और पुरुष.

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त के निर्देशन में शुक्रवार को मुख्यालय शहर चाईबासा स्थित पिल्लई सभागार में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) संदीप कुमार मीणा ने दीप प्रज्ज्वलित कर आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत जिलास्तर पर संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया. शुभारंभ कार्यक्रम में सर्वप्रथम उपस्थित पदाधिकारियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया. पदाधिकारियों द्वारा स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, जेएसएलपीएस के माध्यम से स्थापित किए गए स्टॉल का निरीक्षण कर वहां से आम जनों को दी जाने वाली जानकारियों का भी जायजा लिया गया. मालूम हो कि नीति आयोग, नई दिल्ली के तत्वावधान में आकांक्षी जिला व प्रखंड दोनों कार्यक्रम संचालित है. इसी के तहत देशभर में 4 जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक संपूर्णता अभियान का संचालन किया जा रहा है. उप विकास आयुक्त ने कहा कि आकांक्षी जिला और प्रखंड कार्यक्रम दोनों ही शासन में सुधार पर केंद्रित है, जो नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को सुधारने और देश में कम विकसित व दूरस्थ क्षेत्रों में अनुश्रवण के माध्यम से सेवा वितरण में सुधार लाने को प्राथमिकता देता है. इसके अलावा कार्यक्रम अंतर्गत जागरूकता एवं व्यवहार परिवर्तन अभियान भी संचालित किए जाएंगे. मौके पर सहायक समाहर्ता अर्णव मिश्रा, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ साहिर पॉल, जिला योजना पदाधिकारी फ्रांसिस कुजूर, आकांक्षी प्रखंड-टोंटो व गुदड़ी के बीडीओ आदि उपस्थित थे.

पंचायत सचिवों ने प्रखंड कार्यालय परिसर में किया धरना-प्रदर्शन

- ग्रेड पे बढ़ाने व अन्य मांगों को लेकर बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता । चक्रधरपुर

झारखंड राज्य पंचायत सचिव संघ के आह्वान पर शुक्रवार को चक्रधरपुर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में कार्यरत पंचायत सचिवों ने चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया. इस दौरान पंचायत सचिवों ने बीडीओ के नाम दो सूत्री ज्ञापन भी सौंपा. मौके पर पंचायत सचिवों ने कहा कि दो सूत्री मांगों को लेकर धरना दिया जा रहा है. दो सूत्री मांगों में ग्रेड पे 2400 रुपये करने, वरीयता के आधार पर 25 प्रतिशत पंचायत सचिव को बीपीआरओ के पद पर प्रोन्नति देने की मांग शामिल हैं. शुक्रवार को धरना-प्रदर्शन के दौरान पंचायत सचिवों के साथ प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सह झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे. इस मौके पर पंचायत सचिव राज कुमार सिन्हा, पूजा कुमारी, बुल्टी कुमारी समेत अन्य मौजूद थे.

चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना में बैठे पंचायत सचिव.

पंचायत सचिवों की मांग जायज : डॉ. मनोज कुमार सिन्हा

इस मौके पर अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने कहा कि पूरे झारखंड में पंचायत सचिव एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं. पंचायत सचिवों की मांग जायजा है. तयशुदा कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के बाद आगे की रणनीति के तहत प्रदेश व राजभवन कार्यालय के समीप धरना प्रदर्शन और हड़ताल करने की योजना है. पंचायत सचिवों की मांग वर्षों से लंबित है. कई बार महासंघ के नेतृत्व में सरकार को इस संबंध में अवगत कराया गया है. मात्र दो हजार ग्रेड पे पर ही पंचायत सचिव कार्यरत हैं. ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत सचिवों के ऊपर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र के साथ-साथ मनरेगा, 15वें वित्त आयोग, आवास योजना समेत अन्य कार्य पंचायत सचिव द्वारा किया जाता है, लेकिन इनकी मांगों को बार-बार टाला जा रहा है. सरकार की सारी योजनाएं धरातल पर पहुंचाने की जिम्मेवारी पंचायत सचिवों को दी जाती है, लेकिन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया जाना गलत है.

मांग सलाई से हिनुआ तक बन रही सड़क में भ्रष्टाचार की शिकायत, मुखिया ने निर्माण बंद कराया

सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का किया जा रहा इस्तेमाल

- पत्थर और डस्ट की काफी पतली परत दी गई है

संवाददाता । किरीबुरू

नक्सल प्रभावित सारंडा के गंगदा पंचायत अन्तर्गत सलाई स्थित नेहरु बेसरा के घर से हिनुआ तक लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी पीसीसी सड़क का निर्माण हो रहा है. इसमें भारी भ्रष्टाचार व अनियमितता बरते जाने की शिकायत मिलने पर मुखिया राजू सांडिल ने इसकी जांच की. जांच में भ्रष्टाचार व अनियमितता सही पाये जाने पर मुखिया ने सड़क का निर्माण बंद करवा दिया. इस सड़क का निर्माण कार्य मिश्रा कंस्ट्रक्शन द्वारा किये जाने तथा इसकी निगरानी मनोहरपुर के ठेकेदार राज यादव द्वारा किये जाने की बात ग्रामीणों ने कही. ग्रामीणों ने बताया कि इस कार्य की देखरेख गांव का मुंशी जयराम माझी कर रहा है. इस सड़क से जुड़ी प्राक्कलन राशि, मजदूरी दर, सड़क की लम्बाई आदि से संबंधित कोई बोर्ड कार्य स्थल पर नहीं लगाया गया है. 19 जुलाई को शिकायत मिलने के बाद मुखिया राजू सांडिल ने सड़क का निरीक्षण के दौरान पाया कि पूरी सड़क में घटिया स्तर का पत्थर और डस्ट का इस्तेमाल किया गया है. उसकी परत भी काफी पतली है. उस सड़क व बिछाये गये मेटल जिसे जीएसबी कहा जाता है, उस पर रोलर से कहीं भी रोलिंग नहीं किया गया है. मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी के नाम पर 250 से 300 रुपये तक दिया जा रहा है. कार्यस्थल पर पड़ा बालू वैध अथवा अवैध है उसकी जानकारी व चालान दिखाने वाला कोई नहीं मिला. यह क्षेत्र घोर नक्सल प्रभावित है. यहां ठेकेदार स्थानीय मुंशी अथवा ग्रामीण को थोड़ा प्रलोभन देते हैं.

इस सड़क निर्माण में लगी सामग्री की जांच अगर सारंडा वन प्रमंडल पदाधिकारी व खनन विभाग के पदाधिकारी संयुक्त रुप से करा दिये तो मामला अवैध पत्थर की तस्करी का सामने आ सकता है, क्योंकि ऐसा पत्थर किसी की मान्यता प्राप्त क्रशर से जारी हो ही नहीं सकता है. संभावना है कि यह पत्थर सारंडा जंगल से ही उत्खनन कर यहां डाला गया है. इस सड़क का निर्माण कार्य में लगे मजदूर मरन सिंह चाकिया और बामिया चाकिया (गंगदा) ने बताया कि हम काम कर रहे हैं. ठेकेदार ने 300 रुपये मजदूरी देने की बात कही है. अभी तक पैसा नहीं मिला है. पुलिया निर्माण में जिन मजदूरों ने कार्य किया है उन्हें 250 रुपये मजदूरी दी गई है. इस दौरान पंचायत सचिव मनोज कुमार महतो, पंसस रामेश्वर चाम्पिया, मंगल कुम्हार, उप मुखिया साधो चाम्पिया, वार्ड सदस्य गुलियान चाम्पिया, प्रदीप सिधु आदि अन्य ग्रामीण मौजूद थे.

सड़क पर डाला गया घटिया स्तर का पत्थर और डस्ट.

सांसद के आवास पहुंची जल सहिया, मांगा बकाया मानदेय

संवाददाता । चाईबासा

झारखंड राज्य जल सहिया संघ पश्चिमी सिंहभूम शाखा के मनोहरपुर, गोइलकेरा व आनंदपुर की दर्जनों जल सहिया शुक्रवार को सांसद जोबा माझी के आवास पहुंचीं. इस दौरान सांसद के अस्वस्थ होने के कारण पुत्र सह झामुमो के युवा नेता जगत माझी ने जल सहिया संघ से वार्ता की. संघ ने मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि 24 जून को पांच सूत्री मागों को लेकर मुख्यमंत्री आवास रांची में जल सहियाओं द्वारा एक दिवसीय धरना दिया गया था. पुनः सांसद के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांगों के प्रति ध्यान आकृष्ट कराने आए हैं. झामुमो नेता जगत माझी ने कहा कि जल सहिया की मांगें जायज हैं. इसके लिए सांसद के स्तर से मुख्यमंत्री को पत्र लिखा जाएगा. संभव हुआ तो जल सहियाओं की उपस्थिति में सीएम से वार्ता की जाएगी. मौके पर संघ की जिलाध्यक्ष मुनी बारी, आनंदपुर प्रखंड अध्यक्ष मीनू महतो, सचिव अंजेला लकड़ा, कोषाध्यक्ष जयबंती देवी, मनोरहपुर प्रखंड की शीला सांडिल्य, सुखमनी जुरिका तिग्गा, रेखा कुमारी, गोइकलेरा की सुकेशी गोप, सुनीता बांकिरा, प्रमिला सुरीन समेत अन्य मौजूद थीं.

दुर्घटना : घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम की, जमकर मचाया उत्पात, पुलिस कार्रवाई की तैयारी में जुटी

बाइक सवारों पर बालू लदा कंटेनर पलटा, एक की मौत

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड में लगातार दूसरे दिन दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें केवला के एक युवक का मौत हो गई. घटना के संबंध में बताया जाता है कि प्रखंड के पांडेयबारा चौक के पास बाइक का चकमा देने के बाद बालू लदा कंटेनर अचानक पलट गया. कंटेनर पलटने से बाइक सवार एक युवक कंटेनर के नीचे ही दब गया, जबकि दूसरा युवक बालू के नीचे दब गया. बालू के नीचे दबे युवक को आसपास के लोगों ने तुरंत दौड़ कर बाहर निकाला. वहीं दूसरे युवक की ट्रेलर के नीचे दबने से मौत हो गई. मृतक युवक की पहचान केवला निवासी फरदीन खान, पिता आबिद खान के रूप में हुई है. घटना के बाद

बालू लदा कंटेनर, जिसके पलटने से एक युवक की मौत हो गई.

आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया और जमकर उत्पात भी मचाया. इसके बाद थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह अपने दलबल के साथ पहुंचकर लोगों को समझा कर जाम को हटवाया. वहीं सड़क जाम कर उत्पात मचाने वालों पर पुलिस खबर लिखे जाने तक कार्रवाई की तैयारी कर रही थी. थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि सड़क जाम कर उत्पात मचाने वाले बख्शे नहीं जाएंगे. कानून को हाथ में लेना दंडनीय अपराध है. वहीं अंचल अधिकारी संजय यादव ने मृतक परिवार को पारिवारिक लाभ के रूप में 25 हजार रुपये एवं मृतक मुआवजा के रूप मे दो लाख रुपये दिलवाने का आश्वासन दिया. वहीं तीसरे दिन भी प्रखंड के चतरा मोड़ के समीप लोहार स्थान के पास खड़े ट्रक में पीछे से आकर एक ट्रक ने टक्कर मार दी. इससे ट्रक का अगला हिस्सा धंस गया और चालक घायल हो गया.

समाजसेवी जीतू यादव ने जताया दुख

पांडेयबारा के समाजसेवी जीतू यादव ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि रोड किनारे खड़े युवक की कंटेनर से दबकर मृत्यु हो जाना दुर्भाग्यपूर्ण है. सिंघरावा में लगातार दूसरे दिन पांडेयबारा में इस तरह की घटना होना कहीं न कहीं लोगों को भयभीत कर रहा है. आखिर इन बेगुनाहों की मौत का जिम्मेदार कौन है? ग्रामीण हमेशा एनएचएआई की लापरवाही बताते हैं, लेकिन एनएचएआई के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती है. आखिर चौपारण दुर्घटना से कब मुक्त हो पाएगी? कब तक राज्य सरकार व केंद्र सरकार इसपर कार्यवाही करेगी?

सड़क हादसे मं दो की मौत, चार लोग घायल

हजारीबाग। बरही थाना क्षेत्र में केरसो एनएच- 33 पर शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए. सभी बिहार नवादा के बताए जा रहे हैं. बताया जा रहा है कि ये सभी लोग पिकअप वैन से रजरप्पा पूजा करने गए थे. लौटने के क्रम में बरही के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने पुलिस के सहयोग से घायलों को हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जबकि दोनों शवों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया. मृतक एवं घायलों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है.

बालू लदे ट्रैक्टर से टक्कर में एंबुलेंस के परखच्चे उड़े, दो गंभीर

संवाददाता। कोडरमा

जिले के डोमचांच थाना अंतर्गत कोठियारबर में शुक्रवार की सुबह बालू लदे ट्रैक्टर से हुई टक्कर में एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए. इस सड़क हादसे में एंबुलेंस में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान बिहार के औरंगाबाद निवासी टिंकू सिंह (40) और अशोक कुमार सिंह (38) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार बिहार के औरंगाबाद से एंबुलेंस लेकर दोनों श्रावणी मेला में एंबुलेंस सेवा के लिए देवघर जा रहे थे. इस दौरान एंबुलेंस के ड्राइवर को झपकी आने के बाद बालू लदे ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई. घटना में एंबुलेंस पर सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को पुलिस के मदद से सदर अस्पताल

लाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दोनों को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया. एक अन्य घटना में जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के महतो अहरा के समीप गुरुवार रात एक वाहन की चपेट में आकर ऑटो के दुर्घटनाग्रस्त होने से ऑटो का चालक घायल हो गया. घायल की पहचान तिलैया बस्ती निवासी सुरेश पंडित (30) के रूप में हुई है. ऑटो चालक रामपुर से सवारी को छोड़कर वापस तिलैया की तरफ लौट रहा था. इसी दौरान महतो अहरा के समीप किसी वाहन ने ऑटो में टक्कर मार दी.

ब्रीफ खबरें

महिला डेढ़ साल के बच्चे के साथ लापता

हजारीबाग। बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के हुरहुरू से बीस वर्षीय महिला सोनी कुमारी अपने डेढ़ साल के बच्चे के साथ लापता हो गई है. इस संबंध में पति चंदन कुमार शर्मा ने बड़ा बाजार ओपी में लिखित आवेदन देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है. आवेदन के अनुसार हुरहूरू स्थित न्यू लाइफ लाइन हॉस्पिटल से पत्नी सोनी कुमारी अपनी सासू मां के साथ रुटीन चेकअप के लिए आई थी. चेकअप के बाद जांच करवाने के नाम पर सोनी कुमारी अस्पताल के बाहर आई. सासू मां किसी से फोन पर बात करने में व्यस्त हो गई तभी बहू अपने डेढ़ वर्षीय बेटे को लेकर एकाएक गायब हो गई. सासू मां ने जब फोन रखा तो देखा कि उनकी बहू नहीं है.

सावन में सुल्तानगंज के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

हजारीबाग कैनरी इन होटल में शुक्रवार को भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने बताया कि सावन महीने में हजारीबाग से सुल्तानगंज के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. उन्होंने इसको लेकर सांसद मनीष जायसवाल एवं डीआरएम के माध्यम से केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष उक्त मांग रखी थी, जिसकी स्वीकृति मिल गई है. स्पेशल ट्रेन रविवार एवं मंगलवार को रांची से रात्रि 09:35 बजे आरंभ होगी. रविवार एवं मंगलवार को हजारीबाग से रात 01:15 बजे आरंभ होगी, जिसका रूट चार्ट रांची, बरकाकाना, हजारीबाग, कोडरमा, गया, सुल्तानगंज और भागलपुर है. सुल्तानगंज में पहुंचने का समय सुबह 09:47 बजे है. लौटने के लिए सोमवार तथा बुधवार को भागलपुर से दोपहर 12:20 बजे से आरंभ होगी.

भाजपा नेता प्रदीप ने दी जानकारी, कहा-हमारा लक्ष्य एक लाख पौधरोपण

हरियाली महोत्सव में पौधरोपण का आंकड़ा पहुंचा 65 हजार पार

- 21 को शहर में भव्य मैराथन दौड़ का होगा आयोजन, 10 हजार लोग सड़क पर दौड़ेंगे

संवाददाता। हजारीबाग

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने कहा कि 5 जून से प्रारंभ हरियाली महोत्सव के तहत अब तक पौधरोपण का आंकड़ा 65 हजार को पार गया है. कार्यालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता मनोज श्रीवास्तव व प्रदीप प्रसाद के साथ कई खेल प्रेमी एवं पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे. प्रसाद ने कहा कि 5 जून से प्रारंभ हरियाली महोत्सव का शुभारंभ सांसद मनीष जायसवाल के हाथों किया गया था. विभिन्न स्कूलों, विभिन्न कोचिंग संस्थानों में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ सदर विधानसभा क्षेत्र के हर प्रखंडों में पौधरोपण तथा पौधा का वितरण किया गया है. हमारा लक्ष्य एक लाख पौधों का रोपण और वितरण करना है. इस मुहिम की सफलता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम लगाने के संदेश का भी बड़ा योगदान रहा है. इससे हरियाली महोत्सव मुहिम सफलता की ओर काफी अग्रेषित हुई है. हम विशेष रूप से इस नेक पहल के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं. पर्यावरण के प्रति उनकी यह पहल देश तथा समाज में एक नया कीर्तिमान हासिल करता नजर आ रहा है. आने वाले समय में पांच लाख पौधरोपण के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाएगा. पौधे की व्यवस्था किस प्रकार की जाए इसकी भी व्यवस्था बेहतर तरीके से की जाएगी.

हरियाली महोत्सव को लेकर प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद और अन्य.

हरियाली महोत्सव व मैराथन दौड़ के लिए प्रदीप का जताया आभार

प्रेस वार्ता के दौरान शिक्षिका चंचला देवी ने पर्यावरण गीत के माध्यम से भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद का आभार जताया. उन्होंने कहा कि हरियाली महोत्सव की यह मुहिम काफी सराहनीय एवं उचित है. मैं स्वयं पर्यावरण के प्रति अनेक कार्यक्रम आयोजित करती रहती हूं. इनके साथ मिलकर गांव-गांव में पौधे का वितरण तथा पौधरोपण कर रही हूं. इनका यह कार्य उल्लेखनीय है. वहीं खेल प्रेमी सहदेव सिंह ने कहा कि मैराथन दौड़ शहर को हरा-भरा बनाने के दृष्टिकोण से आयोजित किया जा रहा है, जो काफी सराहनीय है. इस कार्यक्रम में शहर के सभी खेल प्रेमियों का सहयोग है. ऐसे कार्यक्रम आयोजित होने से धावकों की रुचि बढ़ती है. खेल प्रेमी मोहम्मद अनवर ने कहा कि इस मैराथन दौड़ में विशेष टेक्निकल लोगों को नियुक्त किया गया है, जो बगैर पक्षपात रिजल्ट सुनाएंगे. जगह-जगह पर मार्किंग करने के लिए पूरी टीम तैनात रहेगी. प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से मनोज श्रीवास्तव, सहदेव सिंह, मुरारी सिन्हा, मो अनवर, अजीत साहु, बुधन सिह, प्रकाश झा सहित कई लोग मौजूद थे.

साथ ही प्रदीप प्रसाद ने अपने संबोधन में बताया कि रविवार को जिले में ऐतिहासिक रूप से मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है. इस आयोजन में दस हजार महिला एवं पुरुष एक साथ सड़कों पर पर्यावरण संरक्षण हेतु संकल्पित होकर दौड़ते नजर आएंगे. इस भव्य कार्यक्रम का रजिस्ट्रेशन निशुल्क रखा गया है. मैराथन दौड़ में किसी भी प्रकार का ड्रेस कोड निश्चित नहीं किया गया है. किसी भी प्रकार की उम्र सीमा निर्धारित नहीं की गई है. 7:15 किलोमीटर की दौड़ के दौरान विभिन्न स्थानों पर पेयजल, शरबत की व्यवस्था की गई है. चिकित्सा व्यवस्था उत्तम रखी गई है एंबुलेंस के साथ एक चिकित्सक को भी उपलब्ध रखा गया है. कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत आने वाले सभी धावकों को गांधी मैदान में शरबत के साथ चना सत्तू उपलब्ध कराया जाएगा. वहीं दूसरी ओर गांधी मैदान पर कार्यक्रम प्रारंभ से लेकर समाप्ति तक स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति संदेश जन-जन को देंगे. कार्यक्रम का उद्देश्य हजारीबाग जिले को स्वच्छ, समृद्ध एवं हरियाली मय बनाना है. इस कार्यक्रम में रामगढ़, रांची, कोडरमा और धनबाद जिले से भी धावक हजारीबाग पहुंच रहे हैं. कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत पौधारोपण किया जाएगा. कार्यक्रम में बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा.

नदी, नाला और जलीय स्रोतों पर अतिक्रमण रोके जिला प्रशासन

- कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के स्टेट कोऑर्डिनेटर ने दी चेतावनी
- कार्रवाई नहीं हुई तो खटखटाएंगे हाईकोर्ट का दरवाजा : सुरजीत

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के स्टेट कोऑर्डिनेटर सुरजीत नागवाला ने हजारीबाग में जलीय स्रोतों और सरकारी जमीन पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. साथ ही इसकी कॉपी उपायुक्त, अपर समाहर्ता, अंचल अधिकारी सदर को भी दी. पत्र में कहा है कि हजारीबाग में नदी, नाले और तालाब पर जिस तरह तेजी से अतिक्रमण हो रहा है वह किसी से छुपा हुआ नहीं है. चाहे वह विकास नगर का नाला हो, बुंदेल नगर का नाला हो,

सुरजीत नागवाला. फाइल फोटो

कृष्णपुरी तालाब हो, साकेत पुरी तालाब हो, कुम्हार टोली नाला हो, साथ ही साथ जितनी भी सरकारी जमीन है, सभी जगह पर अतिक्रमण तेजी से बढ़ रहा है और माफियाओं का मनोबल बढ़ा हुआ है. विदित हो कि बुंदेल नगर और विकास नगर का नाला हजारीबाग समाहरणालय के सामने पड़ता है और प्रशासन की नाक के नीचे लगातार दर्जनों मकान बनाए जा रहे हैं. पत्र में कहा गया कि जहां एक ओर न्यायालय का आदेश है कि जलीय स्त्रोत का अतिक्रमण नहीं किया जाए, वहीं हजारीबाग में तेजी से जमीन का अतिक्रमण किया जा रहा है और नदी, नाला और तालाब को भरा जा रहा है. इसी मामले को लेकर पूर्व में भी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का आयोजन किया गया था, जिसके पश्चात जिला प्रशासन ने कहा था कि जल्द ही इस पर कार्रवाई होगी, लेकिन बीते दो वर्षों में कोई कार्रवाई नहीं हुई है. इससे भूमाफियाओं का मनोबल और आसमान की तरफ चढ़ता जा रहा है. इन बड़े भूमाफियाओं को कहीं न कहीं से संरक्षण प्राप्त होता है और उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती है. इसलिए सभी पदाधिकारियों को पत्र लिखकर आग्रह किया गया है कि अगर इस पर कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के लोग आंदोलन करेंगे, जिसकी जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी.

खनन परियोजना के लिए डीसी ने की बैठक

हजारीबाग। गोंदलपारा खनन परियोजना के लिए शुक्रवार को समाहरणालय में उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में भू-अर्जन के प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन और पुनरव्यवस्थापन के लिए बनी कमेटी की बैठक सकारात्मक तरीके से संपन्न हुई. बैठक में सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव की विधायक अंबा प्रसाद भी मौजूद थी. बैठक में खनन परियोजना के लिए बनी पुनर्वासन और पुनरव्यवस्थापन समिति के सभी ग्यारह सदस्य मौजूद थे. खनन परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया, जिसमें राज्य सरकार को मिलने वाले राजस्व, देश में कोयले की जरूरत, प्रभावित परिवारों को मिलने वाले मुआवजे और रोजगार के साथ आधारभूत संरचना के विकास पर सकारात्मक चर्चा की गई.

न्यूज अपडेट

जिला स्तरीय स्टॉफ नर्स प्रशिक्षण का शुभारंभ

रामगढ़। जिला स्तरीय तीन दिवसीय स्टॉफ नर्स प्रशिक्षण का आयोजन सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में हुआ. शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं जिला वीबीडी पदाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारंभ किया. प्रशिक्षण डॉ. रेशमी रोमिला सांगा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, माण्डू एवं डॉ. पल्लवी कौशल द्वारा दिया गया. इस अवसर पर डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद द्वारा इससे संबंधित जानकारी दी गयी.

स्टॉफ नर्स प्रशिक्षण का शुभारंभ करतीं सीएस.

कांग्रेस ओबीसी मोर्चा की प्रदेश सचिव का जनसंपर्क

कटकमसांडी। कांग्रेस ओबीसी मोर्चा प्रदेश सचिव रेणु कुमारी ने शुक्रवार को कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत कंचनपुर पंचायत का सघन दौरा कर जनसंपर्क अभियान चलाया. उन्होंने सहिया दीदी की समस्याओं को बारीकी से सुना और हरसंभव निराकरण का भरोसा दिया. कहा कि शीघ्र ही सहिया दीदी की सभी परेशानियों को विभाग के मंत्री से वार्ता कर दूर किया जाएगा. उन्होंने कहा कि वास्तव में सहिया दीदी काफी मुश्किल दौर से गुजर रही हैं.सहिया दीदी जिस प्रकार से सेवा भाव से लोगों की सेवा में लगी रहती है उसके अनुसार उन लोगों को मानदेय नहीं दिया जा रहा है.

कांग्रेस ओबीसी मोर्चा की प्रदेश सचिव व अन्य.

भाजपा का मजदूरों के शोषण के विरुद्ध प्रदर्शन

चरही। चुरचू प्रखंड भाजपा मंडल के बैनर तले शुक्रवार को चितपूर्णी स्टील प्लांट प्रबंधन के विरुद्ध आए दिन प्लांट में मजदूरों के साथ घटना एवं सुरक्षा को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मुरारी ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री रोहित महतो ने किया. इस संबंध में धरने के माध्यम से चितपूर्णी स्टील प्लांट प्रबंधन को प्लांट में घोर अनियमता एवं मजदूरों के साथ शोषण तथा प्रदूषण सहित कई मांगों को लेकर स्टील प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया है.

मजदूरों के शोषण के खिलाफ धरना देते भाजपाई.

सांसद ने दो पथों का किया शिलान्यास

- सभी वर्गों के उत्थान को लेकर लगातार प्रयासरत हैं : जायसवाल

संवाददाता। कटकमसांडी

क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल ने शुक्रवार को प्रखंड की ग्राम पंचायत कटकमसांडी में ग्रामीण कार्य विभाग के क़रीब 18.15 करोड़ रुपये से बनने वाली करीब 18.5 किमी की दो प्रमुख सड़कों का शिलान्यास किया. इन दो पथों में बसंतपुर से लखनू तक पथ का विशेष मरम्मत कार्य (लंबाई 2.5 किलोमीटर) और बांझीय ढीठवा तक विशेष मरम्मत कार्य (16 किलोमीटर) शामिल है. पुलिया और गार्डवाल का भी निर्माण होगा. आरईओ से बनने वाले इन दोनों ग्रामीण पथों की गुणवत्ता पीडब्ल्यूडी

सड़क के अनुरूप ही होगी. इस दौरान ग्राम वासियों ने अपनी समस्याओं से भी संसद को अवगत कराया. सड़कों के शिलान्यास के उपरांत सांसद का ग्राम वासियों ने अभिनंदन किया. उन्हें अंग-वस्त्र व पुष्पगुच्छ भेंटकर एवं फूल माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया. मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि वर्तमान वर्ष मे विशेष मरम्मत कार्य हो रहा है. मेरे द्वारा कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र की सड़क की अनुशंसा की गई है, जिसमें कई पंचायतों के मुख्य पथ भी शामिल हैं. उम्मीद है जल्द ही इसपर स्वीकृति भी मिलेगी और कार्य भी आरंभ हो जायेगा. उन्होंने ने कहा कि पथों का शिलान्यास हुआ है. ये ग्रामीणों की चिरलंबित मांग रही हैं. सांसद ने कहा कि सड़क निर्माण से न सिर्फ सड़कों का नेटवर्क मजबूत होता है बल्कि सड़क किनारे और आसपास की जमीन के दामों में भी वृद्धि होती है. उन्होंने कहा कि सामाजिक तौर पर हम क्षेत्र के सभी वर्ग और समाज के उत्थान को लेकर लगातार प्रयासरत हैं और आगे भी रहेंगे. आपके हर कार्य में हमारी सहभागिता रहती है. उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि आप अपनी जायज समस्या या कामों को लेकर हमें अवगत कराएं, हम समाधान के प्रति निश्चित रूप से कदम बढ़ाएंगे.

विधायक की अनुशंसा पर बीडीओ की जांच में सही पाई गई महिलाओं की शिकायत

अबुआ आवास के आवंटन में घोर अनियमितता

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड में अबुआ आवास के आवंटन में घोर अनियमितता का मामला प्रकाश में आने पर विधायक सह निवेदन समिति सभापति उमाशंकर अकेला ने संबंधित अधिकारी व कर्मियों को आड़े हाथ लिया. विधायक ने बीडीओ सीमा कुमारी को महिलाओं की शिकायत पर निष्पक्ष जांच कर करवाई करने को कहा.

बीडीओ सीमा कुमारी ने विधायक के अनुशंसित आवेदन पर स्थल निरीक्षण करने झापा पहुंची. निरीक्षण के दौरान पाया गया कि महिलाओं द्वारा दिया गया आवेदन 100 फीसदी सत्य है. अपात्र लोगों को अबुआ आवास

स्वीकृत कर सरकार की योजना को तार-तार करने का प्रयास किया जा रहा है. अबुआ आवास के चयन में संबंधित लोगों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए. साथ ही बीडीओ ने कहा कि प्रखंड में ऐसे लाभुक स्वतः लाभ लेने का लोभ त्याग दें, नहीं तो जांच में गलत पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी. झापा पंचायत की महिलाएं अबुआ आवास में गड़बड़ी की जांच कर करवाई करने के लिए बीडीओ को आवेदन देने प्रखंड कार्यालय गई थीं. कर्मियों ने महिलाओं का आवेदन लेने से इनकार करते हुए उन्हें डांट दिया. महिलाओं ने विधायक अकेला से मिलकर आपबीती बताई थी. महिलाओं ने कहा कि हम प्लास्टिक के नीचे गुजर बसर करने पर मजबूर हैं, परंतु उन्हें अबुआ आवास नहीं दिया गया है. मुखिया और पंचायत सेवक की मिलीभगत से जो पूर्व से दो मंजिला मकान में हैं और उनके पास काफी जमीन जायदाद है, पूरी तरह से अयोग्य हैं, उनको भी अबुआ आवास दिया गया है.

चेतावनी विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा बड़कागांव, संजय चौबे की प्रशासन से दो-टूक

अगर शीघ्र न्याय नहीं मिला तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन करेंगे

संवाददाता। बड़कागांव

महुदी-सोनपुरा इलाके में रामनवमी जुलूस मार्ग को लेकर हुई हिंसक झड़प को लेकर शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल का एक प्रतिनिधिमंडल बड़कागांव कार्यकर्ताओं से मिलने एवं स्थिति का जायजा लेने पहुंचा. बताया जा रहा है कि विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड उपाध्यक्ष भोला दांगी के नेतृत्व में शांतिपूर्वक हनुमान चालीसा पाठ किया जा रहा था. इस दौरान पुलिस प्रशासन ने कथित रूप से लाठी चार्ज कर भोला दांगी को लहूलुहान कर दिया. बताया गया कि इस घटना में भोला के माथे में गंभीर चोट आई. इससे आक्रोशित लोगों ने जगह-जगह पर कथित रूप से

बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांवों में पहुंचे विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के सदस्य. ग्रामीणों से की बातचीत.

हिंसक प्रदर्शन किया. इसके बाद हालात की जानकारी लेने बजरंग दल प्रांत मिलन प्रमुख संजय चौबे, विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री अरविंद मेहता, बजरंग दल जिला संयोजक प्रशांत सिंह, जिला संपर्क प्रमुख नरेंद्र प्रजापति, जिला गौ रक्षा प्रमुख अभिनव कुमार, जिला सामाजिक समरसता प्रमुख इंग्लिश सोनी पहुंचे. संजय चौबे ने कड़े शब्दों में पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए ऐलान किया कि भोला दांगी के एक-एक बूंद रक्त का हिसाब होगा. प्रशासन हिंदू समाज को कमजोर समझने की भूल न करे.

क्या कहा

- हमारा संगठन हर स्थिति से निपटने में पूरी तरह सक्षम
- जिला प्रशासन पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप

संगठन हर स्थिति से निपटने में सक्षम है. अगर न्याय नहीं हुआ तो आंदोलन प्रदेश स्तर पर होगा. चौबे ने कहा कि 2018 में दोनों समुदायों के साथ बैठक कर तत्कालीन प्रशासनिक पदाधिकारी ने सद्भावना यात्रा के तहत जुलूस निकालने की अनुमति प्रदान की थी. महुदी के इसी मार्ग से दोनों समुदाय द्वारा तिरंगे झंडे एवं महावीर झंडा के साथ यात्रा निकाली गई थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण यात्रा रोकी गई थी. महामारी के बाद जिला प्रशासन को रामनवमी झंडा उस मार्ग से पार करवाना चाहिए था, परंतु प्रशासन ने यहां पर दोहरी नीति लागू कर प्रदेश सरकार को खुश करने के लिए आज तक हिंदू समाज को गुमराह करके रखा और समय-समय पर प्रताड़ित करता रहा. प्रशासन अविलंब मामले की जांच कर महुदी के ग्राम वासियों को रामनवमी झंडे का लाइसेंस निर्गत कर रामनवमी झंडा पार कराने का कार्य करे. प्रतिनिधिमंडल ने बड़कागांव प्रखंड मंत्री पिंटू गुप्ता, बजरंग दल प्रखंड संयोजक दिनेश कुमार के नेतृत्व में विभिन्न पंचायतों एवं गांवों का दौरा किया.

उपायुक्त नैंसी सहाय ने दिखाई संवेदनशीलता

कई दिव्यांगों के बीच बैटरी चालित ट्राई साइकिल बांटी

संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त के साप्ताहिक जनता दरबार में सैकड़ों की संख्या में जिले के दूर दराज के ग्रामीण अपने फरियाद लेकर आते हैं. उन आवेदनों को पूरी संवेदनशीलता के साथ संबंधित विभागों में प्रक्रियाधीन किया जाता है. उपायुक्त नैंसी सहाय द्वारा हर जरूरतमंदों को न्याय व सहायता मिल सकें इसके लिए सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को उपायुक्त का द्वार आम जनता के लिए खोल दिया जाता है. विगत कई दिनों से दिव्यांगजनों द्वारा बैटरी चलित ट्राई साईकिल की मांग को देखते हुए उपायुक्त ने समाज कल्याण पदाधिकारी को दिव्यांगजनों की सूची

दिव्यांग बच्चों के साथ उपायुक्त.

बनाने का निर्देश दिया था. शुक्रवार को समाहरणालय भवन परिसर से दस दिव्यांगजनों को डीएमएफटी मद से बैटरी ऑपरेटेड ट्राई साइकिल का वितरण किया गया. यातायात नियमों का पालन व सुरक्षा के दृष्टिकोण से हेलमेट का भी वितरण किया. साइकिल पाकर लाभुकों ने उपायुक्त को धन्यवाद देकर खुशी जाहिर की.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाग्य का साथ मिलेगा. धर्म-कर्म में मन लगेगा. स्वास्थ्य की चिंता समाप्त होगी. निवास संबंधी समस्या रह सकती है. कुसंगति से बचें. कर्ज लेना पड़ सकता है. वस्तुएं संभालकर रखें. व्यर्थ मामलों में उलझना पड़ सकता है.

वृषभ सोच विचार कर कार्य करें. सोचे कार्यों में सफलता मिलेगी. अवसरों को न जाने दें. परिवार के सदस्यों से मतभेद हो सकते हैं. लेनदारी वसूल होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. अन्न और जल का दान करें.

मिथुन जीवनसाथी का सुख सहयोग मिलेगा. आजीविका संबंधी चिंता का समाधान होगा. ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी. नई योजना बनेगी. मान-सम्मान मिलेगा. कार्यसिद्धि होगी. आपके कार्य और प्रभाव से व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क नेत्र में पीड़ा हो सकती है. कार्य में तरक्की की संभावना बढ़ेगी. रुका पैसा मिलेगा. पूजा-पाठ में मन लगेगा. कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. घर-बाहर तनाव रहेगा. व्यापार लाभप्रद होगा. मंदिर में मिठाई का दान करें.

सिंह गलत दोस्तों से बचें. संतान के कार्य में तरक्की होगा, जिससे मन खुश होगा. प्रापर्टी के विवाद हल होंगे. आजीविका में आने वाली रुकावटें दूर होने के योग हैं. यात्रा में सावधानी रखें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें.

कन्या संतान के कार्यों से असंतोष रहेगा. मित्रों से अनबन होगी. सामाजिक सम्मान में कमी आएगी. वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है. कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे. मौसम के प्रभाव से शारीरिक कष्ट संभव है.

तुला पराक्रम से लाभ होगा. आर्थिक स्थिति संतोषप्रद रह सकेगी. आशा-निराशा की स्थिति रहेगी. अपने खर्च, लेन-देन पर नियंत्रण रखें. ऐश्वर्य पर खर्च होगा. भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी. रोजगार मिलेगा. कार्य होगा जिससे प्रसन्नता रहेगी.

वृश्चिक धन का आगमन होगा. विरोधियों पर विजय और रुके धन की प्राप्ति हो सकती है. शिक्षा के क्षेत्र में वांछनीय प्रगति होगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. विद्यार्थी वर्ग सफल रहेगा. लेन-देन में सावधानी रखें.

धनु समय उत्तम फल प्रदान करेगा. कोई सुखद समाचार मिल सकता है. विवाद न करें. मेहनत अधिक, लाभ कम होगा. काम-धंधे की चिंता से मन उदास होगा. परिवार में कलह, क्लेश का माहौल रहेगा. सतर्कता रखें.

मकर खर्च अधिक होगा. पर कार्य का कोई बड़ी प्रयास सफल रहेंगे. मान-सम्मान मिलेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. पैतृक संपत्ति के क्षेत्र में उन्नति होगी. विभिन्न स्रोतों से धन लाभ होने के योग हैं. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं.

कुंभ समय बहुत ही उत्तम है. शुभ समाचार मिलेंगे. मान बढ़ेगा. धनार्जन होगा. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. अध्यात्म और विज्ञान में रुचि बढ़ेगी. नौकरी, राजनीति के क्षेत्र में भाग्योदय की संभावना है. घर में मांगलिक आयोजन होंगे.

मीन पिता से लाभ संभव है. सरकारी कार्य मे गति आएगी. पर वाहन की गति पर नियंत्रण रखना जरूरी है. आर्थिक उन्नति संबंधी शुभ समाचार प्राप्त होंगे. साझेदारी व्यवसाय में इच्छित लाभ के योग बनेंगे.

तीसरी बार सीएम बनने के बाद हेमंत पत्नी संग पहुंचे गिरिडीह

कई स्थलों पर की पूजा-अर्चना

रांची। तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद हेमंत सोरेन अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ गिरिडीह पहुंचे.मौके पर उन्होंने अपनी धर्मपत्नी संग सबसे पहले गिरिडीह जिला के मधुबन स्थित दिशोम मांझीथान में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की. इसके बाद वे दोनों गिरिडीह जिला के मधुबन स्थित अधिष्ठायक देव भोमियाजी महाराज मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की और राज्य की उन्नति, अमन -चैन व सुख-समृद्धि की कामना की. इससे पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के गिरिडीह जिला आगमन पर मधुबन स्थित सीआरपीएफ कैंप हेलीपैड पर जिला प्रशासन की ओर से उनका स्वागत करने के साथ ही साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया.

17,490 छात्र-छात्राओं को 10,67,46,000 करोड़ राशि का भुगतान

गिग वर्कर्स को सम्मान देना सरकार की प्राथमिकता : सत्यानंद भोक्ता

कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप राशि का चेक देने के बाद लाभुकों के साथ मंत्री सत्यानंद भोक्ता.

संवाददाता । रांची

श्रम नियोजन विभाग के द्वारा गिग वर्कर्स के सामाजिक सुरक्षा व न्यूनतम पारिश्रमिक पर झारखंड में अच्छे कार्यों को बढ़ावा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ. रांची के रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित कार्यक्रम का राज्य के श्रम नियोजन मंत्री सत्यानंद भोगता ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया. एकदिवसीय परामर्श कार्यशाला का उद्देश्य गिग वर्कर्स के लिए उचित न्यूनतम वेतनमान एवं सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा के माध्यम से राज्य केंद्रित नीति निर्माण को गति देना और गिग अर्थव्यवस्था के सभी हितधारकों के लिए उच्च स्तर पर उनके कार्य व अनुभवों पर आधारित अवसरों एवं चुनौतियों को साझा करने का अवसर प्रदान करना था.

मेधावी पुत्र-पुत्री छात्रवृति योजना की राशि का भुगतान : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सत्यानन्द भोगता जी ने कहा कि राज्य में गिग वर्कर्स के लिए उचित एवं न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक कानून लाया जा रहा है, जो संभवतः देश में ऐतिहासिक और पहला राज्य झारखंड होगा. इस कार्यशाला के माध्यम से गिग वर्कर्स के लिए उचित न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा के माध्यम से राज्य केंद्रित नीति निर्माण को तेजी गति प्रदान करना है. कार्यशाला के दौरान मंत्री ने कार्यक्रम में भाग लेने आए गिग वर्कर्स को शॉल देकर सम्मानित किया. साथ ही मुख्यमंत्री सारथी योजना के सफल उम्मीदवारों को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किया. कार्यशाला के दौरान मेधावी पुत्र-पुत्री छात्रवृति योजना के तहत श्रमिकों के बच्चों को डायरेक्ट बेनेफिट्स ट्रांसफर के जरिये छात्रवृति प्रदान की गई, जहां 17,490 छात्र-छात्राओं को 10,67,46,000 करोड़ राशि का भुगतान ऑनलाइन किया गया.

खास बातें

- राजधानी रांची में कार्यशाला का किया गया आयोजन
- एक दिनी परामर्श कार्यशाला में गिग वर्कर्स पर चर्चा

कंपनियों के प्रतिनिधि भी कार्यशाला में शामिल हुए

श्रमायुक्त सह मिशन निदेशक झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाईटी संजीव कुमार बेसरा ने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों, विभागीय अधिकारियों, आईएलओ के प्रतिनिधियों एवं दूसरे राज्यों से आने विभागीय पदाधिकारियों का स्वागत और आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स के लिए एक हितकारी कानून एवं नीति निर्माण की दिशा में आपके सुझाव उपयोगी साबित होंगे और हमारे प्रयास और इस प्रक्रिया को नई दिशा मिलेगी. सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग मुकेश कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमारा देश आज के समय में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है. ऐसे में हम तेजी से बढ़ रही गिग अर्थव्यवस्था में संलग्न गिग वर्कर्स को वर्क फॉर्म की किस श्रेणी में रखते हैं, ये महत्वपूर्ण है, ताकि आने वाले समय में गिग वर्कर्स को न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा, उचित एवं सुरक्षित काम के घंटे का भरोसा दे सकें. मिचिको मियामोतो, कंट्री डायरेक्टर, आईएलओ ने विभाग की इस पहल के लिए झारखंड सरकार की सराहना करते हुए कहा, गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और हमें इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों से खुद को अवगत कराते रहने की आवश्यकता है. उन्होंने बताया कि गिग अर्थव्यवस्था व्यवसाय एवं रोजगार के लिए नया आयाम साबित होगा, जहां हर तरह के लोगों के लिए चाहे वो शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे. उक्त कार्यशाला कार्यक्रम के दौरान मोटो कण्टरी आई एल ओ डायरेक्टर मिचिको, श्रम विभाग सचिव मुकेश कुमार, कर्नाटक श्रम विभाग अपर सचिव डॉ. मंजुनाथन, तेलंगाना श्रमायुक्त डॉ ए. गंगाधर, श्रमायुक्त संजीव कुमार बेसरा, श्रम संगठनों के प्रतिनिधि गण, गिग वर्कर्स प्रतिनिधि समेत कई गणमान्य मौजूद रहे.

मुस्लिम मुद्दों पर राज्यस्तरीय परिचर्चा 21 जुलाई को : आमया

जानकारी देते संगठन के प्रतिनिधि.

संवाददाता। रांची

आमया संगठन की बैठक पुरानी रांची स्थित कार्यालय में शुक्रवार को अध्यक्ष एस अली की अध्यक्षता में हुई. उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के न्याय, अधिकार, शिक्षा, रोजगार, उर्दू, मदरसा, मॉब लींचिग व अन्य मामलों को लेकर संयुक्त मुस्लिम संगठन के बैनर तले 21 जुलाई को प्रेस क्लब में दिन के 11 बजे से परिचर्चा आयोजित की जायेगी. जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से समाजिक संगठन एवं धार्मिक संगठन के प्रतिनिधि भाग लेंगे. उन्होंने कहा कि अलग राज्य आंदोलन में शामिल मुस्लिम समुदाय के मसले राज्य अलग होने का 24 वर्ष बाद भी हल नहीं हुए हैं. 4401 उर्दू शिक्षक के बचे 3712 पदों पर झारखंड अल्पसंख्यक आयोग द्वारा 2015 में दिए निर्देशनुसार बहाली, मदरसा आलिम फाजिल डिग्री की परीक्षा विश्वविद्यालय से कराने, प्लस 2 विद्यालयों में उर्दू शिक्षक समेत सभी विषयों में बहाली, अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े बोर्ड, निगम, आयोग की नियमावली का निर्माण, मॉब लीचिंग पीड़ितों को मुआवजा और पुनर्वास, रांची 10 जून 2022 गोलीकांड पीड़ितों को न्याय सहित शिक्षा, सरकारी नौकरी में भागीदारी के साथ झारखंड में स्थानीय नीति, नियोजन नीति, पिछड़ी जातियों के आरक्षण में बढ़ोतरी, अभ्यर्थियों के उम्र सीमा में छुट जैसे मामलों के साथ राजनीतिक हिस्सेदारी पर विचार विमर्श किया जायेगा एवं निर्णय लिया जायेगा. मौके पर आमया संगठन प्रभारी जियाउद्दीन अंसारी, सचिव नौशाद आलम, इमरान अंसारी, जिला अध्यक्ष अफताब आलम, एकराम हुसैन, जावेद अंसारी, नसीम अहमद, अब्दुल बारीक, मंजूर अंसारी, आशिक अंसारी, अकराम अंसारी, अयुब अंसारी, अबु रेहान, मो आसिफ, मो फिरोज आदि शामिल थे.

कांवरिया सेवा दल का किया स्वागत

लातेहार। शक्तिपुंज एक्सप्रेस ट्रेन से देवघर जा रहे माता हीरामणि देवी निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर के सेवादल के दूसरे जत्थे का लातेहार स्टेशन में स्वागत किया गया. नारनौलिय अग्रवाल संघ के अध्यक्ष मोती अग्रवाल के नेतृत्व में समाज के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया. उनके लिए अल्पाहार और पानी की व्यवस्था करायी. मौके पर मुकेश अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, प्रियांशु अग्रवाल, शानू अग्रवाल, मुकुल अग्रवाल समेत नारनौलिय अग्रवाल समाज के कई लोग मौजूद थे. बता दें कि डालटनगंज की यह संस्था 1998 से श्रवण के महीने में देवघर में शिविर लगाकर कांवरियों को कई तरह की निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध करा रही है. पहला जत्था 14 जुलाई को रवाना हुआ था.

बाल गृह में रहनेवाले बच्चों को शिक्षा और सुविधा मुहैया करायें: उपायुक्त

खूंटी । उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला बाल संरक्षण संवर्द्धन सहयोग विलेज और अन्य कार्यरत एजेंसियों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में मुख्य रूप से बाल गृह में रहने वाले बच्चों और बाल गृह के संचालन पर उपायुक्त ने विशेष जोर देते हुए बाल गृह में रह रहे बच्चों की जानकारी ली. उन्होंने एक-एक कर सहयोग विलेज बाल गृह, कैल्वरी चैपल ट्रस्ट बाल गृह एवं आशा किरण बाल गृह के संचालकों से उनके बाल गृह में रह रहे बच्चों की संख्या, उन्हें दी जानेवाली सुविधा, विद्यालयों में नामांकन, उनकी आयु एवं अन्य विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की. बैठक में उपस्थित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को उपायुक्त ने बाल गृहों का निरीक्षण करने का निर्देश देते हुए कहा कि बाल गृहों में रह रहे बच्चों के हेल्थ अप, हाइजीन मेनटेन, शिक्षा समेत अन्य सुविधाओं का ख्याल रखा जा रहा है या नहीं, इस संबंध में निरीक्षण कर रिपोर्ट साझा करें, ताकि बाल गृह में रहने वाले बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुविधाएं मुहैया कराई जा सके. समीक्षा के दौरान चाइल्ड लेबर, बाल विवाह, रेसक्यू, स्पॉन्सरशिप जैसे विषयों पर भी उपायुक्त ने चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये.

कुपोषण की रोकथाम पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

खूंटी । जिले में समुदाय नेतृत्व आधारित कुपोषण की रोकथाम के लिए डीआरडीए सभागार में शुक्रवार को एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में प्रखंड की सभी महिला सुपरवाइजर और सीडीपीओ ने भाग लिया. कार्यशाला में सीपीएएम कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और खूंटी जिले की पोषण स्थिति पर चर्चा की गई.

डी फार्मा के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे: शुक्ला

ब्यूरो। रांची

शुक्रवार को युवा आजसू का एक प्रतिनिधिमंडल अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में राज्यपाल और मुख्यमंत्री सचिवालय में डी फार्मा के छात्र-छात्राओं की परेशानियों से संबंधित मांग पत्र सौपा. मांगपत्र कहा गया है कि झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल के अंतर्गत पूरे झारखंड राज्य में 122 कॉलेज वर्तमान में संचालित हैं, इन सभी कॉलेजों में अभी तक डी फार्मा के सत्र 20-22 व 21-23 के फाइनल परीक्षा नहीं हो पाई है, इसे लेकर छात्र-छात्राएं काफी परेशान है. विगत कुछ दिनों पहले डी फार्मा के छात्र-छात्राओं ने इस मामले को लेकर कई बार राज्य के स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को पूरे मामले से अवगत कराया. परंतु इस मामले पर अभी तक आश्वासन के अलावा छात्र-छात्राओं को कुछ नहीं मिला. परीक्षा में देरी होने के कारण राज्यभर के लगभग 10000 से अधिक डी फार्मा के छात्र-छात्राओं का भविष्य खतरे में है. प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से दीपक दुबे, अकाश नयन, दलमणि यादव, प्रियांशु शर्मा, करण शर्मा, विशाल कुमार यादव,वसीम जौहर, सचिन पंडित, नदीम तल्हा, तोहिद आलम, अमलेश कुमार, बुशरा जन्नती, खुशबू किरण के अलावा कई अन्य सदस्य मौजूद थे.

राज्यपाल और मुख्यमंत्री सचिवालय में आजसू युवा मोर्चा ने सौंपा मांग पत्र

रजिस्ट्रार नहीं होने से निबंधन का रिन्यूअल भी नहीं हो रहा

डी फार्मा के छात्र-छात्राओं की परीक्षा में देरी होने का मुख्य कारणों में से एक झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रार का पद खाली रहता है. रजिस्ट्रार का पद खाली रहने से न केवल राज्य के छात्र-छात्राएं परेशान हैं, बल्कि पुराने फार्मासिस्ट जिनका निबंधन अवधि समाप्त हो चुका है, उनका निबंधन भी रिन्यूअल नहीं हो पा रहा है.

टीवीएनएल के एमडी के खिलाफ कोर्ट जाएंगे चंद्रप्रकाश

कहा : एमडी भ्रष्टाचार व वित्तीय अनियमितता में लिप्त, शिकायत के बाद भी सरकार नहीं कर रही कोई कार्रवाई

विशेष संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष व गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने ललपनिया स्थित तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन (टीवीएनएल) के एमडी अनिल कुमार शर्मा के खिलाफ अब कोर्ट की शरण में जाएंगे. उन्होंने कहा कि एमडी के खिलाफ जारी व्याप्त भ्रष्टाचार व भारी वित्तीय अनियमितता को लेकर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराए जाने के बाद भी अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं किए जाने पर झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करने का निर्णय लिया है.

14 जून और एक जुलाई को मुख्यमंत्री को लिखा था पत्र

उन्होंने कहा कि हमने 14 जून को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया. इस बीच किसी तरह का कोई कदम

राज्य सरकार द्वारा नहीं उठाया गया, तो हमने पुनः एक जुलाई को मुख्यमंत्री को पत्र लिखा. इस पत्र में एमडी द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार का बिंदुवार उल्लेख कर पद से हटाकर उनके विरुद्ध नियमानुसार, कार्रवाई करने व किसी योग्य पदाधिकारी को एमडी की जवाबदेही देने की मांग की गयी है.साथ ही इस तरह का पत्र हमने राज्यपाल को भी लिखा. बावजूद इसके इस पत्र पर भी राज्य सरकार का उदासीन रवैया सामने आया है. उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रशासनिक प्रणाली पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है. कहा है कि हमारे पत्र पर कोई सकारात्मक प्रशासनिक कार्रवाई व आदेश जारी नहीं किया गया है. इस स्थिति में झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की जाएगी. भले ही यह हमारी बाध्यता व मजबूरी ही क्यों न हो. उन्होंने कहा कि जनहित याचिका में मुख्यमंत्री व विभाग के सचिव स्तर के वरीय पदाधिकारी व्यक्तिगत रूप से पक्षधर होंगे. उन्होंने कहा कि हमने टीवीएनएल भ्रष्टाचार को लेकर जो पत्र लिखा है, वह पत्र राज्यहित में है और बिना द्वेष व पूर्वाग्रह के सत्य निष्ठा के साथ है. हमें आशा है कि राजकीय संपत्ति की इस लूट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर लुटेरे एमडी अनिल कुमार शर्मा विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

एमडी पूरी तरह से हैं भ्रष्टाचार में लिप्त

चौधरी ने कहा कि एमडी पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. उनके द्वारा नियुक्ति में अनियमितता, विस्थापितों के समझौता के अनुसार, नियोजन व मुआवजा भुगतान में अनियमितता किया जा रहा है. यही नहीं संगठित भ्रष्टाचार को भी खुलेआम बढ़ावा दे रहे हैं. एमडी अपने राजनीतिक संरक्षक स्थानीय पूर्व विधायक के साथ मिलकर उनके बेटे के नाम, रिश्तेदार, निजी सहायक व अन्य करीबी सप्लायर के नाम क्रमशः पी के इंटरप्राइजेज, गणेश इंटरप्राइजेज, जैन इंटरप्राइजेज, आदित्य इंटरप्राइजेज, मेसर्स सुशीला इंटरप्राइजेज व मेसर्स कपूर इंटरप्राइजेज नाम से फॉर्म बनाकर करीब 124 करोड़ से अधिक का कार्यदेश देकर फर्जी निकासी भी कर लिया है. एमडी ने 35 से 40 लाख के घोटाले में शामिल व दोषी अशोक प्रसाद को दंड दिए जाने वाली संचिका को नष्ट कर दिया है.

कार्यशाला बिचौलियावाद संस्कृति समाप्त करने का विकल्प है सहायता केंद्र : जेम्स हेरेंज

76 प्रखंडों में नागरिक सहायता केंद्र बने हैं वरदान : प्रो. ज्यां द्रेज

ब्यूरो। रांची

नागरिक सहायता केंद्रों के राज्य स्तरीय कार्यशाला रांची के अशोक नगर में फिया फांउडेशन की ओर से आयोजित की गयी. कार्यशाला को संबोधित करते हुए देश के जाने-माने अर्थशाश्त्री प्रो. ज्यां ड्रेज ने कहा, खूंटी सदर व पलामू के छतरपुर में वर्ष 2009 में पायलट नरेगा सहायता केंद्र की शुरुआत की गयी थी, जो अब 76 प्रखंडों तक नागरिक अधिकार केन्द्र के रूप में गरीबों के लिए काम कर रहा है. सरकारी योजना का लाभ उठाने में आज भी गरीब और वंचित समूह को परेशानी का समना करना पड़ता है. झारखंड के सुदूर गांवों से भाषाई दिक्कतों, आर्थिक परेशानियों के साथ प्रखंड मुख्यालयों तक गरीब परिवार नहीं पहुंच

संबोधित करते ज्यां द्रेज.

पाते. वैसे लोगों को नरेगा सहयता केंद्र के कार्यकर्ता वंचित परिवारों के साथ खड़े होकर सरकारी योजना का लाभ दिलाने का काम करते हैं. सहायता वंचित परिवारों के कागजात जैसे मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक के खाते, राशन कार्ड, पेंशन के आवेदन, मनरेगा कार्ड, मजदूरी भुगतान, बेरोजगारी भत्ता के आवेदन करने से पीड़ित विधवा महिलायें, दोनों हाथ, पैर या अन्य अंगों से दिव्यांग, लाचार बुजुर्ग अभावग्रस्त परिवारों को नागरिक सहायता केंद्रों के माध्यम से सहायता करते हैं.

मौके पर सामाजिक अंकेक्षण इकाई के समन्वयक हलधर महतो ने कहा कि मनरेगा सहित तमाम कल्याणकारी योजनाओं में नित नयी तकनीकों के प्रयोगों कई बार अभिवंचितों की परेशानियां बढ़ जाती हैं. ऐसे विपरीत परिस्थिति में नागरिक सहायता केंद्रों का होना अभिवंचितों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है. वहीं जेम्स हेरेंज ने कहा, सरकारी सिस्टम से यदि बिचौलियावाद संस्कृति को समाप्त करना है तो नागरिक सहायता केंद्र इसका विकल्प हो सकता है. जेएसएलपीएस के सुवकान्ता नायक कहा निश्चय ही ऐसे प्रयोगों को पूरे राज्य में जारी रखना चाहिए. भोजन का अधिकार अभियान से जुड़े बलराम ने कहा, इस तरह के प्रयास को कोई भी बड़े से बड़े सरकारी, विधायक अथवा मंत्रीगण नकारे नहीं हैं, बल्कि उन सबने सराहना ही की है.

अनुभवों को किया साझा

कार्यशाला में नागरिक अधिकार से जुड़कर काम कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किये. बताया कि किस तरह वंचित समहू के लोगों को सरकारी योजना का लाभ लेने में परेशानी होती है. भुक्तभोगी सरिता देवी, निगरानी समिति के सदस्या दुनुच मुर्मू, गायत्री देवी, घाघरा महिला फेडरेशन सदस्या संतोषी देवी, मनिका प्रखण्ड नामुदाग पंचायत के पूर्व मुखिया श्यामा सिंह, बीआरएल एफ के मानस मंडल, कलामंदिर संस्था जमशेदपुर के अमिताभ घोष, कर्रा ग्राम प्रधान संघ के सचिव पीटर बारला आदि ने भी अपने अनुभव साझा किये. कार्यशाला का संचालन जानेमाने सामाजिक कार्यकर्ता गुरजीत सिंह ने किया.

अवैध बालू लदा तीन ट्रैक्टर जब्त, दर्ज किया गया मामला

संवाददाता । महुआडांड़(लातेहार)

नेतरहाट थाना क्षेत्र में शुक्रवार महुआडांड़ सीओ संतोष कुमार बैठा व नेतरहाट थाना प्रभारी अरविंद होरेंज ने अवैध खनन खिलाफ कार्रवाई की है. छापामारी अभियान के दौरान अवैध बालू लेकर जा रहे तीन ट्रैक्टर को रास्ते में पकड़ कर थाना परिसर लाया गया.पुलिस आता देख ड्राइव गाड़ी को छोड़ मौके से फरार हो गया. नेतरहाट थाना में अज्ञात लोगों के नाम कांड संख्या 9/24 तहत दर्ज की गई है. ज्ञात हो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, नयी दिल्ली और पर्यावण वजलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देश के आलोक में लातेहार जिलाभर के कैटेगरी एक एवं दो बालू घाट से बालू का उठाव 10 जून से 15 अक्टूबर तक पूर्णत बंद है. बावजूद इसके बेखौफ होकर नेतरहाट में बालू के कारोबारी लातेहार के वन प्रक्षेत्र अंतर्गत आने वाले करमखाड़ नदी व गुमला जिला के बनारी नदी से अवैध बालू खनन कर अधिक दामों में बेचते हैं. इस संबंध में महुआडांड़ सीओ संतोष कुमार बैठा ने कहा, सूचना प्राप्त हुई थी कि नेतरहाट में ट्रैक्टर से बालू बेचा जा रहा है. रास्ते में छापामारी अभियान के दौरान तीन बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा गया है. नेतरहाट थाना प्रभारी अरविंद होरेंज ने कहा कि पुलिस को देख ट्रैक्टर छोड़ ड्राइवर भाग गया. वाहन मालिक का पता लगाया जा रह है.

नफरत से बचने की जरूरत

सामाजिक सांप्रदायिक नफरत का निषेध भारतीय समाज की विरासत है. बावजूद देश में चुनावों के ठीक पहले नफरत का माहौल बनाने का हर संभव प्रयास कुछ राजनीतिक दल और समूह करते रहते हैं. 2024 के लोकसभा चुनाव में भले ही एनडीए ने बहुमत हासिल कर लिया हो, लेकिन जनादेश सांप्रदायिक नफरत के खिलाफ स्पष्टता से चेता गया. लेकिन उत्तर प्रदेश के कुछ उप चुनाव, झारखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र के विधान सभा के चुनाव के ठीक पहले जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह किसी भी देश की प्रगति की राह में अड़चन पैदा कर सकता है. उत्तर प्रदेश में जिस तरह आस्था के नाम पर गैर संवैधानिक फरमान एक जिले में जारी किया गया है, उसके तमाम खतरे हैं. इन खतरों को नजरअंदाज करना भारत के संवैधानिक मूल्यों के विरोध में कदम उठाना है. आम चुनाव में लगे झटके का असर अब भारतीय जनता पार्टी और यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भी साफ दिख रहा है. झारखंड में ही बोलते हुए आरएसएस प्रमुख ने जिस तरह व्यंजना का इस्तेमाल करते हुए अतिमानव से भगवान बनने की चाह का उल्लेख किया, उसके अपने निहितार्थ हैं. भाजपा में भी उथल-पुथल का वैसा नजारा है, जिसे नरेंद्र मोदी काल में असामान्य घटनाक्रम माना जाएगा. शुरुआती प्रतिक्रिया में यह दिखाने की हुई कोशिश कि 'सब कुछ पहले जैसा है', अब बेअसर होती दिख रही है. मगर अब भी भाजपा/आरएसएस के नेता अंधेरे में ही तीर चला रहे हैं. असली सवालों का सामना करने का साहस वे नहीं दिखा पाए हैं. झारखंड में जनसंख्या असंतुलन का मुद्दा इसी का संकेत है. भाजपा/आरएसएस नेताओं की तरफ आई प्रतिक्रियाओं पर गौर कीजिए, मोटे तौर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हार और कुछ राज्यों में लगे झटकों की वजह भाजपा की अंदरूनी कमजोरियों को माना है. पार्टी नेताओं में अहंकार, अति-आत्मविश्वास, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, कार्यकर्ताओं से संवाद भंग होने और टिकट बंटवारे में गलतियों का जिक्र उन्होंने किया है. परंतु किसी ने इस ओर झांकने की कोशिश नहीं की कि मतदाताओं में सत्ता-विरोधी गहराती भावनाओं का इन पहलुओं से बहुत कम संबंध है. मुमकिन है, इन बातों की भी कुछ भूमिका रही हो. असल सवाल सरकार की वे नीतियां और दिशा है, जिसकी वजह से आम जन का जीवन दूभर हुआ है और जिनके खिलाफ आज जमीनी स्तर पर व्यापक असंतोष है. इन भावनाओं की पुष्टि पिछले हफ्ते सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों के आए उप-चुनाव नतीजों से भी हुई है. इसे नेतृत्व की लापरवाही या अल्प दृष्टि ही कहा जाएगा कि उनका ध्यान अब तक इस पहलू पर नहीं टिका है. नतीजतन, नरेंद्र मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में उन्हीं नीतियों पर आगे बढ़ने का इरादा जता रही है और पूरा सत्ता पक्ष इस मामले में प्रधानमंत्री के पीछे लामबंद है. वह यह समझ पाने में विफल है कि इन नीतियों के दुष्परिणामों से लोगों का ध्यान भटकाए रखने की हेडलाइन मैनेजमेंट की रणनीति अब चूक रही है. दरअसल भाजपा नेतृत्व को समझना चाहिए कि जनता आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और इसी तरह के सवालों से जूझ रही है. उन्हें इन सवालों का हल चाहिए.

> उत्तर प्रदेश में जिस तरह आस्था के नाम पर गैर संवैधानिक फरमान एक जिले में जारी किया गया है, उसके तमाम खतरे हैं. इन खतरों को नजरअंदाज करना भारत के संवैधानिक मूल्यों के विरोध में कदम उठाना है.

सुभाषित

**खलः सर्षपमात्राणि पराच्छिद्राणि पश्यति।
आत्मनो बिल्वमात्राणि पश्यन्नपि न पश्यति॥**

दुष्ट मनुष्य को दूसरे के भीतर के राई इतने भी दोष दिखाई देते हैं, परन्तु अपने अंदर के बिल्वपत्र जैसे बड़े दोष नहीं दिखाई पड़ते. दुष्टों का यही स्वभाव होता है. उन्हें दूसरों के दोषों के वर्णन में बहुत आनंद की प्राप्ति होती है.

सूखे सीजन में राजनीति के मजे लीजिए

भाजपा ने मध्यप्रदेश के लगातार चार बार के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा को झारखंड फतह के लिए लगाया है, जिनके राज्यों में भी आदिवासी आबादी बड़ी तादाद में है. उनको बताना चाहिए कि उनके करतब-करिश्मे से वहां के आदिवासी किस हाल में हैं. खासकर हिमंता विस्वा सरमा और झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी राजनीतिक तौर पर माइग्रेटेड हैं या घुसपैठिए, यह भी विचारणीय है.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

जिस आषाढ़ के पहले दिन घने काले बादलों को देखकर कालिदास के यक्ष को यक्षिणी की याद बेतरह सताने लगी थी और जिसके कारण कालजयी कृति 'मेघदूत' विश्व साहित्य को मिली, वह पूरा का पूरा आषाढ़ सुखाड़ की भेंट चढ़ गया. पुनर्वसु आ गया, लेकिन अधिकतर खेतों में न तो धान के बीज डाले जा सके, न ही मक्का, तिल, अरहर आदि की बुआई हो सकी. यानी सुखाड़ के आसार झलकने लगे हैं. अबतक धान की शुरुआती रोपनी हो जानी चाहिए थी. अलग बात है कि 'डबल इंजन वाले' बिहार में पुल लगातार जल समाधि लेने लगे हैं और झारखंड में भी एकाध पुल उसी गति को वर चुके हैं. फसलें भले न लहलहायें, राजनीतिक फसलें लहालोट हो रही हैं. झारखंड में विधानसभा चुनाव दस्तक देनेवाला है, जबकि लोकसभा का चुनाव बीते महीना भर से अधिक हो गया है. खाने के दाने किसानों के घरों में भरने के उपाय 24 साल के झारखंड में नहीं हो सके, जबकि राजनीति व्यक्ति-व्यक्ति में भरी जा चुकी है. हर कोई राजनीति ही खा-पी रहा है, ओढ़-बिछा रहा है. चूंकि अजेय समझी जानेवाली भाजपा लोकसभा चुनाव में पिछड़ गई, इसलिए उसने अपनी राजनीति को और सुपाच्य बनाने और विधानसभा चुनाव में अपरिमित जीत (75 सीटें) हासिल करने का लक्ष्य बनाकर राजनीति शुरू कर दी है. राजनीतिक दल खेती करते नहीं, राजनीति ही करते हैं.

सो राजनीति की खेती जगजगाने में सभी तन-मन से लग गये हैं, चुनाव आते-आते धन से भी लग जाएंगे. ये राजनीतिक फसल न काटेंगे तो क्या धान काटेंगे?

झारखंड की राजनीति में आदिवासी सीटें बहुत मायने रखती हैं. लोकसभा चुनाव में भाजपा यहां की सभी पांच आदिवासी सीटें हार गई. हारने को तो वह पिछले विधानसभा चुनाव में 28 आदिवासी सीटों में से 26 हार गई थी. इसी कारण उसको रांची की गद्दी से महरूम होना पड़ा था और वह डबल इंजन से सिंगल इंजन पर आ गई थी. अब उसको डबल इंजन वाला रुतबा हासिल करने की बेचैनी है. होनी भी चाहिए, क्योंकि वह भी तो राजनीति की ही खेती करती है. इधर जमीन घोटाला मामले में हाईकोर्ट से फौरी राहत पाकर झामुमो के हेमंत सोरेन पुनः गद्दीनशीं हो गये हैं. वे वजीरे आजम नरेंद्र मोदी से मिल आये हैं. यह सूबे की सियासत में किसी फेरबदल का संकेत है, या रस्मी मुलाकात थी या लो मैं फिर आ गया की तर्ज पर मिलना था, यह कहना मुश्किल है. खैर, अभी जो हाथ में है, उस पर विचार करें तो रांची की गद्दी हासिल करने के लिए भाजपा हाईकमान ने जिन दो दूतों को लगाया है, वे माइग्रेशन, घुसपैठ, धर्मांतरण जैसे मुद्दे उछाल रहे हैं. आये दिन कोई न कोई केंद्रीय मंत्री भी इसी मृत्युंजय महामंत्र का जाप करते-करते रांची धमक पड़ता है. भाजपा ने मध्यप्रदेश के लगातार चार बार के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा को झारखंड फतह के लिए लगाया है, जिनके राज्यों में भी आदिवासी आबादी बड़ी तादाद में है. उनको बताना चाहिए कि उनके करतब-करिश्मे से वहां के आदिवासी किस हाल में हैं. खासकर हिमंता विस्वा सरमा और झारखंड के भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी राजनीतिक तौर पर माइग्रेटेड हैं या घुसपैठिए, यह भी विचारणीय है. दोनों की खासियत यह कि भाजपा में प्रवेश/पुनर्प्रवेश के साथ उनको जो तख्त-ताज हासिल हुआ, उससे उन लोगों को जरूर जलन हुई होगी, जिन्होंने पार्टी का झंडा-बैनर ढोने में जीवन खपा दिया. यूं, यह उनका अंदरूनी मामला है, गैरों को क्या लेना-देना? माइग्रेशन हो कि धर्मांतरण या घुसपैठ, किसी की भी हिमायत कतई नहीं की जा सकती. इस पर काबू पाना केंद्र और राज्य दोनों की जवाबदेही है. तमाम बाड़ेबंदियों के बावजूद विदेशी घुसपैठ हो रही है तो बाड़ेबंदी करनेवाले जवाबदेह क्यों नहीं हैं? पलायन और धर्मांतरण सामाजिक से अधिक बड़ा आर्थिक सवाल है, इसका जवाब दोनों सरकारों को देना चाहिए. यदि हर किसी के शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजी-रोजगार का समुचित प्रबंध कर दिया जाय तो कौन बपुरा अपने समाज से कटना चाहेगा? जवाब सिविल सोसाइटी को भी देना चाहिए कि क्या उसने कभी यह सवाल माननीय-सम्माननीय महापुरुषों और कल्याणकारी सरकारों से पूछा?

सूबे में सियासी दलों द्वारा जिस प्रकार वोट अपने पक्ष में करने, वोट बैंक बढ़ाने और अंततः राजगद्दी प्राप्त करने के चौतरफा प्रयास किये जा रहे हैं, वह गली-नुक्कड़ों पर भी चर्चा का विषय है. खेती-किसानी न हो पाने का दोष इंद्र पर मढ़कर हर कोई आधुनिक इंद्रों के इंद्रजाल में अधिक उलझा दिया गया है. वह मजे लेकर खूब बहस-मुहासिबे करता है कि फलाने ने ढेमाके के लिए क्या कहा. काश! वह यही बहस करता कि उसने बारी-बारी से हर दल को 'इंद्रासन' दे दिया, लेकिन इन इंद्रों ने उसके जीने-खाने की सामान्य सुविधा तक क्यों मुहैया नहीं करायी तो उसकी किस्मत बदल जाती. वोट वह अपने मन से ही देगा, लेकिन उपेक्षाएं भुलाने को सियासी गप्पों का ख्याल अच्छा है. राजनेता और राजनीतिक दल बड़ी-बड़ी चुनावी घोषणाओं, क्षेत्रीय विकास और क्षेत्रीय संतुलन कायम करने के वादे कर अपना काम निकालते हैं. विधायक/सांसद बनते ही उनके सारे इरादे काफूर हो जाते हैं. कारण एक ही है कि अवाम उनको राजा-महाराजा मान लेता है. लोकशाही के नाम पर हम दिनोंदिन राजशाही की गर्त में डूबते चले जा रहे हैं तो इसके जवाबदेह हम खुद हैं. जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने का बीड़ा उठाना ही होगा अन्यथा नौकरशाही और भ्रष्टाचार के मकड़जाल से छुटकारा असंभव है. चुनाव के ठीक पहलेवाला यह समय अधिक माकूल है, जब जन अदालत में राजनेताओं की जवाबदेही तय की जाय.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

दंभ का तीव्र उदय

दंभ अहंकार का चरम रूप है. जिसके पास दंभ होता है, उसके पास ऐसा घना अंधकार होता है कि वह न तो सच्चाई देख पाता है और न ही सच्चाई को देखना चाहता है. बस, एक मैं ही हूं और दूसरा कोई नहीं. न भूतो न भविष्यति. जो न है और न भविष्य में होगा, लेकिन उसके सामने भी कभी न कभी ऐसी परिस्थिति आ ही जाती है, जब एक दंभी को भी यह मानने पर विवश कर देता है कि वह जो कुछ सोचता है, समझता है, उससे भिन्न भी कुछ है, जो यथार्थ के धरातल पर टिका है और उससे बहुत समय तक आंखें मूंदे नहीं रहा जा सकता. सच्चाई तो यह भी है कि हमारे निराधार और काल्पनिक अपमान के भयवश, हमारा दंभ उत्प्रेरित होता है. दर्प का उदय हमारे विवेक को हर लेता है. दंभ से मोहांध बनकर हम उससे भी बडी मूर्खता कर जाते है, जिस मूर्खता के कारण वह काल्पनिक अपमान भय हमें सताता है. एक बादशाह इत्र का बहुत शौकीन था. एक दिन वह दरबार में अपनी दाढ़ी में इत्र लगा रहा था. अचानक इत्र की एक बूंद नीचे गिर गई. बादशाह ने सबकी नजरें बचाकर उसे उठा लिया. लेकिन पैनी नजर वाले वजीर ने यह देख लिया. बादशाह ने भांप लिया कि वजीर ने उसे देख लिया है. दूसरे दिन जब दरबार लगा, तो बादशाह एक मटका इत्र लेकर बैठ गया. वजीर सहित सभी दरबारियों की नजरें बादशाह पर गड़ी थीं. थोड़ी देर बाद जब बादशाह को लगा कि दरबारी चर्चा में व्यस्त हैं, तो उसने इत्र से भरे मटके को ऐसे ढुलका दिया, मानो वह अपने आप गिर गया हो. इत्र बहने लगा. बादशाह ने ऐसी मुद्रा बनाई, जैसे उसे इत्र के बह जाने की कोई परवाह न हो. इत्र बह रहा था. बादशाह उसकी अनदेखी किए जा रहा था. वजीर ने यह देखकर कहा- जहांपनाह, गुस्ताखी माफ हो. यह आप ठीक नहीं कर रहे हैं. जब किसी इंसान के मन में चोर होता है तो वह ऐसे ही करता है. कल आपने जमीन से इत्र उठा ली तो आपको लगा कि आपसे कोई गलती हो गई है. आपने सोचा कि आप तो शहंशाह हैं, आप जमीन से भला क्यों इत्र उठाएंगे. लेकिन वह कोई गलती थी ही नहीं. एक इंसान होने के नाते आपका ऐसा करना स्वाभाविक था. लेकिन आपके भीतर शहंशाह होने का जो घमंड है, उस कारण आप बेचैन हो गए. और कल की बात की भरपाई के लिए बेवजह इत्र बर्बाद किए जा रहे हैं. सोचिए आपका घमंड आपसे क्या करवा रहा है. बादशाह लज्जित हो गया.

भारत-पाक क्रिकेट रिश्ते सहज क्यों नहीं?

• देशांतर

प्रमोद जोशी

भारत-पाकिस्तान के राजनीतिक-रिश्ते किसी भी सतह पर हों, इसमें दो राय नहीं कि खेल का मैदान दोनों को जोड़ता है. खेल ही नहीं, सिनेमा, संगीत, खानपान, पहनावा, साहित्य, भाषा और उसके मुहावरे हमें जोड़ते हैं. भारत-पाक सांस्कृतिक-रिश्तों को सामान्य और आवागमन को आसान बना दीजिए और देखिए कि क्या चमत्कार होता है. दोनों क्रिकेट के दीवाने देश हैं. हम जिस गंगा-जमुनी संस्कृति की बातें सुनते हैं, वह इन्हीं मैदानों और मंचों पर पनपती है. राजनीतिक रिश्ते जब टूटते हैं, तब सबसे ज्यादा नुकसान संस्कृति को होता है. भारतीय भूखंड में रहने वालों का हित इस बात में है कि उनकी संस्कृति सुरक्षित रहे और शांति बनी रहे. यदि ऐसा नहीं है, तो उसके कारण हमें खेल या संस्कृति में नहीं, राजनीति में खोजने होंगे. आप पाएंगे कि सबसे बड़ा कारण वह कृत्रिम-विभाजन है, जिसने हमें पहले दो और फिर तीन देशों में हाल में मिली एक खबर के मुताबिक चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में खेलने के लिए के लिए टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने की संभावना लगभग नहीं है. बीसीसीआई चाहती है कि भारत के मैचों की मेजबानी दुबई या श्रीलंका करें. इसके लिए वह आईसीसी से अनुरोध करेगी. पाकिस्तान के दर्शकों और खेल-प्रशासन के लिए यह बड़ा धक्का है. इससे पहले एशिया कप में ऐसा ही हुआ था. भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे. दोनों देशों ने बरसों से हॉकी या क्रिकेट की द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है. 2013 में पाकिस्तान की टीम आखिरी बार द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलने आई थी. उसके बाद से इन दोनों टीमों के बीच सिर्फ आईसीसी या फिर एसीसी प्रतियोगिताओं में ही मैच हुए हैं. भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेना भी बंद कर दिया है. ऐसा भी नहीं है कि भारत ने पाकिस्तान में खेलना पूरी तरह बंद कर दिया है. इस साल फरवरी में डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के अपने मैच खेलने के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान गई थी, पर टेनिस और क्रिकेट की लोकप्रियता में फर्क है और उनके राजनीतिक-सामाजिक प्रभावों में भी अंतर है. माना जाता है कि खेल के मैदान में राजनीति का प्रवेश नहीं होना चाहिए, पर जितनी आसानी से यह बात कही जाती है, उतनी आसान वह है नहीं. 1980 के मॉस्को और उसके बाद 1984 के लॉस एंजेलस ओलिंपिक खेलों के बहिष्कारों को हम देख चुके हैं. दक्षिण अफ्रीका सरकार की रंगभेदी नीतियों के कारण लंबे समय तक वहां की क्रिकेट टीम बहिष्कृत रही थी. ऐसे अनेक प्रसंग अतीत में हुए हैं और मानकर चलिए कि वे जारी रहेंगे. भारत-पाकिस्तान रिश्तों में विभाजन के समय से ही कड़वाहट है. पाकिस्तान सरकार ने सबसे पहले अपने स्वतंत्रता दिवस को अलग किया. शुरुआती वर्षों में उसने 15 को ही अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया, पर बाद में खुद को अलग साबित करने के लिए 14 अगस्त को अपनाया, जबकि 'इंडिपेंडेंस ऑफ इंडिया एक्ट' के अनुसार उस दिन वह देश बना ही नहीं था. बावजूद इसके दोनों देशों के खेल और संस्कृति के रिश्ते करीब डेढ़ दशक तक बने रहे. पर 1965और 1971की लड़ाइयों के बाद और फिर नब्बे के दशक में कश्मीर में हुई हिंसा और करगिल-युद्ध की वजह से कड़वाहट बढ़ती ही चली गई. इस कड़वाहट ने सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे से काटने का काम किया है. यह कड़वाहट किस कदर हद तक लोगों को उद्वेलित करती है, इसके उदाहरण भी मौजूद हैं. 2021में टी-20 विश्वकप प्रतियोगिता में भारत और पाकिस्तान के मैच में पाकिस्तान ने भारत को हरा दिया. पाकिस्तान के राजनीतिक तबके में उस जीत पर जो प्रतिक्रिया हुई, वह हैरतंगेज़ थी. पाकिस्तान के तत्कालीन गृहमंत्री शेख़ रशीद ने जीत के ठीक बाद ट्विटर पर एक वीडियो संदेश पोस्ट करके कहा, "दुनिया के मुसलमानों समेत हिंदुस्तान के मुसलमानों के जज़्बात पाकिस्तान के साथ हैं. इस्लाम को फ़तह मुबारक हो. पाकिस्तान ज़िंदाबाद." भारत और पाकिस्तान के बीच खेल की डिप्लोमेसी क्या कमाल करती है, यह उस दौरे में देखने को मिला. कहते हैं कि दोनों देश खेल को भी जंग मानते हैं. ऐसा नहीं है. याद करें, उस दौरे में भारत की टीम ने जब लाहौर में पाकिस्तान को हराया था, तो स्टेडियम में पटाखे दग रहे थे. वह दृश्य भी अकल्पनीय था.क्रिकेट की कारोबारी तहज़ीब पर न जाएं तो खेल का इस्तेमाल सामाजिक-सांस्कृतिक समस्याओं के समाधान में हो सकता है. खेल के मैदान में कबायली जुनून भी देखने को मिलते हैं, पर दर्शक बेहतर खिलाड़ी और टीम के कौशल को भी सराहते हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> बीसीसीआई चाहती है कि भारत के मैचों की मेजबानी दुबई या श्रीलंका करें. इसके लिए वह आईसीसी से अनुरोध करेगी. पाकिस्तान के दर्शकों और खेल-प्रशासन के लिए यह बड़ा धक्का है. इससे पहले एशिया कप में ऐसा ही हुआ था. भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे. दोनों देशों ने बरसों से हॉकी या क्रिकेट की द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है.

अपनी ही दुनिया में खोए रहने का मर्ज

• मनोविज्ञान

रेनू गहलोत रॉय

मैंने एक महिला को देखा, जिसने एक बिस्कुट का पैकेट सड़क के किनारे बैठे एक व्यक्ति को दिया, जो कि फटे, मैले, गंदे कपड़े पहने, लंबे-लंबे जट वाले बाल, एक साइड में बैठा हुआ कुछ चुन रहा था. उसने बिस्कुट की तरफ ध्यान भी नहीं दिया और उठ कर चला गया. वह महिला आश्चर्य से मुझे देखने लगी. व्यक्ति देखने से ही मनोविदलता या सिजोफ्रेनिया बीमारी से पीड़ित लग रहा था, जो एक मानसिक रोग है, मैं तो समझ चुकी थी, क्योंकि मैं एक मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल हूं, लेकिन आप लोग भी आए दिन ऐसे मरीज देखते हैं, जो रास्तों पर, मंदिर, प्लेटफार्म पर, अपने आपमें बुदबुदाना, अपने आप में हंसना, जीवन के वास्तविकता से दूर, अपनी ही दुनिया में बहुत से मरीज ऐसे आए दिन हमें देखने को मिलते हैं. आप उन्हें पागल समझ कर एक साइड से निकल जाते हैं. यह सच है कि यह पागलपन है, जिसे सिजोफ्रेनिया कहते हैं. ज्यादातर यह बीमारी युवाओं को प्रभावित करती है. इस बीमारी में मरीज अपने आप में खोया रहता है. उसे कानों में अजीब सी आवाज आती है, जो औरों को नहीं सुनाई देती. अपने आप से बातें करना, अपने आप से ही हंसते रहना, दैनिक दिनचर्या का ध्यान बिल्कुल नहीं रहना, नींद नहीं आना, वास्तविकता से दूर रहना, संदेह करना कुछ लोगों को बातें करते देखकर मरीज को लगता है कि वे उसी के बारे में बात कर रहे हैं. पति का पत्नी के चरित्र पर शक करना या पत्नी का पति के चरित्र पर शक करना, खाद्य पदार्थों पर भी संदेह करना कि इसमें जहर मिलाया गया है. ऐसे व्यक्ति को देखना जो सिर्फ वही देख पा रहा है, बाकी और लोग नहीं देख पाते. समाज से एकदम कट जाता है ऐसा व्यक्ति. अत्यधिक अवसाद के कारण आत्महत्या की भी सोचता है. यदि ऐसे लक्षण व्यक्ति में एक महीने से अधिक आते हैं या महसूस होते हैं तो मनोविदलता संभव है. इस सिजोफ्रेनिया के कई प्रकार होते हैं. जैसे पैरानॉइड सिजोफ्रेनिया, कैटाटोनिक, सिंपल सिजोफ्रेनिया. यह बीमारी अनुवांशिक होती है, जब रोगी के परिवार में उसके माता के पक्ष या पिता के पक्ष में किसी को रक्त संबंधी संबंधों में यदि किसी प्रकार की मानसिक बीमारी हुई है तो रोगी को होने की संभावना बढ़ जाती है. ब्रेन में केमिकल या न्यूरोट्रांसमीटर का भी इसमें प्रभाव पड़ता है. इसके अलावा मनोवैज्ञानिक कारण भी होते हैं जैसे अत्यधिक तनाव, अचानक से शादी टूटना, नौकरी छूट जाना, परिवार में किसी प्रिय व्यक्ति की मृत्यु हो जाना, परिवार का माहौल अच्छा न होना ऐसे बहुत से कारण हैं, जो अपना प्रभाव मनोविदलता पर डालते हैं. रोगी को पारिवारिक सपोर्ट की अत्यंत आवश्यकता होती है, इसलिए इस बीमारी में फैमिली काउंसलिंग भी की जाती है. यह बीमारी शुरुआत में ही चिकित्सा करने से ठीक हो जाती है, लेकिन कभी-कभी होता यह है अधिकतर लोग ऐसी बीमारियों में झाड़ फूंक भूत-प्रेत इन सब चीजों में ज्यादा विश्वास करते हैं और अपने ढेर सारे पैसे फूंक देते हैं, जबकि ऐसा करने से स्थिति और बिगड़ जाती है. यह बीमारी जितनी पुरानी होती है, उतना इसका इलाज लंबा चलता है. कभी-कभी जीवन पर्यंत औषधि खानी पड़ सकती है. मनोचिकित्सा में रोगी के व्यवहार को परिवर्तन करने की कोशिश की जाती है और रोगी को बहुत सपोर्ट की आवश्यकता होती है. आज के समय में भी पढ़े लिखे अच्छे लोग भी मनोचिकित्सक के पास ना जाकर झाड़-फूंक भूत प्रेत में ज्यादा विश्वास करते हैं. मरीज को मनोचिकित्सक के पास ले जाने से परहेज करते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में लाखों लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. बहुत बार रोगी के परिजन घरों में इस तरह के रोगी को चैन से बांधकर अलग कमरों में बंद कर रखते हैं, जो बिल्कुल भी सही नहीं है. अस्पतालों में पाया गया कि मरीज को भर्ती करने के पश्चात परिजनों ने बहुत सालों तक उनसे संबंध नहीं रखा. उन्हें अस्पताल में छोड़ दिया. यह एक तरह से अमानवीय अत्याचार है. बहुत से मरीज अस्पतालों में कई कई सालों से अभी भी भर्ती हैं और पुनर्वास से अपना जीवन यापन कर रहे हैं. वह बहुत अच्छे हैं, फिर भी उनके परिवार के लोगों का पता नहीं चल पाया है. बीमारी किसी को भी कभी भी हो सकती है. स्वतंत्र रूप से जीने का अधिकार हर किसी को है. मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए आप किसी की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाएं. स्वयं जागरूक बनें. औरों को भी जागरूक करें. समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने में लोगों में जागरूकता फैला कर आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. आप ऐसे रोगियों को देख कर दूर न भागें, ऐसी बीमारियां छूने से नहीं फैलतीं. मानसिक बीमारियां छुआछूत की बीमारियां नहीं हैं. इसलिए मानसिक रोगियों के साथ प्यार से पेश आएं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> पति का पत्नी के चरित्र पर शक करना या पत्नी का पति के चरित्र पर शक करना, खाद्य पदार्थों पर भी संदेह करना कि इसमें जहर मिलाया गया है. ऐसे व्यक्ति को देखना जो सिर्फ वही देख पा रहा है, बाकी और लोग नहीं देख पाते. समाज से एकदम कट जाता है ऐसा व्यक्ति. अत्यधिक अवसाद के कारण आत्महत्या की भी सोचता है. यदि ऐसे लक्षण व्यक्ति में एक महीने से अधिक आते हैं या महसूस होते हैं तो मनोविदलता संभव है.

मीडिया में अन्यत्र

कर्नाटक सरकार का विवादास्पद कानून

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने निजी नौकरियों में स्थानीय आरक्षण को अनिवार्य करके इस विवाद को नया मोड़ दे दिया है. संबंधित विधेयक को वर्तमान विधानसभा सत्र में पेश किया जाना है और इसमें कहा गया है कि स्थानीय कंपनियों के रोजगार में प्रबंधन के पदों पर 50 फीसदी और गैर प्रबंधकीय पदों पर 75 फीसदी नियुक्तियां स्थानीय लोगों की होंगी. आश्चर्य नहीं कि इस कानून को लेकर आईटी के केंद्र, वैश्विक क्षमता केंद्रों और फार्मा उद्योग के गढ़ बेंगलूरु में कंपनियों ने तीव्र प्रतिक्रिया दी है. ये वे कंपनियां और क्षेत्र हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हैं. नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर ऐंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) ने पहले ही एक वक्तव्य जारी करके अपनी निराशा जाहिर कर दी है और राज्य के अधिकारियों से मुलाकात की इच्छा व्यक्त की है. स्थानीय रोजगार के कानूनों की प्रक्रिया नई नहीं है. महाराष्ट्र ने 2008 में 80 फीसदी रोजगार स्थानीय लोगों को देने का कानून बनाया था.आंध्र प्रदेश ने 2019 में 75 फीसदी और हरियाणा ने 2020 में 75 फीसदी स्थानीय रोजगार का कानून बनाया. इन सभी कानूनों को औद्योगिक संगठनों ने अदालत में चुनौती दी. नवंबर 2023 में अदालत ने हरियाणा के कानून को निरस्त किया और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इसके लिए जो वजह दी वह जानकारी बढ़ाती है. हरियाणा ने यह कानून बनाया था कि निजी क्षेत्र में 30,000 रुपये या इससे कम के मासिक वेतन वाले पदों में से 75 फीसदी स्थानीय स्तर पर भरे जाएंगे. उच्च न्यायालय ने इसे निरस्त करते हुए दो वजह दीं. पहला, खुले बाजार में नियुक्तियां करने का नियोक्ता का अधिकार राज्य सरकार के दायरे से बाहर था.दूसरा, स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार आरक्षित करना अन्य लोगों के विरुद्ध था. न्यायालय ने कहा कि हरियाणा के बाहर के नागरिकों को दूसरे दर्जे का स्थापित करके संवैधानिक नैतिकता का उल्लंघन किया गया है. उसने यह भी कहा कि यह आजीविका कमाने के उनके अधिकार का उल्लंघन है. न्यायालय ने कहा कि ऐसा करने से संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन हुआ है, जो सभी नागरिकों को किसी भी पेशे या व्यवसाय को अपनाने की सुविधा देता है और उन्हें पूरे देश में अबाध रूप से कहीं भी आने-जाने की इजाजत देता है. आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य का 2019 का कानून असंवैधानिक है, लेकिन वह मामले की सुनवाई करेगा. हरियाणा सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील की, जहां मामले की सुनवाई फरवरी में आरंभ हुई. संवैधानिक मर्यादाओं के उल्लंघन के अलावा ऐसी संकीर्णता के पीछे कोई आर्थिक तर्क समझ पाना मुश्किल है. कर्नाटक के विधेयक में 'स्थानीय' को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि वह व्यक्ति राज्य में पैदा हुआ हो, वहां कम से कम 15 वर्ष से रह रहा हो और कन्नड़ भाषा पढ़ने, लिखने और बोलने में सक्षम हो. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

चाल/ गति

मेरे पैरों में घुघरू बंधा दे तो फिर मेरी चाल देख ले. 1968 में आयी फिल्म संघर्ष के मस्ती भरे इस गाने में शकील बदायुंनी ने बताने की कोशिश की है कि घुंघरू बांध देने से ही कैसे किसी की चाल बदल जाती है. यह बात तो सही है हर किसी की हर समय एक जैसी चाल नहीं होती है, लेकिन चाल अगर बेढंगी हो जाये तो मनुष्य की गति प्रभावित होती है और दुर्गति में बदल जाती है. जो जैसा करता है, उसका परिणाम उसे निश्चित रूप से भोगना पड़ता है. कबीरदास ने इसी बात पर तो कहा है- करम गति टारे नाहीं टरे. चाल और गति दोनों ऐसे हैं, जो कभी एक जैसे लगते हैं तो कभी समानांतर हो जाते हैं. चाल और गति दोनों शब्द मूलतः तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग हैं. चाल क्या है? चलने की क्रिया या गति, चलने का ढंग, चलन, व्यवहार, बर्ताव, आचरण रीति-रिवाज, ढब, ढंग, बाजी, पारी, छल, कपट, धूर्तता, धोखा देनेवाली बात, ताश या शतरंज में पत्ते या मुहरे का चलना या चलने की बारी. मंबई, कोलकाता आदि बड़े शहरों में ऐसी इमारत जो बड़ी होती है, लेकिन कम चौड़ी होती है, चाल कहलाती है. भौतिक विज्ञान के अनुसार किसी वस्तु द्वारा इकाई समय में किसी निश्चय दिशा में तय की गई दूरी चाल है, लेकिन समय के साथ किसी वस्तु के परिवर्तन को गति कहते हैं. गति का सामान्य अर्थ है रफ्तार, चाल, गमन, जाने की अवस्था, प्रवाह, पहुंच, प्रयत्न, हरकत, माया, लीला, बुरी अवस्था, हालत, दशा, अंगों की चेष्टा, स्पंदन, हरकत, रंग-रूप, सद्गति, मोक्ष, मृत्यु के पश्चात आत्मा की भली या बुरी दशा, मुक्ति, उपाय, ज्ञान, ग्रहों की चाल. कई स्थानों पर चाल और गति के बीच कोई अंतर नहीं रह जाता है, लेकिन प्रयोग किये जाने के बाद कई स्थानों पर इनका अर्थ रूढ़ हो जाता है. तब पर्यायवाची कह कर चाल की जगह गति का प्रयोग करना हास्यास्पद हो जाता है.

बड़े खिलाड़ी और टप्पेबाजी का कमाल

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

टप्पेबाजी है तो टप्पेबाज़ों का होना भी लाज़मी है. अखबार के पन्नों में अक्सर पढने को मिलता है कि एक टप्पेबाज़ ने देखते देखते माल पार कर दिया. लेकिन यह टप्पेबाजी होती क्या है. मैंने यह शब्द पहले कभी नहीं सुना था. कोश में देखा तो वहां भी यह शब्द गायब था. कोश भी टप्पेबाज़ निकला. अजीब मुश्किल है. मैंने अखबार की खबर दोबारा पढी. टप्पेबाज़ ने माल पार किया, यानी, धोखा दिया और देखते-देखते पार कर दिया, यानी, अपना काम बड़ी फुर्ती से किया. अतः टप्पेबाजी 'तुरत धोखा' देना है. ध्यान बंटाया और चीज़ गायब कर दी. ज़ाहिर है ऐसी टप्पेबाजी के लिए कौशल चाहिए. बड़े हुनर की ज़रूरत है. जो आते आते ही आता होगा. कोई खेल या हंसी-मज़ाक नहीं है टप्पेबाजी. राजनीति के टप्पेबाजों का तो कहना ही क्या? बड़े खिलाड़ी होते हैं. जब अपने को किसी असुविधाजनक स्थिति में फंसते देखते हैं, ध्यान बंटाने के लिए तुरंत टप्पा खाते हैं और एक नया मुद्दा खोल बैठते हैं. अपनी असुविधाजनक स्थिति से बच जाते हैं और सामने वाले को असुविधा में डाल देते हैं. इस तरह वे अपनी तुरत- बुद्धि से धोखा देकर तुरन्त अपना बचाव भी कर लेते हैं. प्रजातंत्र में ज़रूरी नहीं कि हमारे नेता बड़े बड़े नगरों से आएं. ज्यादहतर वे छोटी छोटी तहसीलों और टप्पों से ही आते हैं. अपनी शुरुआती टप्पेबाजी से वे अपने नेतृत्व की चमक पहले अपने टप्पे में ही निखारते हैं. धीरे धीरे उनकी प्रसिद्धि फैलने लगती है. शोहरत टप्पे से कस्बे, और कस्बे से ज़िले तक आती है और देखते-देखते पूरे सूबे में फैल जाती है. किसी बड़े नेता की शरण में आकर ये छोटे-मोटे 'छुट-भैये' नेता बन जाते हैं और मौक़ा पाते ही एक टप्पा खाकर अपने ही नेता को फलांग जाते हैं. नेतृत्व के आकाश में नए सितारे का उदय होता है. जय-जयकार होने लगती है. विधायक बनते हैं, मंत्री बनते हैं, मुख्यमंत्री बन जाते हैं. प्रधानमंत्री के सपने देखने लगते हैं. कभी बन भी जाएं तो ताज्जुब नहीं. हमारे प्रजातंत्र में नेतृत्व के विकास का यह स्वाभाविक सोपान है. यों तो टप्पा गायिकी आजकल बहुत चलन में नहीं है, लेकिन इसका विकास छोटे छोटे टप्पों में ही हुआ है. जैसे छोटे छोटे टप्पों ने हमें बड़े बड़े नेता दिए हैं वैसे ही टप्पा गायिकी की शुरुआत छोटे- छोटे टप्पों में ही हुई है. (शायद इसीलिए इस गायिकी को "टप्पा" कहा भी गया है). बाद में बड़े बड़े शास्त्रीय संगीतज्ञों ने भी इस गायिकी को अपना लिया. क्यों न अपनाते ? आखिर टप्पा भी अंततः एक तरह का लोक-गीत ही तो है और बिना लोक को रिझाए भला यश कैसे अर्जित हो! शास्त्रीय संगीतज्ञ भी, अन्य गायकों की तरह, यश-कामी तो होते ही हैं. लेकिन ध्यान रहे, टप्पा गायक टप्पेबाज़ नहीं होता. इस गायिकी में बेशक तान की प्रधानता होती है और हां, तान की इस उछाल के कारण आप भले ही इसमें टप्पेबाजी का आभास पा लें तो बात दूसरी है.

हस्ताक्षर

मेघ मल्हार वर्षा की अनुभूति कराने वाला राग है, फिल्मों में बारिश के आह्वान के लिए या फिर बारिश के दृश्यों को पूर्णता के लिए, या फिर बारिश के भाव के लिए मेघ मल्हार के प्रयोग होते रहे हैं. उधर चर्चा में तकनीक, प्रकृति और संगीत का अद्भुत समन्वय से तैयार विजयवाड़ा शहर का एक होर्डिंग है जो बारिश की बूंदों से मेघ मल्हार की ध्वनि उत्पन्न कर रहा है.

मेघ मल्हार-सिनेमा से होर्डिंग तक

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

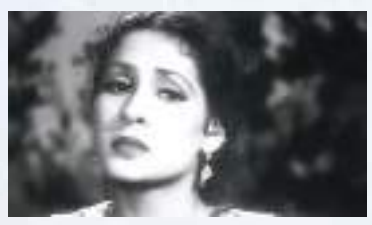

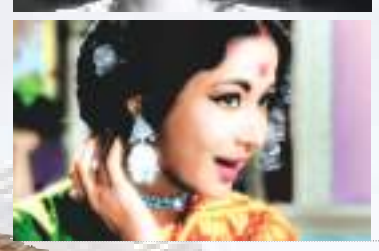

कैसा महसूस होगा, जब बारिश में भीगते हुए किसी शहर के किसी सड़क से गुजरते हुए कानों पर संतूर पर बज रहा राग मेघ मल्हार दस्तक देने लगे. हमारे लिए यह कल्पना होगी, आंध्र प्रदेश के शहर विजयवाडा के लिए यह सच है, जहां ताजमहल चाय के प्रचार के लिए एक ऐसी होर्डिंग लगायी है, जिसकी बनावट कुछ ऐसी है कि बारिश की बूंदें लकड़ी से बने हत्थे के एक सिरे पर बने बने कप में जमा होती है, और असंतुलित होकर खाली होने और होर्डिंग पर लगे तारों से टकराने पर संतूर पर मेघ मल्हार की ध्वनि गूंजने लगती है. वास्तव में तकनीक, प्रकृति और संगीत का एक अद्भुत समन्वय है यह, जिसे प्रख्यात शास्त्रीय संगीतज्ञ तौफीक कुरेशी और संतूर वादक शांतनु गोखले के निर्देशन में तैयार करवाया गया. यह जानना भी दिलचस्प है कि अपने फ्यूजन के लिए चर्चित तौफीक कुरेशी उस्ताद अल्लारखा खां के बेटे और उस्ताद जाकिर हुसैन के भाई हैं, लेकिन संगीत की शिक्षा इन्होंने घाटम के गुरु पं. विक्कू विनायक राम से प्राप्त की. निश्चय ही उनके इस अभिनव प्रयोग में घाटम के ज्ञान का अहम योगदान रहा होगा. 2, 250 वर्गफीट के इस विशाल होर्डिंग में 31 लकडी के हत्थे हैं, जिसके एक सिरे पर वर्षा की बूंदे सहेजने के लिए कप बने हैं, और इतनी ही संख्या में स्ट्रिंग्स हैं. आश्चर्य नहीं कि दुनिया के सबसे बड़े पर्यावरण अनुकूल होर्डिंग के रुप में इसे गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकाड्र्स में भी शामिल किया गया है.

किस्सा राग दीपक और मेघ मल्हार का

वास्तव में 'ताजमहल चाय' को पता है कि वर्षा से चाय का संबंध भले ही नया हो, मेघ मल्हार का संबंध पुराना है. होती होगी मेघ मल्हार के गायन पर बारिश, आज भी कहीं भी, कभी भी मेघ मल्हार सुने तो बारिश का अहसास तो होने ही लगता है. कहते हैं तानसेन ने जब अकबर के अनुरोध पर राग दीपक गाया, और फिर अपने ही ताप से उसका बदन जलने लगा तो उसकी ही शिष्या ने मेघ मल्हार गाकर बारिश को आमंत्रित किया और उसका ताप शांत हुआ.

सिनेमा में राग मेघ मल्हार : घनन घनन घिर आए बदरा...

सिनेमा में राग मेघ मल्हार पर आधारित पहला गीत भी 1942 में बने 'तानसेन' का ही माना जाता है जिसे खेमचंद प्रकाश के संगीत निर्देशन में खुर्शीद ने गाया था, बरसो रे कारे बदरवा हिया में बरसो...

मेघ मल्हार वर्षा की अनुभूति कराने वाला राग है, फिल्मों में बारिश के आह्वान के लिए या फिर बारिश के दृश्यों को पूर्णता के लिए, या फिर बारिश के भाव के लिए मेघ मल्हार के प्रयोग होते रहे हैं. 1959 में बनी 'कवि कालिदास' में उनके मेघदूत पर आधारित गीत, अरे आषाढ के पहले बादल, ओ नभ के काजल...को संगीतकार एस एन त्रिपाठी ने मेघ मल्हार से सजाकर कालजयी बना दिया. 'दुख भरे दिन बीते रे भैया, अब सुख आयो रे, रंग जीवन में नया लायो रे...' मदर इंडिया में बारिश के साथ ग्रामीणों के जीवन में आए उम्मीदों को मेघ मल्हार ही निबद्ध कर सकता था. यह उम्मीद और आस का राग है. 'साहब बीबी और गुलाम' में छोटी बहू पति के इंतजार में बेचैन श्रृंगार कर रही है, मिलन की उम्मीद अभिव्यक्त होती है राग मेघ में पिया ऐसे जिया में समाय गयो रे कि मैं तन मन की सुध गंवा बैठी 'लगान' में ए आर रहमान की धुन पर आमिर खान गाते हैं, घनन घनन घिर आए बदरा, घने घन घोर कारे छाए बदरा और अंत में कहते हैं, दुविधा के दिन बीत गए, भैया मल्हार सुनाओ

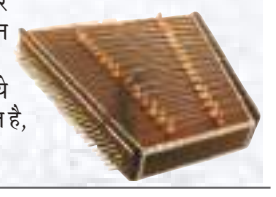

मेघ और मेघ मल्हार दोनों ही जीवन के प्रतीक हैं. ये जिस भी रुप में हमारे जीवन में दस्तक देते हैं, स्वागत है, परदे पर सही, होर्डिंग पर ही सही.

रोमांटिक चॉकलेटी हीरो शाहिद का वायलेंट अवतार

'कबीर सिंह' हो या 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' शाहिद कपूर की रोमांटिक फिल्मों के फैंस दीवाना हैं. इस साल वेलेंटाइन डे पर शाहिद कपूर और कृति सेनन के रोमांटिक अंदाज और उनकी शानदार केमेस्ट्री दर्शक को पसंद आई थी. वहीं अब आने वाले 2025 के वेलेंटाइन डे पर फैंस शाहिद कपूर को वायलेंट अवतार देखने को मिलेगा. जी हां एक धमाकेदार एक्शन थ्रिलर फिल्म 'देवा,' जिसमें शाहिद कपूर लीड रोल में हैं. अब तक की प्राप्त सूचना के मुताबिक यह फिल्म 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी. यह फिल्म ज़ी स्टूडियो और रॉय कपूर फिल्म्स लेकर आ रहे हैं.

शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर हाल ही में इस फिल्म का पोस्टर शेयर किया है. इस पोस्टर के शेयर करने के साथ ही शाहिद ने एक छोटा सा नोट भी लिखा है- 'एक हिंसक वैलेंटाइन डे के लिए तैयार हो जाइए... देवा, 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी !'

शाहिद के इस इस पोस्ट पर फैन्स के जमकर रिएक्शन दिया है. एक यूजर ने कहा क्या बात है, शाहिद नए अवतार में. वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि शाहिद तुम्हारे हर अंदाज का स्वागत. शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर ने कमेंट कर फायर इमोजी बनाई है.

नसीरुद्दीन शाह आज अपना 74वां जन्मदिन मना रहे हैं. 20 जुलाई 1950 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में इस महान कलाकार का जन्म हुआ था. 'डर्टी पिक्चर', 'ज़िन्दगी न मिलेगी दोबारा', 'सरफ़रोश', 'मोहरा', 'मासूम', 'उमराव जान' ओ वेडनेसडे' जैसी तमाम अनगिनत शानदार फिल्मों में नसीरुद्दीन ने अपनी शानदार एक्टिंग का जलवा दिखाया है. पद्मभूषण और पद्मश्री से नवाजे जा चुके नसीरुद्दीन न केवल अपनी अदाकारी, बल्कि बेबाक अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं. लीक से हट कर जीने वाले इस एक्टर की जिंदगी रोचक किस्सों से पटी है.

किस्सों के शाह नसीरुद्दीन

जब रुठे पिता ने भेजा पैसा

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से ग्रैजुएशन करने के बाद उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एडमिशन लिया. हालांकि, पिता नहीं चाहते थे कि वे फिल्मी दुनिया में आए. उनके पिता अली मोहम्मद शाह तहसीलदार हुआ करते थे. वे अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अफसर बनाना चाहते थे, लेकिन नसीरुद्दीन शाह का दिल पढ़ाई में लगता ही नहीं था. उनके पसंद की बस तीन चीजें थीं- क्रिकेट, थिएटर और फिल्में. स्कूल के दिनों में फिसड्डी थे और उनके पिता परीक्षा के नंबरों को लेकर परेशान रहा करते थे. उधर नसीरुद्दीन को दो और बड़े भाई थी जिनमें से एक आर्मी ऑफिसर बन चुके थे और दूसरा भाई इंजीनियर थे. जब नसीरुद्दीन ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एडमिशन लिया तो पिता ने उनसे रिश्ता तोड़ लिया था. एडमिशन के दौरान उनके भाइयों ने थोड़ी-बहुत मदद की. लेकिन एक दिन 600 रुपये की उन्हें जरूरत पड़ी, तो उन्होंने पिता का खत लिखा. हालांकि उन्हें उम्मीद नहीं थी, पर पिता ने अगले ही दिन उन्हें पैसे भेज दिए. कुछ समय बाद पहली ही फिल्म के लिए उन्हें 1000 रुपये मिले. बेटे की इस सफलता को देख पिता भी खुश थे. हालांकि, बताया जाता है कि इसके कुछ समय बाद ही पिता का निधन हो गया.

बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार

नसीरुद्दीन की पहली फिल्म निशांत थी जो 1975 में आई थी. फिर 'मंथन', 'गोधूलि', 'भूमिका', 'जुनून' जैसी कई फिल्मों में अपनी अदाकारी से पहचान बनाई. 1980 में आई 'स्पर्श' फिल्म में नसीरुद्दीन ने शबाना आजमी के साथ दृष्टिहीन की भूमिका निभाई थी. फिल्म में दोनों किरदार स्पर्श मात्र से एक-दूसरे पर फिदा हो जाते हैं. इस फिल्म के लिए नसीरुद्दीन शाह को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया. 2006 में फिल्म 'इकबाल' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला.

इस बीमारी से हैं ग्रस्त

रिपोर्ट्स के मुताबिक नसीरुद्रदीन शाह ओनोमैटोमेनिया नामक मानसिक बीमारी से ग्रस्त हैं. इस बीमारी में व्यक्ति कुछ शब्दों या वाक्यों का बार-बार इस्तेमाल करता है. अगर व्यक्ति उस शब्द का इस्तेमाल नहीं कर पाता है तो उसे बैचेनी होने लगती है. जिसके कारण वह परेशान और निराश होने लगता है. इससे आगे जाकर चिंता, चिड़चिड़ापन और गुस्सा भी होने लगता है. यह रोग साहित्य और आर्ट से जुड़े पढ़ने- लिखने वाले लोगों को ज्यादा होने की आशंका होती है. इसमें व्यक्ति चुप नहीं होता बल्कि सोने के दौरान भी अपना पसंदीदा शब्द दोहराता रहता है.

जिंदगी में शामिल हुईं रत्ना

70 के दशक में रत्ना पाठक और नसीरुद्दीन शाह, दोनों नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में साथ पढ़े और एक दूसरे से आकर्षित हुए. प्रसिद्ध अदाकारा दीना पाठक की बेटी रत्ना ने नसीरुद्दीन शाह के साथ कई फिल्मों में काम किया. वे उस जमाने में कई साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे. तब मनारा से उनका तलाक नहीं हुआ था.

रत्ना के पिता थे नाराज

जब आज के दौर में सोनाक्षी-जहीर शादी के लिए ट्रोल हो सकते और उनके परिवार की नाराजगी की बात उठ सकती तो सोचिए उस दौर में क्या हुआ होगा. रत्ना के पिता शादी के खिलाफ थे. हालांकि उनकी शादी होने से पहले ही उनका निधन हो गया.

पिता के कब्र को कही यह बात

पिता के मौत से नसीरुद्दीन शाह इतने गमगीन हुए कि वे जनाजे में भी शामिल नहीं हुए. कुछ समय बाद नसीर पिता की कब्र के पास पहुंचे. उन्हें कुछ भी समझ नहीं आ रहा था. लोग बताते हैं कि घंटों तक नसीरुद्दीन वहां बैठा करते और दिल की वह सब बातें बयां कर देते जो अब तक दिल में ही कहीं छिपा रखी थी, पिता को कहना था, पर नहीं कह पाए थे.

15 साल बड़ी बीवी

उम्र में 15 साल बड़ी और बालबच्चेदार तलाकशुदा मनारा पर जब 19 साल के नसीरुद्दीन का दिल आया तो शादी के मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था. घरवालों की नाराजगी के विरुद्ध मनारा सीकरी से निकाह किया. मनारा, 'बालिका वधू' की दिवंगत एक्ट्रेस सुरेखा सीकरी की सौतेली बहन हैं. मनारा-नसीरुद्दीन की शादीशुदा जिंदगी में बेटी आई, जिसका नाम हीबा शाह है. कुछ समय बाद नसीरुद्दीन और मनारा के रिश्ते में खटास आई और वे दोनों अलग हो गए.

तलाक से पहले गुजर गईं मनारा

रत्ना से शादी करने के लिए नसीरुद्दीन ने पहली बीवी मनारा को तलाक देने की तैयारी शुरू की. इसके लिए उन्होंने जरूरी मेहर पूरी कर ली. रत्ना से 1982 में शादी की, लेकिन जिस साल नसीरुद्दीन ने रत्ना को हमसफर बनाया, उसी साल मनारी की अचानक मौत हो गई. नसीरुद्दीन और रत्ना के दो बेटे हैं विवान और इमाद, इनके साथ मनारा की बेटी हीबा भी रहती हैं.

नहीं डाला धर्म बदलने का दवाब

रत्ना पाठक ने एक इंटरव्यू में कहा था कि नसीरुद्दीन शाह के परिवार ने कभी भी उनके लिए कंवर्ट शब्द का इस्तेमाल तक नहीं किया और कभी धर्म परिवर्तन के लिए दबाव नहीं डाला. उन्होंने मुझे वैसे ही स्वीकार किया जैसे मैं हूं. उनका यह बयान लव जेहाद के इस मौसम में राहत की बयार की तरह है. रत्ना ने कई बार मीडिया के सामने स्वीकार किया कि नसीरुद्दीन के परिवार वालों ने कभी उन पर किसी तरह का दवाब नहीं डाला.

नागपुरी कॉमेडी खोटा सिक्का का उद्घाटन

मल्टीप्लेक्स में चलेगा नागपुरी का सिक्का

राकेश रमण

सिनेमा की एक जादुई दुनिया है जिसने आज की पीढ़ी को सर्वाधिक प्रभावित किया है. शिष्ट, सम्पन्न और विकसित समाज की पहुंच से आगे बढ़कर अब क्षेत्रीय स्तर पर भी सिनेमा निर्माण का उत्साह दिखलाई पड़ने लगा है. सामाजिक विषयों से आगे बढ़ते हुए अब क्षेत्रीय सिनेमा कॉमेडी जैसे विशिष्ट जॉनर में हाथ आजमाने लगी है. शुक्रवार, 19 जुलाई को राजधानी रांची में जे डी स्ट्रीट मॉल में नागपुरी कॉमेडी खोटा सिक्का का उद्घाटन हुआ. फिल्म के निर्देशक अनमोल खलखो ने बताया कि आज के समय में जब लोग अधिकतर तनावग्रस्त रहते हैं तब उनके लिए फिल्में अगर मनोरंजन के साथ-साथ तनाव मुक्ति का अवसर नहीं देती हैं, तो फिल्मों का कोई खास औचित्य नहीं रह जाता. इसलिए उन्होंने प्रयास किया है कि नागपुरी जैसे क्षेत्रीय भाषा नागपुरी में विशिष्ट रूप से कॉमेडी को दर्शकों के सामने परोसा जाए.

शुक्रवार, 19 जुलाई को राजधानी रांची में जे डी स्ट्रीट मॉल में नागपुरी कॉमेडी खोटा सिक्का का उद्घाटन हुआ. फिल्म देखने पहुंचे रांची के कला-संस्कृति से जुड़े लोग.

कम बजट में उच्चतर तकनीक

आज के समय में जब सिनेमा की तकनीक काफी उन्नत हो गई है, तब क्षेत्रीय स्तर पर सामान्यतः कम बजट की फिल्में बनती हैं. उनमें उच्च तकनीक का प्रयोग नहीं हो पाता. इसके बावजूद अनमोल ने यह खतरा मोल लिया है कि उच्चतर तकनीक का इस्तेमाल करके यह फिल्म लोगों के सामने लाएं.

यह है कहानी

यह फिल्म एक सिक्के की कहानी के पीछे घूमती है वह सिक्का जो वास्तव में सिक्का नहीं है, एक चमत्कारी सिक्का है या आप उसे अंधविश्वास का प्रतीक भी कह सकते हैं. उस सिक्के के पीछे पांच नायक और पांच नायिकाएं घूम रही हैं और इस प्रकार एक अनूठे परिस्थितिजन्य हास्य का सृजन होता है.

झारखंड में शूटिंग

इस फिल्म को पर्दे पर देखना वास्तव में एक अच्छा अनुभव होगा ऐसी आशा के साथ मैं अभी इस सिनेमा हॉल में पहुंचा हूं और सिनेमा देखने के बाद फिर हाजिर होऊंगा. बताता चलूं कि इसकी शूटिंग झारखण्ड में और कुछ गानों की छत्तीसगढ़ में भी हुई है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक में भारत : जब पदक के करीब पहुंच कर भारतीय खिलाड़ियों को मिली निराशा

चौथा स्थान...और पदक चूकने की टीस

भाषा। नयी दिल्ली

अक्सर कहा जाता है कि ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल करना किसी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी निराशा होती है. किसी प्रतियोगिता में आखिरी स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को अगर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, तो वहीं चौथे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को पदक चूकने की टिस रहती है. खेल के सबसे बड़े वैश्विक मंच पर भारतीय खिलाड़ी कई बार बेहद करीब से ओलंपिक पदक जीतने से चूक गये. इसकी शुरुआत 1956 मेलबर्न ओलंपिक में हुई थी और यह टोक्यो में हुए पिछले ओलंपिक तक जारी रहा.

मेलबर्न ओलंपिक : 1956

भारतीय फुटबॉल टीम ने क्वार्टर फाइनल में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई. इस मैच में ही नेविल डिसूजा ओलंपिक में हैट्रिक गोल करने वाले पहले एशियाई बने. नेविल ने सेमीफाइनल में यूगोस्लाविया के खिलाफ टीम को बढ़त दिला कर अपने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश की लेकिन यूगोस्लाविया ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया. कांस्य पदक मुकाबले में भारत बुल्गारिया से 0-3 से हार गया. भारत के महान खिलाड़ी पीके बनर्जी अक्सर अपनी इस पीड़ा को साझा करते थे.

मास्को ओलंपिक : 1980

नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और ग्रेट ब्रिटेन जैसे शीर्ष हॉकी देशों ने अफगानिस्तान पर तत्कालीन सोवियत संघ के आक्रमण पर मास्को खेलों का बहिष्कार किया था, भारतीय महिला हॉकी टीम के पास अपने पहले प्रयास में ही पदक जीतने का बड़ा मौका था. टीम को हालांकि पदक से चूकने की निराशा का सामना करना पड़ा. टीम अपने आखिरी मैच में सोवियत संघ से 1-3 से हारकर चौथे स्थान पर रही.

टोक्यो ओलंपिक : 2020

मास्को खेलों के चार दशक के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम को एक बार फिर करीब से पदक चूकने का दंश झेलना पड़ा. भारतीय टीम तीन बार की ओलंपिक चैम्पियन ऑस्टेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची लेकिन उसे अंतिम चार मैच में अर्जेंटीना से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा. रानी रामपाल की अगुवाई वाली टीम को इसके बार कांस्य पदक मैच में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 3-2 की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी और 3-4 से हार गयी. इसी ओलंपिक में अदिति अशोक ऐतिहासिक पदक जीतने से चूक गयी. विश्व रैंकिंग में 200 वें स्थान पर काबिल इस खिलाड़ी ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को टक्कर दी, लेकिन बेहद मामूली अंतर से पदक नहीं जीत सकी.

रियो ओलंपिक : 2016 में दीपा करमाकार

दीपा करमाकर ओलंपिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली भारतीय महिला जिमनास्ट बनीं. महिलाओं की वॉल्ट स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने के बाद, वह महज 0.150 अंकों से कांस्य पदक से चूक गईं. उन्होंने 15.066 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया. इसी ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा का शानदार करियर एक परीकथा जैसे समापन की ओर बढ़ रहा था, लेकिन वह भी मामूली अंतर से पदक जीतने से चूक गये. बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाले बिंद्रा कांस्य पदक से मामूली अंतर से पिछड़ गये. बोपन्ना को 2004 के बाद एक बार फिर से ओलंपिक पदक जीतने से दूर रहने की निराशा का सामना करना पड़ा जब उनकी और सानिया मिर्जा की भारतीय मिश्रित युगल टेनिस जोड़ी को सेमीफाइनल और फिर कांस्य पदक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. इस जोड़ी को कांस्य पदक मैच में लुसी ह्रादेका और रादेक स्तेपानेक से हार का सामना करना पड़ा था.

लंदन ओलंपिक : 2012 में जॉयदीप करमाकर

निशानेबाज जॉयदीप करमाकर ने इस सत्र में कांस्य पदक विजेता से एक स्थान पीछे रहने के निराशा का अनुभव किया. करमाकर पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में वह कांस्य पदक विजेता से सिर्फ 1.9 अंक पीछे रहे.

इससे पहले सेमीफाइनल में निकोलस किफर और रेनर शटलर की जर्मनी की जोड़ी से सीधे सेटों में 2-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा था. इन खेलों में कुंजारानी देवी महिलाओं की 48 किग्रा भारोत्तोलन प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन वह वास्तव में पदक की दौड़ में नहीं थीं. वह क्लीन एवं जर्क वर्ग में 112.5 किग्रा वजन उठाने के अपने अंतिम प्रयास में अयोग्य घोषित कर दी गईं. कुंजारानी 190 किग्रा के कुल प्रयास के साथ कांस्य पदक विजेता थाईलैंड की एरी विराथावोर्न से 10 किग्रा पीछे रही.

रोम ओलंपिक : 1960 में मिल्खा सिंह

महान मिल्खा सिंह 400 मीटर फाइनल में पदक के दावेदार थे लेकिन वह सेकंड के 10वें हिस्से से कांस्य पदक जीतने से चूक गये. विभाजन के बाद अपने माता-पिता को खोने के बाद इसे उनकी सबसे बुरी याद के रूप में याद किया जाएगा. इस हार के बाद फ्लाइंग सिख ने खेल लगभग छोड़ ही दिया था. उन्होंने इसके बाद 1962 के एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीते लेकिन ओलंपिक पदक चूकने की टिस हमेशा बरकरार रही.

एथेंस ओलंपिक : 2004

दिग्गज लिएंडर पेस और महेश भूपति की टेनिस में भारत की संभवतः सबसे महान युगल जोड़ी एथेंस खेलों में पुरुष युगल में पोडियम पर पहुंचने से चूक गई. पेस और भूपति क्रोएशिया के मारियो एनसिक और इवान ल्युबिसिक से मैराथन मैच में 6-7, 6-4, 14-16 से हारकर कांस्य पदक से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे. इस जोड़ी को

लॉस एंजेलिस ओलंपिक : 1984 में पीटी उषा

लॉस एंजेलिस ओलंपिक ने मिल्खा की रोम ओलंपिक की यादें फिर से ताजा कर दीं, जब पीटी उषा 400 मीटर बाधा दौड़ में सेकंड के 100वें हिस्से से कांस्य पदक से चूक गईं. जिससे यह किसी भी प्रतियोगिता में किसी भारतीय एथलीट के लिए अब तक की सबसे करीबी चूक बन गई. पय्योली एक्सप्रेस के नाम से मशहूर उषा रोमानिया की क्रिस्टीना कोजोकारू के बाद चौथे स्थान पर रहीं. वह हालांकि अपनी इस साहसिक प्रयास के बाद घरेलू नाम बन गयी.

सही घोड़े के बिना, आप कुछ भी नहीं हैं : अनुष अग्रवाल

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में चुनौती पेश करने को तैयार घुड़सवार अनुष अग्रवाल को यह समझने में देर नहीं लगती कि उनका घोड़ा 'सर कारमेलो' घबराया हुआ, उत्साहित या खुश महसूस कर रहा है. अग्रवाल ने कहा कि कोई रिश्ता सद्भाव और विश्वास पर बना है तो भाषा कोई बाधा नहीं है. 24 साल के अग्रवाल 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत ड्रेसेज स्पर्धा में क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय घुड़सवार हैं. वह ओलंपिक में परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता किये बिना अपने खेल को सुधारने पर ध्यान दे रहे हैं. कारमेलो' के साथ इस स्पर्धा का दोनों के बीच ऐसा बंधन है कि अग्रवाल अपने घोड़े की देखभाल करना पसंद करते हैं. पीटीआई-भाषा को बताया, घोड़ों के बिना, हम आपको एक अच्छा सवार बनने की ज़रूरत है. अग्रवाल 'सर लुत्फ उठाना चाहते हैं. खुद की देखभाल से ज्यादा अग्रवाल ने जर्मनी से कुछ भी नहीं हैं. बेशक, आपके पास एक अच्छा कोच होना चाहिए. लेकिन सही घोड़े के बिना, आप कुछ भी नहीं हैं. अग्रवाल 17 साल की उम्र में जर्मनी के पैडरबोर्न गये थे. उन्होंने शौकिया तौर पर घुड़सवारी शुरू की जो जल्द ही जुनून में बदल गया. कड़ी मेहनत और उचित मार्गदर्शन के साथ वह 2023 एशियाई खेलों में दो पदक जीतने में सफल रहे.

ओलंपिक में खेलेगी इजराइली फुटबॉल टीम

ज्यूरिख। फीफा ने इजराइल को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से प्रतिबंधित करने के फलस्तीन के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया है, जिससे इजराइल फुटबॉल टीम पेरिस ओलंपिक में खेल सकेगी. दो महीने पहले फलस्तीन के प्रस्ताव पर निष्पक्ष कानूनी आकलन की घोषणा के बाद फीफा को आमसभा की असाधारण बैठक में शनिवार को इस पर फैसला लेना था. यह फैसला ओलंपिक की फुटबॉल स्पर्धा शुरू होने से चार दिन पहले आता जिसमें इजराइल को जापान, माली और पराग्वे के साथ एक ग्रुप में रखा गया है. फीफा ने कहा कि प्रक्रिया पूरी करने में अभी और समय लगेगा यानी फैसला अब ओलंपिक के बाद आयेगा. फीफा ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपना अपना पक्ष रखने के लिए समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है.

सुखजीत को ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

- 28 साल के खिलाड़ी का यह पहला ओलंपिक

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय हॉकी खिलाड़ी सुखजीत सिंह का दाहिना पैर पीठ की चोट के कारण अस्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गया था, लेकिन पंजाब का यह खिलाड़ी छह साल पहले की निराशा को पीछे छोड़कर 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक में टीम के लिए दमदार प्रदर्शन करने को लेकर प्रतिबद्ध है. इस 28 साल के खिलाड़ी का यह पहला ओलंपिक है. भारत के लिए 2022 में पदार्पण करने वाले अग्रिम पंक्ति के इस खिलाड़ी ने कहा, ओलंपिक में खेलना हमेशा से मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना रहा है. यह किसी भी खिलाड़ी के करियर का शिखर है और मैं इस अवसर को पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं. मुझे विश्वास है कि मेरी कड़ी मेहनत और समर्पण सफल होगी. प्रतिबद्धता के साथ पूरा करने के साथ पेरिस में सब कुछ झोंक दूंगा.

ब्रीफ खबरें

स्क्वाश में भारत की जीत के साथ शुरुआत

ह्यूस्टन। भारत ने विश्व जूनियर स्क्वाश चैम्पियनशिप में जीत के साथ शुरुआत की जब लड़के और लड़कियों की टीम ने अपने-अपने मुकाबले अच्छे अंतर से जीते. लड़कों ने कुवैत को ग्रुप एफ के मुकाबले में 3-0 से हराया जबकि राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह की अगुवाई में लड़कियों ने ग्रुप डी में चीनी ताइपै को इसी अंतर से मात दी.

गोवा चैलेंजर्स के सामने जयपुर की चुनौती

चेन्नई। गत चैंपियन गोवा चैलेंजर्स 22 अगस्त से सात सितंबर तक यहां होने वाले अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के शुरुआती मैच में नयी टीम जयपुर पैट्रियट्स का सामना करेगा. इस फ्रेंचाइजी-आधारित लीग में दो नयी टीमें जुड़ी हैं. आठ टीमों के इस लीग के सभी 23 मैच यहां के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले जायेंगे.

2047 में खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य : मांडविया

भाषा। नयी दिल्ली

नये भारत के निर्माण में खेलों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि 2047 में आजादी की सौवीं सालगिरह पर भारत का खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य रहेगा. खेलमंत्री ने कहा, पिछले दस साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है और आजादी की सौंवी सालगिरह पर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है. नवनिर्माण के इस रोडमैप का हिस्सा खेल भी है और जब हम विकसित राष्ट्र होंगे तो खेलों में भी शीर्ष पांच में रहेंगे.
उन्होंने कहा, भारत विविधताओं का देश है और यहां खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है. प्रतिभा को तलाशकर उसे इको सिस्टम में लाने और मौके देने की जरूरत भर है.

100 दिन में एक लाख खिलाड़ियों की होगी पहचान

नयी दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कीर्ति परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसका लक्ष्य 100 दिन के अंदर एक लाख युवा खिलाड़ियों की पहचान करना है. खेल मंत्री का मानना है कि खेलो इंडिया उदीयमान प्रतिभा पहचान (कीर्ति) भारत को 2047 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष पांच देशों में शामिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा.

नौरी को हराकर नडाल नॉर्डिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बस्ताड (स्वीडन)। रफेल नडाल ने पांचवीं वरीयता प्राप्त कैमरन नौरी को 6-4, 6-4 से हराकर नॉर्डिया ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. दूसरे सेट के पहले गेम में नडाल गिर गए और खून बहने लगा, जिससे उन्हें मेडिकल सहायता की जरूरत पड़ी. उन्होंने मैच के आखिरी पांच गेम जीतकर जनवरी के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. नडाल ने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था, जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे हैं. वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं. उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया. 38 वर्ष के नडाल ने विंबलडन में भाग नहीं लिया था. वह पिछले डेढ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं.

दिल्ली मैराथन के लिए पंजीकरण शुरू

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली में 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाली वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन के लिए शुक्रवार को पंजीकरण शुरू हो गया. विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस की मान्यता प्राप्त इस आयोजन में कुल इनामी राशि 260,000 डॉलर (लगभग 2.17 करोड़ रुपये) है, जिसमें दुनिया भर के लंबी दूरी की सर्वश्रेष्ठ धावकों के साथ शौकिया दौड़ने वाले लोगों को भी भाग लेने का मौका मिलेगा.
मुख्य हाफ मैराथन रेस के साथ शौकिया दौड़ने वाले लोग इसमें ओपन 10के (दस किलोमीटर की दौड़), ग्रेट दिल्ली रन (4.5 किमी), सीनियर सिटिजन रन (2.5 किमी), और चैंपियंस विद डिसेबिलिटी रन (2.5 किमी) श्रेणियों में भाग लेने के लिए 30 सितंबर तक पंजीकरण करा सकते हैं. ओपन 10के के अलावा सभी दौड़ यहां के जवाहरलाल स्टेडियम से शुरू होकर इसी स्थल पर खत्म होंगी. ओपन 10के रेस संसद मार्ग से शुरू होकर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खत्म होगा. शारीरिक तौर पर इस दौड़ में शामिल होने के साथ प्रतिभागी ऑनलाइन तरीके के साथ भी इस रेस में शामिल हो सकते है.
ऑनलाइन रेस के लिए पंजीकरण 11 अक्टूबर तक किया जा सकता है. रेस के आयोजक प्रोकैम इंडिया के संयुक्त महानिदेशक विवेक सिंह ने कहा कि इस बार दौड़ में अधिक महिलाओं को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है. उन्होंने गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में कहा, इस आयोजन में अधिक महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सीमित संख्या में स्थान आरक्षित किए गए हैं. इस मौके पर 2023 एशियाई खेलों में लंबी कूद में रजत पदक जीतने वाली एन्सी सोजन एडाप्पिली भी मौजूद थी.

महिला क्रिकेट एशिया कप : नेपाल ने यूएई को छह विकेट से हराया

दांबुला। सलामी बल्लेबाज समझाना खड़का के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज इंदु बर्मा के तीन विकेट की मदद से नेपाल ने शुक्रवार को यहां महिला टी20 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 23 गेंद शेष रहते हुए छह विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. खड़का ने 45 गेंद पर नाबाद 71 रन बनाए, जिसमें 11 चौके शामिल हैं. उनकी इस पारी की मदद से नेपाल ने 116 रन का लक्ष्य 16.1 ओवर में हासिल कर दिया. नेपाल ने 4 विकेट पर 118 रन बनाए. अमीरात की टीम इससे पहले 8 विकेट पर 115 रन ही बना पाई थी. उसकी तरफ से खुशी शर्मा ने 36 और कविशा एगोडेज ने 22 रन का योगदान दिया. बर्मा नेपाल की सबसे सफल गेंदबाज रही. उन्होंने 19 देकर तीन विकेट लिए.

पर्सनल लाइफ खेल के मैदान में स्टार खिलाड़ी, निजी जीवन में झेलते हैं कई जख्म, खेल पर भी पड़ता है असर

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर, जिन्होंने झेला है तलाक का दर्द

एजेंसी। मुंबई

स्टार क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने आखिरकार नताशा स्टानकोविच से अलग होने का फैसला कर ही लिया. हार्दिक ने खुद अपने तलाक की जानकारी सोशल मीडिया पर दी. हार्दिक ने कहा कि ये फैसला उनके लिए आसान नहीं था. इस तलाक के साथ उन्होंने अपने बेटे को भी गंवा दिया है. उनका बेटा अगस्त्या मां नताशा के साथ सर्बिया चला गया है. टीम इंडिया के क्रिकटर में हार्दिक पहले खिलाड़ी नहीं हैं, जिनका तलाक हुआ है. पंड्या से पहले भी कुछ ऐसे क्रिकेटर रहे, जो तलाक के इस दर्द को झेल चुके हैं.

शिखर धवन : कभी रोहित शर्मा के ओपनिंग जोड़ीदार रहे शिखर धवन तलाक का दर्द झेल चुके हैं. उन्होंने 2009 में आयशा मुखर्जी से मेलबर्न में सगाई की और फिर उन्होंने 2012 में शादी कर ली थी. दोनों को एक बेटा भी है. दोनों 11 साल तक शादी के बंधन में बंधे रहे. हालांकि, दोनों के बीच रिश्ते में दरार पड़ी और 2023 में धवन ने मानसिक प्रताड़ना के आधार पर आयशा से तलाक ले लिया. आयशा और उनका बेटा जोरावर ऑस्ट्रेलिया के नागरिक हैं और वहीं रहते हैं. दिल्ली की कोर्ट ने 2023 ने अपने फैसले में कहा था कि आयशा ने धवन को सालों तक उनके इकलौते बेटे से अलग रहने के लिए मजबूर किया और मानसिक कष्ट दिया.
दिनेश कार्तिक : दिनेश कार्तिक ने 21 की उम्र में 2007 में अपनी बचपन की दोस्त निकिता बंजारा से शादी की थी. उन्होंने इस शादी के लिए काफी समय लिया था और खूब प्लानिंग की थी. दोनों के परिवार के बीच काफी समय से घरेलू संबंध भी थे, लेकिन उनकी शादी केवल 5 साल तक ही टिक सकी. 2012 में कार्तिक की पत्नी शादी में होते हुए उनके साथी क्रिकेटर मुरली विजय के साथ रिश्ते में आ गई थीं. ये जानकर कार्तिक को बहुत बड़ा धक्का लगा था. इसके बाद उन्होंने तलाक ले लिया था. बाद में कार्तिक ने 2015 में स्क्वॉश खिलाड़ी दीपिका पल्लिकल से शादी कर ली थी.
मोहम्मद शमी : भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 2014 में हसीन जहां से शादी की थी. दोनों की पहली मुलाकात आईपीएल के दौरान हुई थी. तब हसीन जहां कोलकाता नाइट राइडर्स की चीयर लीडर हुआ करती थीं. 4 साल तक शादी के बंधन में रहने के बाद हसीन जहां 2018 में शमी पर सरेआम शादी के बाहर दूसरी लड़कियों से अफेयर और घरेलू हिंसा के आरोप लगाए थे. तब से दोनों अलग रहते हैं. हालांकि, दोनों का अभी तक मामला कोर्ट में ही अटका हुआ है. शमी की एक बेटी भी है, जो हसीन जहां के साथ रहती है. हाल ही उन्होंने अपनी बेटी को बर्थ डे विश भी किया था.
मोहम्मद अजहरुद्दीन : भारतीय टीम के कप्तान रह चुके मोहम्मद अजहरुद्दीन एक नहीं बल्कि दो बार तलाक ले चुके हैं. उन्होंने 1996 में अपनी पहली पत्नी नौरीन से तलाक लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस संगीता बिजलानी से शादी की थी. इसके कुछ साल बाद उन्होंने संगीता बिजलानी को भी तलाक दे दिया और बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा से शादी की.
विनोद कांबली : भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली ने 1998 में अपनी बचपन की दोस्त नोएला लुईस से शादी की थी. उन पर शादी के दौरान अपनी पत्नी के साथ मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगे थे. उन्होंने पत्नी से तलाक ले लिया था.
जवागल श्रीनाथ : जवागल श्रीनाथ भारत के तेज गेंदबाज रहे हैं. फिलहाल, वो आईसीसी के लिए मैच रेफरी का काम करते हैं. 1999 में उन्होंने ज्योसना से शादी की थी, लेकिन 8 सालों के बाद 2007 में तलाक ले लिया था. इसके एक साल बाद ही उन्होंने जर्नलिस्ट माधवी पत्रवली से शादी कर ली थी.

महिला टीम जल्द ही आईसीसी ट्रॉफी जीतेगी : स्नेह राणा

भाषा। मुंबई

स्पिन आल राउंडर स्नेह राणा का कहना है कि रोहित शर्मा एंड कंपनी के हाल में टी20 विश्व कप ट्राफी जीतने से भारतीय महिला टीम को भरोसा मिला है कि वे अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने की मुहिम जारी रखेंगे. भारतीय टीम शुक्रवार से श्रीलंका में शुरू हो रहे महिला एशिया कप में फिर खिताब बरकरार रखने की दावेदार है और टीम की असली परीक्षा अक्टूबर में टी20 विश्व कप और अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में होगी. स्नेह राणा ने शुक्रवार को पीटीआई से कहा, अगर आप पिछले दो-तीन साल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन देखो तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही है. आईसीसी ट्राफी जीतने की बात करें तो पुरुष टीम का उदाहरण देखिये, उन्हें ट्रॉफी जीतने में लगभग 10 साल लगे. वे लंबे समय से मेहनत और तैयारी कर रहे थे. स्नेह राणा ने कहा, कुछ बड़ा हासिल करना है तो यह रातोंरात नहीं होगा. इसमें समय लगेगा. इसके लिए काफी संघर्ष और बलिदान लगेगा, लेकिन अंत में हम ऐसा करेंगे. क्षेत्ररक्षण टीम के लिए चिंता का विषय रहा है लेकिन उनका कहना है कि इसमें सुधार करने के लिए जज्बे में कोई कमी नहीं हुई है. जब हम इतने मैच खेलते हैं तो गलतियों का काफी अधिक मौका होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई खिलाड़ी इसमें खराब है, जब आप मैदान पर होते हो तो सर्वश्रेष्ठ करना चाहते हो.

ब्रीफ खबरें

78 किलो गांजा समेत दो तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी 71वीं वाहिनी के जवानों और महुआवा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 78 किलो गांजा की खेप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार किये गये. शुक्रवार को इसकी जानकारी देते एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ तस्कर नेपाल की ओर से गांजा की खेप लेकर आने वाले है,सूचना के आलोक में भारतीय सीमा में एसएसबी के जवान व महुआवा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चौकसी बढ़ायी गयी.

बाइक सवार ने किसान को कुचल डाला, मौत

बेगूसराय । बेगूसराय में लगातार रफ्तार का कहर देखने को मिल रहा है. ताजा मामला परिहारा थाना क्षेत्र के सांखू गांव के पास का है. जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक ने एक किसान को कुचल दिया. इस हादसे में किसान की दर्दनाक मौत हो गई. इस घटना की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया. मृतक किसान की पहचान सांखू गांव निवासी लक्ष्मी शाह के रूप में की गई है. परिजनों ने बताया कि मृतक किसान लक्ष्मी शाह घर से निकलकर अपने डेरा पर जा रहे थे. तभी सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक ने उन्हें कुचल दिया.

तस्कर ने पुलिस गाड़ी से लगाई छलांग, मौत

अररिया । जिले के कुंआरी चेकपोस्ट पर बीती रात करीबन डेढ़ बजे उत्पाद विभाग की ओर से चेकिंग की जा रही थी. इसी क्रम में बाइक पर सवार फारबिसगंज के दो युवकों को उत्पाद विभाग की टीम ने नेपाली शराब के साथ पकड़ा. पकड़े गए दोनों युवकों के साथ जब्त शराब को लेकर उत्पाद विभाग की टीम अररिया जा रही थी कि इसी क्रम में कुंआरी थाना अंतर्गत धड़ीपार के पास चलती गाड़ी से दोनों युवकों ने छलांग लगा दी, जिसमें दोनों युवक गंभीर तरह जख्मी हो गए. उत्पाद टीम दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्साकांटा ले गयी, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने पवन कुमार को मृत घोषित कर दिया.

नकली शराब फैक्ट्री का पुलिस ने किया भंडाफोड़

बांका । जिले के बाराहाट प्रभारी थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली की परघड़ी गांव में नकली शराब फैक्ट्री संचालित किया जा रहा है. सूचना मिलते ही बाराहाट थाना प्रभारी राजू ठाकुर ने इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दी और तुरंत ही एक टीम गठित कर प्रभारी थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ परघड़ी गांव पहुंचकर छापेमारी की. इस दौरान मंटू साह के दो मंजिला इमारत में शराब बनाने के रासायनिक घोल, कई नामी कंपनियों के रैपर्स, खाली बोतल, बोतल के ढक्कन, बोतल को सील करने वाली मशीन आदि बरामद की गई. जैसे ही पुलिस की कार्रवाई आरंभ हुई और पुलिस को शराब बनाने के साक्ष्य मिलने पर खबर आग की तरह फ़ैल गई और पूरे आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया.

राज्य कैबिनेट की बैठक में 27 अहम प्रस्तावों को दी गयी मंजूरी

अब रिन्यूअल नीति की बाध्यता खत्म भागलपुर में खुलेगा केंद्रीय विवि

संवाददाता । पटना

नीतीश कैबिनेट में 27 एजेंडों पर लगी मुहर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को हरी झंडी मिली. डबल इंजन सरकार ने भवन निर्माण, पंचायती राज, वित्त विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, वाणिज्य कर विभाग, परिवहन विभाग, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, जल संसाधन विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, कृषि विभाग, खेल विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, भवन निर्माण विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, सूचना एवं जन संपर्क, अल्पसंख्यक कल्याण और शिक्षा विभाग से जुड़े अहम प्रस्तावों पर स्वीकृति दी.

कैबिनेट की बैठक के बाद अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि पंचायतों में अब 15 लाख रुपये से कम की योजनाओं का भी टेंडर होगा. राज्य सरकार ने पंचायत स्वीकृति दी है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाया गया है. सरकार के इस कदम से अब अब मुखिया और पंचायत सचिवों की मनमानी नहीं चलेगी.

एस सिद्धार्थ ने बताया कि नियमावली में अब यह प्रावधान है, जिससे मुखिया और पंचायत सचिवों की मनमानी पर रोक लगेगी. छोटे बनेगा. उसकी बिड लगेगी और बोली में ही चयनित व्यक्ति को वह काम दिया जाएगा. एस सिद्धार्थ ने बताया कि राज्य के सभी 38 जिलों में जिला परिषद की जमीन को लीज पर देने के लिए भी सरकार ने अब नीति बना दी है. 30 से 50 साल यानी लांग टर्म नीति के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेनी होगी.

उन्होंने बताया कि खेती-किसानी के लिए भी लीज बाजार मूल्य पर देना होगा जो अधिकतम पांच साल का होगा. अपर मुख्य सचिव ने बताया कि अब गया और मोतिहारी के बाद भागलपुर के बिक्रमशिला में राज्य के तीसरे केंद्रीय विश्वविद्यालय खुलने का भी रास्ता साफ हो गया है. सरकार ने 205 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने के लिए 87.99 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है. बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 की भी स्वीकृति मंत्रिमंडल ने दे दी है. शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए नीतीश सरकार ने एक नई योजना मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना को भी कैबिनेट में मंजूरी दे दी है.

खास बातें

- 205 एकड़ जमीन अधिग्रहण के लिए 87 .99 करोड़ की मंजूरी
- पंचायतों में 15 लाख से कम की योजनाओं का भी टेंडर होगा

एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

मनी लांड्रिंग मामले

संवाददाता । पटना

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की टीम ने विवादों में रही एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर रेड की है. मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत पर प्रवर्तन निदेशालय की टीमें एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर शुक्रवार की सुबह-सुबह दबिश दी है. पटना के अलावा दिल्ली में भी कंपनी के ठिकानों पर रेड चल रही है. कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालय समेत प्रोजेक्ट कार्यालयों में भी छापेमारी चल रही हैं. भागलपुर के सुल्तानगंज में अगुआनी पुल हादसे के बाद एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी चर्चा में आई थी. अगुआनी घाट पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा तास के पत्तों की तरह भर-भराकर गिर गया था और कई पाया गंगा में समा गए थे. इस घटना को लेकर खूब हंगामा हुआ था. अगुवानी पुल का निर्माण कर रही एसपी सिंगला कंपनी के ऊपर की गंभीर आरोप भी लगे थे. उस समय बिहार में विपक्ष में रही भाजपा ने सरकार और तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव पर पुल के टेंडर में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया था. मामला हाई कोर्ट तक पहुंचा था और हाई कोर्ट ने एसपी सिंगला को आदेश दिया था कि पुल के गिरे हिस्से का निर्माण वह अपने खर्च पर करे.

निजी स्कूल के लैब में केमिकल रिएक्शन

आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर के गायघाट थाना क्षेत्र के मईठी स्थित एक निजी शैक्षणिक संस्थान एमएल दास एकेडमी में उस वक्त अफरा तफरी का माहौल हो गया. जब साइंस लैब में कैमिकल रिएक्शन से करीब आधे दर्जन बच्चे जख्मी हो गए. सभी सातों घायल बच्चे वर्ग आठवीं के छात्र है. दरअसल आठवीं कक्षा के बारह छात्र छात्राओं की टीम विज्ञान के शिक्षक भरत कुमार के नेतृत्व में साइंस लैब में कैमिकल रिएक्ट कर ट्रैफिक लाइट प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे. इसी दौरान हाइड्रोक्लोरिक एसिड के किसी अन्य कैमिकल से रिएक्शन होने पर कैमिकल रखा बोतल ब्लास्ट कर गया. जिससे वहां मौजूद शिक्षक व छात्र घायल हो गए. घायलों में ऋषि नंदन कुमार चौधरी, आयुष राज, शिवम, आशुतोष, आयुष, नीतू, आदर्श व शिक्षक भरत कुमार है. ऋषि नंदन गंभीर रूप से घायल है, त्वचा पूरी तरह से झुलस चुकी है. आंख में कैमिकल पड़ने से उसका आंख नीला हो गया. वह एक आंख से देख नहीं पा रहा है.

बेतिया में फिलिस्तीनी झंडा लहराने का मामला

पुलिस ने नौ नामजद समेत 100 लोगों पर केस किया, तीन धराया

संवाददाता । बेतिया

बेतिया में बुधवार को मुहर्रम जुलूस के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराने और नारे लगाने का सोशल मीडिया पर वीडियो तथा वायरल हुए थे. इस मामले में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए एफआईआर दर्ज की है. वहीं, मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.

पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर छापामारी कर पूर्व पार्षद सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. जबकि दो अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया है. प्रशिक्षु डीएसपी डॉ. सपना रानी ने बताया कि अखाड़ा मुहर्रम पर्व के अवसर पर जुलूस के लाइसेंस धारक पूर्व पार्षद वकील मियां, डीजे संचालक दिलीप और जामा मस्जिद रोड निवासी मोहम्मद शहनवाज गिरफ्तार किया गया है. तीनों से पूछताछ की जा रही है. उन्होंने बताया कि मुहर्रम जुलूस के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराए जाने की सूचना के साथ ही उसका वीडियो क्लिप सामने आया था, जिसकी जांच-पड़ताल की गई है.

ट्रक ने बाइक सवार दो को रौंदा, एक की मौत

बेतिया । बेतिया छावनी के पास ट्रक से दबकर बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई है वहीं दूसरा गंभीर रुप से घायल बताया जा रहा है. गंभीर रूप से घायल युवक को जीएचसीएच में भर्ती कराया गया है. इस घटना से लोगों में काफी आक्रोश है. गुस्साए लोगों ने सड़क पर बवाल और आगजनी कर रहे हैं. तक की पहचान बानूछापर हाजमा टोला वार्ड 27 के निवासी रामायण साह के 19 वर्षीय बेटे आर्यन कुमार के रूप में हुई है. दूसरे व्यक्ति जो गंभीर रूप से घायल हैं उनकी पहचान गुलफाम अंसारी के रूप में हुई है जो पलंबर का काम करते हैं. मृतक आर्यन कुमार पलंबर मिस्त्री गुलफाम अंसारी को छोड़ने छावनी जा रहा था. छावनी में रेलवे गुमटी बंद होने के कारण ओवरब्रिज के नीचे खड़ा था, तभी खड़ी ट्रक अचानक ढुल गई और बाइक उसकी चपेट में आ गई.

बदमाश बेखौफ मामला मधुबनी जिले के बेनीपट्टी अनुमंडल का

मधुबनी में ग्रामीण चिकित्सक की हत्या

संवाददाता । मधुबनी

मधुबनी में बेखौफ बदमाशों ने एक ग्रामीण चिकित्सक की गोली मारकर हत्या कर दी है. घटना गुरुवार देर रात की है. यह पूरा मामला मधुबनी जिले के बेनीपट्टी अनुमंडल का है. मृतक की पहचान 28 वर्षीय ग्रामीण चिकित्सक सुनील झा के रूप में की गई है. हालांकि गोली लगने के बाद ग्रामीणों ने बेनीपट्टी अस्पताल में भर्ती कराया था. यहां से डॉक्टरों ने डीएमसीएच रेफर कर दिया था.

दरभंगा में इलाज के दौरान रात में ही दो से ढाई बजे के बीच ग्रामीण चिकित्सक की मौत हो गई. मौत के बाद डॉक्टर के शव का डीएमसीएच में ही पोस्टमार्टम किया गया. बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात करीब 10 बजे मलहामोड़-उच्चैठ मुख्य पथ के बीच से जगत गांव जाने वाली सुनसान सड़क पर अज्ञात बदमाशों ने गुरुवार की देर रात इस घटना को अंजाम दिया है. गोली लगने के बाद ग्रामीण चिकित्सक सुनील झा घायल हो गए. उनके मस्तक में गोली लगी थी. घटनास्थल से एक अपाची बाइक और एक जिंदा गोली पुलिस को मिली है. घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की. एफएसएल की टीम ने साक्ष्य को जुटाया. बता दें कि हाल ही में दरभंगा में वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की हत्या हुई थी. इसके बाद लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सवाल उठने शुरू हो गए. लगातार तेजस्वी यादव हमलावर हैं.

इस पूरे मामले में बेनीपट्टी के प्रभारी डीएसपी जयनगर के सीडीपीओ विप्लव कुमार ने कहा कि गुरुवार की रात एक ग्रामीण ग्रामीण चिकित्सक को गोली मार दी गई थी जिससे मौत हो गई. पोस्टमार्टम के बाद परिजन को शव सौंप दिया गया है. इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है. एफएसएल सहित पुलिस की टीम अनुसंधान कर रही है.

मिड डे मील में मिली छिपकली, 14 बीमार

नालंदा । नालंदा के रहुई थाना क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र देकपुरा में मिड डे मील (एमडीएम) खाने से 14 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई. खाने में छिपकली गिरी हुई थी. अचानक इतनी संख्या में एक साथ बच्चों के बीमार होने से गांव में हड़कंप मच गया. ग्रामीणों ने ही सभी बच्चों को इलाज के लिए रहुई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया. बताया जाता है कि आंगनबाड़ी केंद्र देकपुरा में पढ़ाई के बाद भोजन दिया गया था. जैसे ही बच्चों ने खाना शुरू किया था कि एक बच्चे की थाली में मरी हुई छिपकली दिख गई. इसके बाद बच्चों ने इसकी सूचना अपने परिजनों को दे दी. इसके बाद आक्रोशित हुए घर वाले आंगनबाड़ी केंद्र पहुंच गए. यहां पर मौजूद रसोईया और अन्य लोगों को बंधक बना लिया. घटना को लेकर आनन-फानन में 112 को सूचना दी गई.

कारोबार

पेटीएम ब्रांड का घाटा जून तिमाही में बढ़ा

नयी दिल्ली । पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन कम्युनिकेशंस का घाटा चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 840 करोड़ रुपये हो गया है. बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 358.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था. पेटीएम ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी एकीकृत आमदनी 33.48 प्रतिशत घटकर 1,639.1 करोड़ रुपये रह गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,464.2 करोड़ रुपये थी.

केपीआई को नई हाईब्रिड परियोजना मिली

नयी दिल्ली । केपी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी को एथर इंडस्ट्रीज से 100 मेगावाट की हाइब्रिड ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है. कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आदेश की शर्तों के अनुसार परियोजनाओं को वित्त वर्ष 2024-25 में विभिन्न किस्तों में पूरा किया जाना है. केपीआई ग्रीन एनर्जी ने कहा, हमें कंपनी के निजी उपयोग वाली बिजली उत्पादक खंड के अंतर्गत 100 मेगावाट की हाइब्रिड निजी सौर ऊर्जा परियोजना के लिए नया ठेका मिला है. कंपनी ने हालांकि इस संबंध में और जानकारी नहीं दी.

एचडीएफसी बैंक का सीएसआर खर्च बढ़ा

नयी दिल्ली । निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 945.31 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च दर्ज किया है. यह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में लगभग 125 करोड़ रुपये अधिक है. एचडीएफसी बैंक ने बयान में कहा कि उसका सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन लगभग एक दशक से सक्रिय है और 28 राज्यों व आठ केंद्र शासित प्रदेशों में फैली इसकी विभिन्न पहलों ने 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित किया है. सालाना रिपोर्ट के अनुसार, परिवर्तन की विभिन्न पहलें 9,000 गांवों तक पहुंचते हुए लगभग 10 हजार घरों को प्रभावित कर चुकी हैं.

बैंकों से ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर पर सतर्क रहने को कहा और सलाह दी

सरकार के साथ समन्वय से हुआ अर्थव्यवस्था में सुधार : गवर्नर

एजेंसी । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि उनके करीब छह साल के कार्यकाल के दौरान सरकार के साथ रिजर्व बैंक के संबंध अच्छे रहे हैं. उन्होंने कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार का श्रेय दोनों के बीच बेहतर समन्वय को दिया. यहां अखबार फाइनेंशियल एक्सप्रेस के बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा) सम्मेलन में दास ने कहा कि किसी ने भी उनसे यह उम्मीद नहीं की थी कि वे अपने कार्यकाल के दौरान सरकार के लिए 'चीयरलीडर' बनेंगे. उन्होंने अपने एक पूर्ववर्ती द्वारा हाल में लिखी गई पुस्तक में लगाए गए आरोपों के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, "मैं अपने अनुभव से कह रहा हूं. कोई भी यह उम्मीद नहीं करता कि आरबीआई 'चीयरलीडर' बनेगा. मेरा ऐसा कोई अनुभव नहीं है. नए कार्यकाल के लिए तैयारी को लेकर पूछे गए सवाल पर दास ने कहा कि वह वर्तमान कार्यभार पर पूरी तरह केंद्रित हैं और इसके अलावा किसी अन्य विषय पर नहीं सोचते हैं. उल्लेखनीय है कि दास का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त हो रहा है. सरकार ने उन्हें 11 दिसंबर, 2018 को शुरूआत में तीन साल की अवधि के लिए आरबीआई का 25वां गवर्नर नियुक्त किया था. उन्हें 2021 में तीन साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया.

दास ने कहा कि आरबीआई चालू वित्त वर्ष (2024-25) में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान को हासिल करने के लिए पूरी तरह से आशान्वित है. उन्होंने कहा कि वृद्धि दर बेहतर रहने के साथ मौद्रिक नीति का ध्यान पूरी तरह से मुद्रास्फीति को काबू में लाने पर है. उन्होंने बैंकों से ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर पर सतर्क रहने को कहा और सलाह दी कि कर्ज में वृद्धि और जमा वृद्धि से अधिक नहीं होनी चाहिए. गवर्नर ने कहा कि ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर के कारण वित्तीय प्रणाली 'संरचनात्मक रूप से नकदी मुद्दों' से प्रभावित हो सकती है. अवैध तरीके से राशि प्राप्त करने और भेजने के लिए उपयोग किये जाने वाले खातों को लेकर चिंताओं के बीच दास ने बैंकों से आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अपने ग्राहकों को जोड़ने और लेनदेन की निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने को कहा. उन्होंने कहा कि आरबीआई ऐसे खातों और डिजिटल धोखाधड़ी की जांच के लिए बैंकों और जांच एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है. दास ने कहा कि असुरक्षित कर्ज (व्यक्तिगत ऋण, क्रेडिट कार्ड आदि) पर आरबीआई के कदमों का वांछित प्रभाव पड़ा है और इस मामले में वृद्धि धीमी हुई है. हालांकि उन्होंने पहले से ही इस श्रेणी में अधिक कर्ज के बावजूद कुछ बैंकों द्वारा असुरक्षित ऋण पर उच्च सीमा रखने को लेकर चिंता जतायी.

उन्होंने ऐसे बैंकों को सूझ-बूझ के साथ काम करने की सलाह दी तथा उन्हें इस मामले में अति-उत्साह से बचने को कहा. दास ने साफ किया कि किसी को भी यह नहीं मानना चाहिए कि बैंकिंग प्रणाली में कोई बड़ी समस्या है और वास्तव में यह बहुत मजबूत बनी हुई है. उन्होंने कहा कि आरबीआई फिलहाल कॉरपोरेट इकाइयों को बैंकों का स्वामित्व या उन्हें बढ़ावा देने की अनुमति देने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रहा है. आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि समूह से जुड़े पक्षों के बीच लेनदेन का मुद्दा है और उन पर नियंत्रण रखना कठिन है.

विप्रो का शुद्ध लाभ 4.6% बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये हुआ

एजेंसी । बेंगलुरु

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये रहा. बेंगलुरु की कंपनी की आय हालांकि 2024-25 की पहली तिमाही में 3.8 प्रतिशत घटकर 21,963.8 करोड़ रुपये रही. कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि उसे आगामी सितंबर तिमाही में आईटी सेवा व्यवसाय खंड से 260-265.2 करोड़ डॉलर तक आमदनी की उम्मीद है. विप्रो के सीईओ और प्रबंध निदेशक श्रीनी पलिया ने कहा कि कंपनी ने एक और तिमाही में एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के बड़े सौदे हासिल किए. उन्होंने कहा कि कंपनी के शीर्ष खातों में वृद्धि जारी है, साथ ही 'अमेरिका 1' रणनीतिक बाजार इकाई (एसएमयू), बैंक, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) और उपभोक्ता क्षेत्रों में वृद्धि हुई.

लॉकहीड मार्टिन के सीईओ ने पीएम मोदी से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करते लॉकहीड मार्टिन के सीईओ जिम टेसलेट.

- पीएम ने 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता की सराहना की

एजेंसी । नयी दिल्ली

रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लॉकहीड मार्टिन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जिम टेसलेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. बैठक के दौरान पीएम ने 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता की सराहना की. यह मुलाकात गुरुवार को हुई. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, लॉकहीड मार्टिन के सीईओ जिम टेसलेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. लॉकहीड मार्टिन भारत-अमेरिका एयरोस्पेस और रक्षा औद्योगिक सहयोग में एक प्रमुख भागीदार है.

हम 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' के सपने को साकार करने की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं.

एक्स पर बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए लॉकहीड मार्टिन ने एक पोस्ट में कहा, सीईओ जिम टेसलेट माननीय नरेंद्र मोदी से मिले. तीन दशकों से अधिक समय के एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में, हम स्थानीय उद्योग की होनहार प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानते हैं. हम दोनों देशों के बीच रक्षा और औद्योगिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

भारतीय शेयर बाजार बजट से पहले हफ्ते के आखिरी सेशन में शेयर बाजार धड़ाम

निवेशकों को हुआ 8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

एजेंसी । मुंबई

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और घरेलू स्तर पर चार दिनों की रिकॉर्ड तेजी के बाद मुनाफावसूली का जोर रहने से शुक्रवार को मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 739 अंक नीचे आ गया और निफ्टी भी नुकसान में रहा. कारोबारियों ने कहा कि दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आई गिरावट ने भी बाजार को नीचे लाने का काम किया.

बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 738.81 अंक यानी 0.91 प्रतिशत टूटकर 81,000 अंक से नीचे 80,604.65 पर बंद हुआ. हालांकि शुरुआती कारोबार में यह 81,587.76 के अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन मुनाफावसूली के दबाव में यह टूट गया. कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 844.36 अंक गिरकर 80,499.10 पर आ गया था.

सेंसेक्स ने गुरुवार को पहली बार 81,000 अंक का आंकड़ा छुआ था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 269.95 अंक यानी 1.09 प्रतिशत गिरकर 24,530.90 पर बंद हुआ. यह शुरुआती दौर में 24,854.80 के अपने नए रिकॉर्ड शिखर पर पहुंच गया था लेकिन बाद में यह कमजोर पड़ गया. कारोबार के दौरान एक समय यह 292.7 अंक गिरकर 24,508.15 पर आ गया था.

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील का शेयर भी लगभग पांच प्रतिशत टूट गया. टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज अन्य प्रमुख पिछड़े हुए शेयर रहे.

भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है. यानि शुक्रवार के सत्र में निवेशकों को 8.07 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है.

दूसरी तरफ दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस के सकारात्मक नतीजों से इसके शेयरों में करीब दो प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई. आईटीसी, एशियन पेंट्स और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट पर रहे जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुआ. यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे. गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट का रुख रहा था. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.07 प्रतिशत गिरकर 85.05 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 5,483.63 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी. सेंसेक्स गुरुवार को 626.91 अंक उछलकर 81,343.46 के नए उच्च स्तर और निफ्टी 187.85 अंक चढ़कर 24,800.85 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ था.

23 जुलाई को स्पाइसजेट के निदेशक मंडल की होगी बैठक

एजेंसी । मुंबई

किफायती विमानन सेवा प्रदाता कंपनी स्पाइसजेट का निदेशक मंडल 23 जुलाई को बैठक करेगा, जिसमें योग्य संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए नई पूंजी जुटाने पर विचार किया जाएगा. एयरलाइन ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, स्पाइसजेट लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक 23 जुलाई, 2024 (मंगलवार) को होगी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ योग्य संस्थागत नियोजन के माध्यम से योग्य संस्थागत खरीदारों को पात्र प्रतिभूतियां जारी करके नई पूंजी जुटाने पर विचार और अनुमोदन किया जाएगा. इस वर्ष जनवरी में स्पाइसजेट को बीएसई से 2,242 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिली थी और उसने दो किस्तों में तरजीही निर्गम के तहत 1,060 करोड़ रुपये जुटाए थे. गुरुग्राम स्थित एयरलाइन का 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए एकीकृत शुद्ध लाभ कई गुना वृद्धि के साथ 119 करोड़ रुपये रहा था. वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ सिर्फ 16.85 करोड़ रुपये रहा था. पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी को 409.43 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था. कंपनी को 2022-23 में 1,503 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था. एयरलाइन कई तिमाहियों से अपने परिचालन को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है.

ब्रीफ खबरें

रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में सुरंग नहीं

पुरी। श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में एक गोपनीय सुरंग होने को लेकर लगाई जा रही अटकलों के बीच, पुरी के राजा एवं गजपति महाराजा दिव्य सिंह देव ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) जांच के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है. देव ने रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में सुरंग या गुप्त कक्षों की संभावना के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही. कई स्थानीय लोगों का मानना है कि रत्न भंडार के भीतरी कक्ष में एक गुप्त सुरंग है.

पूजा खेडकर की मां से संबद्ध कंपनी सील

पुणे। पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निकाय ने भारतीय प्रशासनिक सेवा की विवादास्पद परिवीक्षाधीन अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा से जुड़ी एक इंजीनियरिंग कंपनी को लगभग दो लाख रुपये का संपत्ति कर बकाया होने पर शुक्रवार को सील कर दिया. एक आपराधिक मामले में मनोरमा खेडकर फिलहाल पुणे पुलिस की हिरासत में हैं. पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम ने संपत्ति का बकाया न चुकाने पर तलावडे क्षेत्र में स्थित बंद पड़ी कंपनी थर्मोवेरिटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को सील कर दिया.

चिली में 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

सैंटियागो (चिली)। अर्जेंटीना की सीमा के पास उत्तरी चिली में बृहस्पतिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने यह जानकारी दी. इस भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है. यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप चिली के समयानुसार रात नौ बजकर 51 मिनट पर 117 किलोमीटर गहराई में आया. इसका केंद्र चिली के सैन पेड्रो डी अटाकामा से 45 किलोमीटर (28 मील) दक्षिण-पूर्व में था.

यूएस ने यूक्रेन मुद्दे पर भारत से समर्थन मांगा

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग को रेखांकित करते हुए कहा है कि अमेरिका चाहता है कि भारत यूक्रेन में स्थायी और न्यायपूर्ण शांति स्थापित करने के उसके प्रयासों का समर्थन करे. विदेश मंत्रालय के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हाल में हुई बैठकों के बारे में बृहस्पतिवार को पूछे गए एक सवाल के जवाब में ये बातें कहीं.

लादेन का करीबी सहयोगी गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अलकायदा के एक प्रमुख सदस्य अमीन उल हक को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया. उसे मारे गये आतंकवादी ओसामा बिन लादेन का करीबी सहयोगी बताया गया है. पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है, क्योंकि विभाग ने विभिन्न खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर पंजाब प्रांत में एक योजनाबद्ध अभियान के दौरान हक को गिरफ्तार किया है.

आइटी संकट : माइक्रोसॉफ़्ट पीसी ऑपरेटिंग सिस्टम में आई गड़बड़ी के कारण दुनिया भर में आईटी सेवाएं प्रभावित

एयरलाइंस, मीडिया व बैंकिंग पर व्यापक असर

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क। नई दिल्ली

दुनिया भर के बड़े बैंक, मीडिया आउटलेट्स और एयरलाइंस कंपनियों ने बड़े पैमाने पर आईटी सेवाओं के बाधित होने की शिकायत की है जिसका असर उनकी सेवाओं पर पड़ा है. आईटी सेवाओं में इस रुकावट की वजह को लेकर तस्वीर अभी तक साफ़ नहीं हो पाई है लेकिन इससे प्रभावित होने वाले कई प्रतिष्ठानों ने इसके लिए माइक्रोसॉफ़्ट पीसी ऑपरेटिंग सिस्टम में आई गड़बड़ी को जिम्मेदार बताया है. सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर माइक्रोसॉफ़्ट 365 के आधिकारिक हैंडल से जारी किए गए सर्विस अपडेट में कहा गया है कि "हम माइक्रोसॉफ़्ट 365 के विभिन्न ऐप्स और सर्विसेज़ का इस्तेमाल करने में यूजर्स को हो रही समस्या की जांच कर रहे हैं." हालांकि माइक्रोसॉफ़्ट के एक प्रवक्ता ने बीबीसी को शुक्रवार को बताया कि कुछ घंटे पहले बाधित होने वाली ज़्यादातर आईटी सेवाएं को बहाल कर लिया गया है. ऑस्ट्रेलिया इस आईटी संकट से विशेष रूप से प्रभावित हुआ है. देश के गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि ये आईटी संकट एक साइबर सिक्योरिटी फर्म से जुड़ा हुआ है. जबकि ऑस्ट्रेलिया की साइबर सिक्योरिटी पर नज़र रखने वाली सरकारी एजेंसी का कहना है कि किसी साइबर हमले का कोई अंदेशा नहीं है.क्या है ताज़ा हालात : कंप्यूटर सिस्टम में एक बड़ी समस्या के कारण दुनिया भर में ट्रांसपोर्ट, ब्रॉडकास्ट, अस्पताल और अन्य की सेक्टरों की सेवाएं बाधित हुई हैं. दुनिया भर में कई फ़्लाइट्स रद्द हुई हैं और कई फ्लाइट्स का उड़ान टाइम आगे बढ़ाया गया है. अमेरिकन एयरलाइन का कहना है कि दिक्कत की वजह साइबर सिक्योरिटी फ़र्म क्राउडस्ट्राइक है. अमेरिका के अलास्का राज्य ने कहा है कि उनका इमरजेंसी सेवाओं का नेटवर्क भी प्रभावित है. भारत की एयरपोर्ट्स पर भी सेवाएं प्रभावित हुई हैं. दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों के गेट की जानकारी व्हाइटबोर्ड पर हाथ ले लिखी जा रही है. पेरिस ओलंपिक का आईटी सिस्टम भी प्रभावित हुआ है.

लंदन एयरपोर्ट

आईटी आउटेज के लिए क्राउडस्ट्राइक कंपनी जिम्मेदार?

बीबीसी हिंदी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकन एयरलाइन ने दुनिया भर में आईटी आउटेज के लिए क्राउडस्ट्राइक नाम की साइबरसिक्योरिटी कंपनी को ज़िम्मेदार बताया है. अब स्विटज़रलैंड की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी ने भी इसी फ़र्म पर उंगली उठाई है. क्राउडस्ट्राइक एक साइबर सिक्योरिटी कंपनी है जिसकी स्थापना साल 2011 में हुई थी. क्राउडस्ट्राइक दुनिया भर की बड़ी कंपनियों और हार्डवेयर को साइबर अटैक से बचाने का काम करता है. ये कंपनी एंडपॉइंट सुरक्षा में माहिर है और कॉर्पोरेट नेटवर्क से कनेक्ट होने वाले उपकरणों, जैसे फ़ोन और लैपटॉप वगैरह को वायरस या मालवेयर से बचाने का काम करती है. ये उन कंपनियों को भी सुरक्षा प्रदान करती है जो क्लाउड नेटवर्क पर काम करती हैं. ये उन कंपनियों के डेटा की सुरक्षा करती है जो इसे अपनी छत के नीचे, या अपने स्वयं के सर्वर पर सुरक्षित रखने से तथाकथित क्लाउड प्रदाताओं में स्थानांतरित हो गए हैं. टेक्सास स्थित फर्म की स्थापना उद्यमियों जॉर्ज कर्ट्ज़ और दिमित्री अल्पेरोविच ने की थी. लॉन्च होने के बाद से ही कंपनी ने साइबर हमलों की जांच में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. 2016 में इस कंपनी को यूएस डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी ने अपने कंप्यूटर नेटवर्क में सेंध की जांच के लिए बुलाया है. साइबरस्ट्राइक के सह-संस्थापक जॉर्ज कुर्त्ज़ ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा है कि क्राउडस्ट्राइक विंडोज़ होस्ट में पाए गए दोष से प्रभावित ग्राहकों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है.

दुनिया भर में इमर्जेंसी सेवाएं हुईं प्रभावित

ऑस्ट्रेलिया की साइबर सिक्योरिटी निगरानी एजेंसी ओर से जारी बयान में कहा गया है, "हमारे पास फिलहाल ये सूचना है कि थर्ड पार्टी सॉफ्टवेयर प्लेटफ़ॉर्म में आई तकनीकी समस्या से उनका इस्तेमाल करने वाली कंपनियां प्रभावित हुई हैं." उधर, अलास्का के अधिकारियों का कहना है कि 911 और गैर आपातकाली सेवाओं से जुड़े कॉल सेंटर्स ठीक से काम नहीं कर रहे थे. दुनिया भर में कई एयरलाइंस कंपनियों को अपनी विमान सेवाएं रोकनी पड़ी हैं और बहुत सी उड़ानें विलंब से चल रही हैं. अमेरिकी राज्य अलास्का ने चेतावनी दी है कि आईटी सेवाओं में रुकावट का असर उसकी इमर्जेंसी सर्विसेज़ पर पड़ा है. ऑस्ट्रेलिया के सुपरबाज़ार ठप हैं और कई देशों में मीडिया आउटलेट्स को सिस्टम फ़ेल होने की वजह से लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है. स्काई न्यूज़ को ब्रिटेन में थोड़े समय के लिए अपना प्रसारण रोकना पड़ा.

भारत में विमान सेवाएं बाधित

दिल्ली एयरपोर्ट

भारत में भी आईटी सेवाएं बाधित हुई एडवायज़री जारी कर यात्रियों को के आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बारे में हमारा मंत्रालय माइक्रोसॉफ़्ट लगाया जा चुका है और इससे निपटने सीईआरटी (इंडियन कंप्युटर टेक्निकल एडवाइज़री जा कर रहा है. आउटेज से प्रभावित नहीं है." कि आउटेज की वजह क्राउडस्ट्राइक द्वारा जारी एक अपडेट गया है. अब भी अगर होस्ट कंप्युटर मोड या सेफ मोड में बूट करने की इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर चेक-इन के लिए इस्तेमाल होने वाले सारे टर्मिनल बंद हैं. एयरपोर्ट की ओर से एक्स पर लिखा गया, "ग्लोबल आईटी दिक्कतों के कारण दिल्ली एयरपोर्ट की कुछ सेवाएं अस्थाई रूप से बाधित हैं. हम सेवाओं में हो रही बाधा के असर को कम करने का प्रयास कर रहे हैं. हैं. देश के कई एयरपोर्ट्स ने इसके बारे में आगाह किया है. भारत कहा, "ग्लोबल आईटी आउटेज के के संपर्क में है. इसके कारण का पता के लिए काम शुरू हो चुका है. इमरजेंसी रेस्पांस टीम) एक भारत का एनआईसी नेटवर्क इस सीईआरटी ने अपने बयान में कहा है साइबरसिक्योरिटी कंपनी है. कंपनी की टीम को ये बता दिया क्रैश कर रहे हों तो वे विंडो रिकवरी कोशिश कर सकते हैं. दिल्ली की

चेन्नई एयरपोर्ट

भारतीय विमान कंपनियां बोलीं-एयरपोर्ट प्रशासन सहयोगियों से संपर्क में

भारत की राजधानी दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी दी गई है कि वैश्विक आईटी संकट की वजह से उसकी कुछ सेवाओं पर असर पड़ा है. बयान मुताबिक़, 'एयरपोर्ट प्रशासन सभी सहयोगियों से संपर्क में है ताकि यात्रियों की परेशानी को कम किया जा सके.' अकासा एयर ने ट्वीट कर कहा है, "दिक्कतों की वजह से हमारे सर्विस प्रोवाइडर, हमारी कुछ ऑनलाइन सेवाएं, जिनमें बुकिंग, चेक इन और अन्य बुकिंग सेवाएं अस्थाई तौर पर अनुपलब्ध रहेंगी. इस समय हम एयरपोर्ट पर मैनुअल चेक इन और बोर्डिंग प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं. हम यात्रियों से एयरपोर्ट पर जल्द पहुंचने और चेक इन कराने का आग्रह कर रहे हैं." एयर इंडिया ने भी इस संकट पर ट्वीट किया है, "माइक्रोसॉफ़्ट के सर्वर में ख़राबी आने से हमारा सिस्टम अस्थायी तौर पर प्रभावित हुआ है और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है." इंडिगो एयरलाइंस ने ट्वीट किया है, "माइक्रोसॉफ़्ट के सर्वर में आई गड़बड़ी की वजह से यात्रियों को एयरपोर्ट पर इंतज़ार का समय लंबा हो गया है." स्पाइस जेट ने भी कहा है कि वो विमानों के अपडेट देने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है

एयर इंडिया ने रूस में फंसे यात्रियों को ले जाने के लिए मुंबई से राहत उड़ान भेजी

मुंबई। एयर इंडिया ने अपनी दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को उड़ान के यात्रियों को ले जाने के लिए मुंबई से एक राहत उड़ान रवाना की है. ये यात्री बृहस्पतिवार से रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केजेए) पर फंसे हुए हैं. एयर इंडिया के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि राहत विमान एआई 1179 यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दोपहर 12.52 बजे रवाना हुआ और रूसी शहर क्रास्नोयार्स्क स्थित हवाई अड्डे पर स्थानीय समय अनुसार रात लगभग आठ बजे पहुंचने की संभावना है. एयरलाइन ने कहा कि रूसी हवाई अड्डे पर यात्रियों और कर्मचारियों को किसी भी तरह की सहायता प्रदान करने के लिए चालक दल और सुरक्षा कर्मियों सहित एयर इंडिया की एक टीम राहत उड़ान में मौजूद है. उसमें सभी यात्रियों के लिए पर्याप्त भोजन के अलावा आवश्यक सामान भी मौजूद है. विमान जल्द से जल्द सभी यात्रियों और चालक दल को हवाई अड्डे से बाहर ले जाएगा. एयरलाइन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि राहत उड़ान के लिए उसे नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है. एयरलाइन ने कहा कि उसने सूचना के लिए एक समर्पित हॉटलाइन सेवा भी स्थापित की है. इसके तहत भारत में बात करने के लिए 011 -69329301 तथा अमेरिका में बात करने के लिए 13177390126 पर संपर्क किया जा सकता है.

बांग्लादेश में आरक्षण प्रणाली में सुधार को लेकर जारी हिंसक प्रदर्शनों में 25 लोगों की मौत

सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जारी प्रदर्शनों के बीच शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे. हिंसक प्रदर्शनों के बीच इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं. राजधानी ढाका और कुछ स्थानों पर प्रदर्शन कुछ सप्ताह पहले शुरू हुए थे लेकिन सोमवार से इनमें तेजी आई. ये विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं क्योंकि जनवरी में हुए चुनाव में उन्होंने लगातार चौथी बार जीत हासिल की है. 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक रिपोर्टर ने देखा कि सीमा रक्षक अधिकारियों ने 1000 से अधिक प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर गोलियां चलाईं. ये प्रदर्शनकारी 'बांग्लादेश टेलीविजन' के मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए थे. इस मुख्यालय पर एक दिन पहले प्रदर्शनकारियों ने हमला किया था और आग लगा दी थी. सीमा रक्षकों ने राइफलों से भीड़ पर गोलियां चलाईं, जबकि पुलिस अधिकारियों ने आंसू गैस के गोले दागे और रबर की गोलियां चलाईं. गोलियां सड़कों पर बिखरी हुई थीं जिन पर खून के धब्बे भी लगे थे.

'बांग्लादेश टेलीविजन' के न्यूज प्रोड्यूसर और पत्रकार ने बृहस्पतिवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मुख्य द्वार तोड़ दिया और वाहनों और स्वागत कक्ष क्षेत्र में आग लगा दी. न्यूज प्रोड्यूसर ने फोन पर कहा, 'मैं दीवार फांदकर भाग गया लेकिन मेरे कुछ साथी अंदर फंस गए. हमलावर इमारत में घुसे और उन्होंने फर्नीचर में आग लगा दी.' स्थानीय मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बृहस्पतिवार को कम से कम 22 लोग मारे गए जबकि इस सप्ताह की शुरुआत में छह लोगों की मौत हो गई थी. इसके साथ ही विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से मरने वालों की संख्या 25 हो गई है. प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि वे प्रदर्शन जारी रखेंगे. ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्र 1971 में पाकिस्तान से देश की आजादी के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ रैलियां कर रहे हैं.

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बांग्लादेश में जारी हिंसा पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि गुतारेस बांग्लादेश के घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं और वहां जारी हिंसा से बेहद चिंतित हैं. गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बृहस्पतिवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम ढाका और बांग्लादेश के अन्य स्थानों पर घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं साथ ही सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हैं.' संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बांग्लादेश सरकार से बातचीत के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की अपील की, साथ ही गतिरोध दूर करने के लिए प्रदर्शनकारियों से बातचीत में शामिल होने का आग्रह किया. दुजारिक ने कहा, 'हिंसा कोई हल नहीं है.' उन्होंने कहा कि गुतारेस बेहतर विश्व के निर्माण में युवाओं की सार्थक और रचनात्मक भागीदारी को प्रोत्साहित करते है.

द्रमुक ने 3 नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ किया उच्च न्यायालय का रुख

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों को असंवैधानिक और अवैध घोषित करने की अपील करते हुए शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया. देश में एक जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए), लागू हो चुके हैं जिन्होंने ब्रिटिशकालीन कानूनों- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है. न्यायमूर्ति एस.एस. सुंदर और न्यायमूर्ति एन सेंथिल कुमार की खंडपीठ के समक्ष द्रमुक के संगठन सचिव आरएस भारती द्वारा दायर याचिका सुनवाई के लिए आई. पीठ ने केंद्र को नोटिस जारी करने का आदेश दिया जिसका जवाब चार सप्ताह के भीतर देना होगा. याचिकाकर्ता के अनुसार सरकार ने तीनों विधेयक पेश किए और बिना किसी सार्थक चर्चा के उन्हें संसद से पारित करा लिया.

तेल अवीव में हवाई हमले में एक की मौत, 10 लोग घायल

- यमन के हूती विद्राहियों ने हमले की जिम्मेदारी ली, इजराइली सेना एयर स्ट्राइक की जांच में जुटी

एजेंसी। तेल अवीव

इजराइल के तेल अवीव की सड़कों पर शुक्रवार को भीषण विस्फोट हुआ और चारों ओर छर्रे बिखर गए. इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए. यह हमला ऐसे स्थान पर किया गया जो अमेरिकी दूतावास के काफी नजदीक था. यमन के हूती विद्राहियों ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है.

वहीं इजराइली सेना ने कहा कि वह विस्फोट मामले की जांच कर रही है और घटना के बाद हवाई गश्त बढ़ाई जा रही है. सेना की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि है यह 'हवाई हमला' था. अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इजराइल की हवाई रक्षा प्रणाली इस हमले को रोक क्यों नहीं पाई और इजराइल इस हमले के जवाब में क्या कदम उठाएगा. इजराइल और हमास के बीच नौ माह के युद्ध जारी है. यमन के हूती विद्रोही खुलकर हमास का

साथ दे रहे हैं और वे लगातार इजराइल की ओर ड्रोन और मिसाइलें दाग रहे हैं. शुक्रवार तक ऐसे सभी हमलों को या इजराइली बलों ने नाकाम किया है या उनके पश्चिमी सहयोगियों ने. इजराइल ने अब तक हूती विद्रोहियों पर कोई हमला नहीं किया है और वह पूरा ध्यान गाजा में युद्ध और लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला के साथ जारी लड़ाई पर केंद्रित कर रहा है. इजराइल की आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा ने बताया कि इस हमले में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है. वहीं हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सारे ने 'एक्स' पर कहा कि यह हमला इजराइल और हमास के बीच गाजा में जारी युद्ध के प्रत्युत्तर में किया गया है.

मीडिया रिपोर्ट राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस विचार को स्वीकार करना शुरू कर दिया है कि वह नवंबर में होने वाला चुनाव जीतने में संभवत: सक्षम नहीं हैं

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ से पीछे हट सकते हैं बाइडन

एजेंसी। मिलवाउकी

अमेरिका के राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रक्रिया के तहत रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ पहली बहस में 'खराब' प्रदर्शन के बाद से चुनावी दौड़ से पीछे हटने के लिए लगातार बढ़ रहे दबाव के बीच, अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन अपनी उम्मीदवारी को लेकर बड़ी घोषणा कर सकते हैं. अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है. दरअसल, बहस में बाइडन के 'खराब' प्रदर्शन, उनके खराब स्वास्थ्य, उनके प्रतिद्वंद्वी ट्रंप की हत्या की कोशिश और सर्वेक्षणों में उनकी घटती लोकप्रियता के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने राष्ट्रपति को चुनावी दौड़ से पीछे हटने का सुझाव दिया है.

'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने कहा, 'राष्ट्रपति बाइडन के कई करीबी लोगों ने बृहस्पतिवार को कहा कि

उनका मानना है कि उन्होंने (बाइडन ने) इस विचार को स्वीकार करना शुरू कर दिया है कि वह नवंबर में होने वाला चुनाव जीतने में संभवतः सक्षम नहीं हैं और उन्हें अपनी पार्टी के कई चिंतित सदस्यों की बढ़ती मांगों के आगे झुकते हुए दौड़ से बाहर होना पड़ सकता है.' बाइडन एक बार फिर कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं और राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया के महत्वपूर्ण मोड़ पर उन्हें अपना प्रचार अभियान रोकना पड़ा है. वह डेलावेयर स्थित अपने आवास में पृथकवास में रह रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी बाइडन की उम्मीदवारी के बारे में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के समक्ष निजी तौर पर चिंता व्यक्त की है.

वहीं, प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने बाइडन (81) को निजी तौर पर आगाह किया है कि यदि वह उम्मीदवारी की दौड़ से पीछे नहीं हटते हैं तो डेमोक्रेटिक पार्टी सदन में नियंत्रण हासिल करने की क्षमता खो सकती है. न्यूयॉर्क टाइम्स' की खबर में कहा गया, 'शीर्ष डेमोक्रेटिक नेताओं के करीबी लोगों ने बृहस्पतिवार को कहा कि अब ऐसा लग रहा है कि बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ से अंततः पीछे हट जाएंगे. एक-दो दिन पहले पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने मित्रों से कहा कि बाइडन की जीत की उम्मीद कम है.'

कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए ज्यादा योग्य उम्मीदवार: सर्वे

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पर राष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवारी छोड़ने के लिए बढ़ रहे दबाव के बीच डेमोक्रेटिक पार्टी के अधिकतर नेताओं को लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए सबसे अच्छी उम्मीदवार हैं. एपी-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के एक नए सर्वेक्षण में पता चला है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के 10 में से छह नेताओं को लगता है कि कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार हैं. 10 में से लगभग दो नेताओं ने कहा कि उन्हें नहीं लगता की कमला हैरिस सही उम्मीदवार हैं, जबकि 10 में से दो अन्य ने कहा कि उन्हें इस बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है कि वे कुछ कह सकें. 27 जून को हुई बहस में

बाइडन के खराब प्रदर्शन को देखते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेताओं का कभी गुपचुप तरीके से तो कभी खुले तौर पर मानना है कि हैरिस को बाइडन की जगह राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए. इन नेताओं का मानना है कि वह रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को बाइडन से ज्यादा कड़ी टक्कर दे सकती हैं. जहां तक हैरिस की बात है तो वह बाइडन का पूरी तरह से समर्थन करती रही हैं.

तीन-चौथाई नेताओं का हैरिस पर सकारात्मक दृष्टिकोण

डेमोक्रेटिक पार्टी के लगभग तीन-चौथाई नेता हैरिस के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, जबकि बाइडन के लिए भी वे ऐसा ही दृष्टिकोण रखते हैं. 10 में से सात लोग उनके बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं. टेम्पा में रहने वाली शैनन बेली ने राष्ट्रपति के तौर पर बाइडन की उपलब्धियों, खासकर बुनियादी ढांचा कानून और महंगाई को काबू में रखने के लिए उनकी तारीफ की और कहा कि उन्हें "प्रेमपूर्वक याद" किया जाएगा. हालांकि वह बाइडन की तुलना में हैरिस का ज्यादा समर्थन करती दिखीं. कहा कि हैरिस राष्ट्रपति पद संभालने के लिए ज्यादा सक्षम नजर आती हैं.

हम नहीं हारेंगे, अमेरिका स्वर्णिम युग की दहलीज पर : डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने देशवासियों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि अब विश्व के ऐसे सबसे सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व की मांग और अपेक्षा करने का समय आ गया है जो साहसिक, गतिशील, मजबूत और निडर हो. ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका एक नए स्वर्णिम युग की दहलीज पर है, लेकिन हमें इस युग को लाने के लिए साहसिक कार्य करने होंगे. हम हारेंगे नहीं.' राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए ट्रंप (78) ने अपने भाषण में अमेरिकियों से अपील की कि वे पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में उन्हें जीत दिलाने में मदद करें. ट्रंप ने अपने ऊपर हुए हमले के करीब एक सप्ताह के बाद कहा, 'आज, मैं आपसे आपका

सहयोग, आपका समर्थन और आपका वोट विनम्रतापूर्वक मांगता हूं. मैं आपके भरोसे का सम्मान करने का हर दिन प्रयास करूंगा और मैं आपको कभी निराश नहीं करूंगा.' उन्होंने कहा, 'जिन पुरुषों और महिलाओं को भुला दिया गया है, जिन्हें पीछे छोड़ दिया गया है, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया, अब उनके साथ ऐसा नहीं होगा. हम साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे और हम जीतेंगे. मैं आप सभी के सामने आत्मविश्वास, ताकत और उम्मीद का संदेश लेकर खड़ा हूं. अब से चार महीने बाद हम एक अविश्वसनीय जीत हासिल करेंगे और हमारे शासन के आगामी चार वर्ष इतिहास के सबसे महान वर्ष होंगे.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)